@Qpatrika
@qaumipatrika hindi
instagram.com/qaumipatrika

कौमी पत्रिका
राष्ट्रीय दैनिक अखबार

दिल्ली–हरियाणा–पंजाब–चण्डीगढ़–उत्तर प्रदेश से प्रसारित
शुक्रवार, 26 दिसम्बर 2025

VISIT:
www.qaumipatrika.in
Email: qpatrika@gmail.com

R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472 सम्पादक – गुरचरन सिंह बब्बर वर्ष 19 अंक 52 qaumipatrikahindi 011-41509689, 23315814, 9312262300 गाजियाबाद संवत् 2077-78, पेज (12) मूल्य 3.00 रुपये (हवाई शुल्क 50 पैसे अतिरिक्त)

लखनऊ में पीएम मोदी ने किया राष्ट्र प्रेरणा स्थल का उद्घाटन

देश की महान विभूतियों को किया नमन

एजेंसी
लखनऊ । प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को राजधानी लखनऊ की बसंत कुंज योजना स्थित राष्ट्र प्रेरणा स्थल का उद्घाटन किया। इस अवसर पर प्रधानमंत्री ने परिसर में स्थापित महापुरुषों की प्रतिमाओं का अवलोकन किया और उन्हें नमन किया। समारोह में रक्षामंत्री राजनाथ सिंह, राज्यपाल आनंदीबेन पटेल और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ सहित कई वरिष्ठ नेता मौजूद रहे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंच पर पहुंचते ही बड़ी संख्या में मौजूद लोगों का अभिवादन किया। इसके बाद वंदे मातरम गीत गाया गया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कार्यक्रम स्थल पर पहुंचने के बाद भारत माता की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की। इसके बाद उन्होंने भाजपा व जनसंघ के गलियारे का अवलोकन किया। इस गलियारे में जनसंघ और भाजपा की पूरी यात्रा को तस्वीरों के माध्यम से दिखाया गया है। इसके बाद पीएम मोदी ने डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी गैलरी का भ्रमण किया। इस गैलरी में डॉ. मुखर्जी के

जीवन से जुड़े हुए विभिन्न चित्र और प्रतीक चिह्न रखे गए हैं। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में बन कर तैयार भव्य 'राष्ट्र प्रेरणा स्थल' भारतीय राष्ट्रवाद की त्रयी कहे जाने वाले डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी, पं. दीन दयाल उपाध्याय और भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी के विचारों और अमूल्य योगदान को जन-जन तक पहुंचाने का अनुपम प्रयास है। ज्ञात हो कि लखनऊ के वसंत कुंज में राष्ट्र प्रेरणा स्थल को कमल की आकृति में बनाया गया है। प्रेरणा स्थल में राष्ट्रवाद के शिखर पुरुषों डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी, पं दीन दयाल उपाध्याय और पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की 65 फुट ऊंची कांस्य प्रतिमाओं का निर्माण किया गया है। जिनका निर्माण विश्व विख्यात मूर्तिकार राम सुतार और मंटू राम आर्ट क्रिएशंस ने किया है। प्रतिमाओं को फेसेड लाइटिंग और प्रोजेक्शन मैपिंग से सजाया गया है। साथ ही परिसर में राष्ट्र नायकों को समर्पित संग्रहालय का निर्माण भी किया गया है। संग्रहालय की इंटरप्रिटेशन वॉल पर भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन और स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के म्यूरल आर्ट से देश की राष्ट्रीयता की यात्रा को दर्शाया गया है। संग्रहालय के कोर्टयार्ड में राष्ट्रीय भावना की प्रतीक भारत माता की प्रतिमा स्थापित की गई है। राष्ट्र नायकों को समर्पित गैलरियां उनके जीवन, विचारधारा और संघर्षों को जीवंत बनाती हैं। साथ ही राष्ट्र प्रेरणा स्थल परिसर में सिंथेटिक ट्रैक, मेडिटेशन सेंटर, विपश्यना केंद्र, योग केंद्र, हेलीपैड और कैफेटेरिया का भी निर्माण किया गया है। इसके अलावा, परिसर में 3000 की क्षमता वाले एम्फीथिएटर और लगभग 2 लाख की क्षमता के रैली स्थल का भी निर्माण किया गया है। राष्ट्र प्रेरणा स्थल न केवल ऐतिहासिक स्मृति का बिंदु है, बल्कि भावी पीढ़ियों में राष्ट्रीयता की भावना का संचार करेगा।

अटल बिहारी राजनीति के अजातशत्रु थे : गृहमंत्री अमित शाह

● पूर्व प्रधानमंत्री वाजपेयी लोक कल्याण के समर्पित नेता थे और सबसे बड़ी बात थी राजनीति में रहकर भी अजातशत्रु बनकर मृत्यु का वरण करना, जो बहुत मुश्किल होता है।

एजेंसी
ग्वालियर । केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने भारत रत्न, पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी को उनकी जन्म जयंती पर याद करते हुए कहा कि वाजपेयी राजनीति के अजातशत्रु थे, जिन्होने भारत का दुनिया के सामने मान बढ़ाया। मध्य प्रदेश के ग्वालियर में अभ्युदय मध्य प्रदेश ग्रोथ समिट का उद्घाटन करते हुए केंद्रीय गृहमंत्री शाह ने अटल बिहारी वाजपेयी की 101वीं जयंती पर स्मरण किया। उन्होंने ग्वालियर अंचल के देश के लिए दिए गए योगदान को याद किया और अटल बिहारी से जुड़े प्रसंगों का जिक्र किया। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने कहा कि ग्वालियर क्षेत्र ने अनेक सदियों तक भारत को कई मायने में ऊर्जा और गति देने का काम किया है। जब मुगलों के सामने लड़ना था तब यहीं से लड़ाई की शुरुआत हुई। तानसेन से लेकर आज तक सांस्कृतिक विरासत को शक्ति देने का काम किया। इस क्षेत्र के किसानों ने हमेशा इस देश की कृषि को नई दिशा गति और ऊर्जा भी दी है। सबसे बड़ी बात, इसी क्षेत्र ने आजादी के बोलबाला था तब यूएन की परिषद में हिंदी में भाषण करके पूरे भारत का दिल

कालखंड के बाद बड़ी मात्रा में पैरामिलिट्री फोर्स और मिलिट्री में जवान देने का काम किया है। पूर्व प्रधानमंत्री वाजपेयी की चर्चा करते हुए केंद्रीय गृहमंत्री शाह ने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री का बड़ा कालखंड इसी क्षेत्र में बीता और अटल को अटल बिहारी बनाया। उन्होंने न केवल इस देश की सांस्कृतिक विरासत को बचाने में मदद की बल्कि पूरे जीवन स्वराज को सुशासन तक की यात्रा को आगे ले जाने का काम किया। उन्होंने उस जमाने में जब अंग्रेजी का जीतने का काम किया। जब वे प्रधानमंत्री बने उस समय देश के जनजाति के लिए कोई अलग विभाग नहीं था। उनके नेतृत्व में ही भारत सरकार में जनजाति विभाग बनने का काम हुआ और जनजातीय कल्याण की नई यात्रा शुरू हुई। पूर्व प्रधानमंत्री के कार्यकाल में अधोसंरचना के क्षेत्र में हुए कार्यों की चर्चा करते हुए केंद्रीय गृहमंत्री शाह ने कहा कि वाजपेयी जब प्रधानमंत्री बने तब देश के अधोसंरचना में निवेश को वोट पाकर चुनाव जीतने का जरिया नहीं माना जाता था।

एक करोड़ का इनामी नसली गणेश उइके मुठभेड़ में मारा गया

भुवनेश्वर । ओडिशा में गुरुवार को एक बड़े नक्सल विरोधी अभियान में खूंखार माओवादी कमांडर गणेश उइके मारा गया। यह जानकारी पुलिस अधिकारियों ने दी। उन्होंने बताया कि गणेश सीपीआई (माओवादी) की केंद्रीय समिति का सदस्य था और उस पर एक करोड़ रुपए का इनाम था। उइके को कंधमाल-गंजम जिले की सीमा पर घने राम्पा जंगल इलाके में ओडिशा पुलिस के स्पेशल ऑपरेशंस ग्रुप (एसओजी), सेंट्रल रिजर्व पुलिस फोर्स (सीआरपीएफ) और बॉर्डर सिक्योरिटी फोर्स (बीएसएफ) की संयुक्त सुरक्षा बल टीम ने मुठभेड़ में मार गिराया। सुरक्षा अधिकारियों ने बताया कि गणेश उइके लगभग चार दशकों से माओवादी आंदोलन में सक्रिय था और देश के सबसे वांछित माओवादी नेताओं में से एक था। वह तेलंगाना के नलगोंडा जिले का रहने वाला था और उसे कुछ साल पहले प्रतिबंधित संगठन की केंद्रीय समिति में शामिल किया गया था, जो संगठन के भीतर उसके रणनीतिक महत्व को दर्शाता है। उइके छत्तीसगढ़ में 2013 के झीरम घाटी नरसंहार का मास्टरमाइंड था, जिसमें कई वरिष्ठ कांग्रेस नेता मारे गए थे और वह कई राज्यों में कई हाई-प्रोफाइल माओवादी हमलों में शामिल था।

राष्ट्रपति आज प्रदान करेंगी प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार

एजेंसी
नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु शुक्रवार (26 दिसंबर) को विज्ञान भवन में आयोजित एक विशेष समारोह में प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार (पीएमआरबीपी) प्रदान करेंगी। वर्ष 2025 में 18 राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों से 20 बच्चों का इस सम्मान के लिए चयन किया गया है। वहीं वीर बाल दिवस-2025 का राष्ट्रीय स्तर का कार्यक्रम यहां के भारत मंडपम में आयोजित किया जाएगा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की कार्यक्रम में उपस्थिति रहेगी। वे बच्चों और युवाओं को संबोधित करेंगे तथा राष्ट्र निर्माण में युवा नागरिकों की भूमिका को रेखांकित करेंगे।महिला एवं बाल विकास मंत्रालय के अनुसार भारत सरकार का महिला एवं बाल विकास मंत्रालय शुक्रवार (26 दिसंबर) को राष्ट्रीय स्तर पर वीर बाल दिवस मनाएगा। इस अवसर पर भारत के युवा वीरों के साहस, बलिदान और अनुकरणीय मूल्यों को स्मरण किया जाएगा। इसी दिन विभिन्न क्षेत्रों में असाधारण उपलब्धियाँ हासिल करने वाले बच्चों को प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार (पीएमआरबीपी) प्रदान किए जाएंगे। प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार केंद्र सरकार द्वारा प्रतिवर्ष बच्चों को प्रदान किया जाने वाला एक प्रतिष्ठित राष्ट्रीय सम्मान है।

राष्ट्र प्रेरणा स्थल आने वाली पीढ़ियों को राष्ट्रनायकों के विचारों से प्रेरणा देगा : मु[?]यमंत्री योगी

● लखनऊ की धरती अपने राष्ट्रनायकों को सदैव गौरव और सम्मान देती रही है।

एजेंसी
लखनऊ । मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने इसे प्रदेश और देश के लिए गौरव का क्षण बताते हुए कहा कि यह स्थल आने वाली पीढ़ियों को राष्ट्रनायकों के विचारों से प्रेरणा देगा। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि आज का दिन हम सभी के लिए गर्व का है। उन्होंने कहा कि डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने स्वतंत्र भारत में 'एक देश, एक विधान, एक निशान और एक प्रधान' का उद्घोष किया था, जबकि पंडित दीनदयाल उपाध्याय के अंत्योदय के विचार को वर्तमान सरकार जमीन पर उतारने का कार्य कर रही है। सीएम योगी ने कहा

कि अटल बिहारी वाजपेयी के सपनों को साकार करने की दिशा में सरकार निरंतर काम कर रही है और आधुनिक भारत के शिल्पकार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का लखनऊ आगमन अपने आप में ऐतिहासिक है। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री के करकमलों से डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी, पंडित दीनदयाल उपाध्याय और अटल बिहारी वाजपेयी की प्रतिमाओं का लोकार्पण हुआ है। इसके साथ ही एक भव्य म्यूजियम का भी उद्घाटन किया गया है।मुख्यमंत्री ने कहा कि आत्मनिर्भर और विकसित भारत का जो स्वरूप आज देश देख रहा है, उसके पीछे इन तीनों महापुरुषों का मार्गदर्शन और प्रेरणा रही है।

कर्नाटक में स्लीपर बस में आग से 10 जिंदा जले

● 30 से ज्यादा यात्री सवार थे; चित्रदुर्ग के हिरियूर में लॉरी से टक्कर के बाद हादसा

एजेंसी
चित्रदुर्ग। कर्नाटक के चित्रदुर्ग में देर रात स्लीपर बस में टक्कर के बाद आग लग गई। हादसे में बस में

● पीएम मोदी ने भी हादसे पर दुख जताया है। वहीं, मृतकों के परिजन को 2-2 लाख और घायलों को 50-50 हजार रुपए देने का ऐलान किया है।

सवार 10 से ज्यादा लोग जिंदा जल गए। हालांकि कुछ मीडिया रिपोर्ट्स में

यह आंकड़ा 12 और 17 बताया जा रहा है। हादसा NH-48 पर हिरियूर तालुक में हुआ। बस बेंगलुरु से गोकर्ण जा रही थी। रिपोर्ट्स के मुताबिक बस में 30 से ज्यादा यात्री थे। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि रात 2.30 बजे तेज रफ्तार लॉरी डिवाइडर तोड़कर दूसरी तरफ से जा रही प्राइवेट कंपनी की सीबर्ड ट्रांसपोर्ट की बस से टकरा गई। बस में तुरंत आग लग गई। उस समय यात्री सो रहे थे। इस कारण उन्हें खुद को बचाने का मौका नहीं मिला।

पुलिस का कहना है कि ज्यादातर यात्रियों ने टिकट ऑनलाइन बुक किए थे। इससे पुलिस को उनके फोन नंबर मिल गए हैं। उनके परिवारों से संपर्क करने की कोशिश की जा रही है। जले हुए शवों की पहचान के लिए DNA टेस्ट करवाया जाएगा।

भारत ने के-4 बैलिस्टिक मिसाइल का सफल परीक्षण किया

● पनडुब्बी से 3500किमी की रेंज तक मार करेगी, 2 टन न्यूक्लियर पेलोड ले जाने की क्षमता

एजेंसी
चित्रदुर्ग। भारत ने बंगाल की खाड़ी में न्यूक्लियर पावर्ड सबमरीन INS अरिघात से 3,500 किलोमीटर रेंज वाली के-4 बैलिस्टिक मिसाइल का सफल परीक्षण किया। लॉन्च विशाखापट्टनम तट के पास किया गया। यह टेस्ट समुद्र के अंदर से मिसाइल दागने की भारत की क्षमता को मजबूत करने की दिशा में अहम कदम माना जा रहा है। के-4 मिसाइल को इस तरह

डिजाइन किया गया है कि इसे सबमरीन से लॉन्च कर दूर स्थित टारगेट्स पर हमला किया जा सके। इस परीक्षण के साथ भारत की समुद्र आधारित परमाणु प्रतिरोध क्षमता को और मजबूती मिली है। भारत अब जमीन, हवा और समुद्र–तीनों माध्यमों से परमाणु हथियार लॉन्च करने की क्षमता रखता है। ये मिसाइल 2 टन तक न्यूक्लियर वॉरहेड ले जाने में सक्षम है। वहीं, के-सीरीज की मिसाइलों में 'के' अक्षर डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम के सम्मान में रखा गया है, जिनकी भारत के मिसाइल कार्यक्रम में अहम भूमिका रही है।

मिसाइल की तकनीक और खासियत

के–4 मिसाइल, जमीन से लॉन्च होने वाली अग्नि–सीरीज पर आधारित एक एडवांस सिस्टम मिसाइल है, जिसे पनडुब्बी से लॉन्च के लिए बनाया गया है। लॉन्च के समय मिसाइल पहले समुद्र की सतह से बाहर आती है, इसके बाद उड़ान भरते हुए लक्ष्य की ओर बढ़ती है। यह मिसाइल न्यूक्लियर वारहेड ले जाने में सक्षम है और अरिहंत–क्लास की पनडुब्बियों से दागी जा सकती है।

राजनीतिक दलों को इले[?]टोरल ट्रस्ट से रुपये 3,811 करोड़ चंदा

● भाजपा को 2024-25 में सबसे ज्यादा 3,112 करोड़ रुपये ; कांग्रेस को सिर्फ 299 करोड़ रुपये मिले

एजेंसी
चित्रदुर्ग। इलेक्टोरल बॉन्ड पर सुप्रीम कोर्ट के बैन के बाद पहले वित्तीय वर्ष 2024-25 में राजनीतिक दलों को नौ इलेक्टोरल ट्रस्ट के जरिए 3,811 करोड़ रुपये का चंदा मिला है। इसमें से 3,112 करोड़ रुपये केंद्र में सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) को मिले। यह कुल फंड का

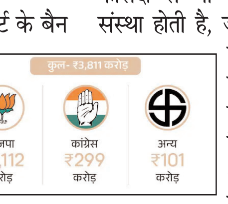

करीब 82 फीसदी आयोग को सौंपी गई रिपोर्ट्स से सामने आई है। चुनाव आयोग की वेबसाइट पर अपलोड इन रिपोर्ट्स के मुताबिक, बाकी सभी दलों को मिलाकर करीब 400 करोड़ रुपये (10 फीसदी) फंड मिला। इसमें कांग्रेस को 299 करोड़ रुपये मिले, जो कुल चंदे का 8 फीसदी से भी कम है।इलेक्टोरल ट्रस्ट एक रजिस्टर्ड संस्था होती है, जो कॉर्पोरेट कंपनियां और व्यक्तियों से चंदा लेकर राजनीतिक पार्टियों तक पहुंचाती है। ट्रस्ट को चंदे की पूरी जानकारी चुनाव आयोग को देनी होती है। इससे चंदे का रिकॉर्ड बना रहता है और पता चलता है कि किस पार्टी को कितना दान मिला। 20 दिसंबर तक के आंकड़ों के मुताबिक, चुनाव आयोग के पास 19 में से 13 इलेक्टोरल ट्रस्ट्स की रिपोर्ट मौजूद थी। इनमें से 9 ट्रस्ट्स ने 2024-25 में कुल ?3,811 करोड़ चंदा दिया, जो 2023-24 के ?1,218 करोड़ के मुकाबले 200 फीसदी से ज्यादा और तीन गुना है।

नवी मुंबई एयरपोर्ट शुरू

● पहली फ्लाइट को वाटर सैल्यूट

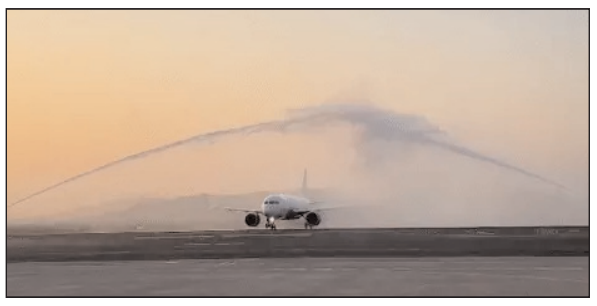

एजेंसी
मुंबई। नवी मुंबई इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर गुरुवार से कॉमर्शियल फ्लाइट ऑपरेशन शुरू हो गया। बेंगलुरु से इंडिगो की पहली फ्लाइट यात्रियों को लेकर नवी मुंबई एयरपोर्ट पहुंची। आगमन पर फ्लाइट को पारंपरिक वाटर कैनन सैल्यूट दिया गया।

इंडिगो की दूसरी फ्लाइट ने नवी मुंबई से हैदराबाद के लिए उड़ान भरी। इसके साथ ही एयरपोर्ट का पहला आगमन और प्रस्थान चक्र पूरा हुआ। एयरपोर्ट अथॉरिटी ने इसे NMIA की पहली कॉमर्शियल लैंडिंग और टेक-ऑफ बताया। नवी मुंबई एयरपोर्ट पर अडाणी ग्रुप के चेयरमैन गौतम अडाणी ने पहली कॉमर्शियल उड़ान से उतरे सभी यात्रियों का स्वागत किया।

अडाणी ने उनके साथ सेल्फी भी खिंचाई। अडाणी ग्रुप की नवी मुंबई इंटरनेशनल एयरपोर्ट लिमिटेड (NMIAL) कंपनी एयरपोर्ट का निर्माण और विकास कर रही है। एयरपोर्ट से पहले दिन इंडिगो, एअर इंडिया एक्सप्रेस, अकासा एयर और स्टार एयर की घरेलू उड़ानें संचालित होंगी। ये उड़ानें देश के नौ शहरों को नवी मुंबई से जोड़ेंगी। पहले दिन 15 फ्लाइट एयरपोर्ट से रवाना होंगी।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने संथाली भाषा में भारत का संविधान जारी किया

● सभी संथाली लोगों के लिए गर्व और खुशी की बात है कि भारत का संविधान अब संथाली भाषा में, ओल चिकी लिपि में उपलब्ध है।

एजेंसी
नई दिल्ली । राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने गुरुवार को राष्ट्रपति भवन में आयोजित एक समारोह में संथाली भाषा में भारत का संविधान जारी किया। इस अवसर पर राष्ट्रपति ने कहा कि यह सभी संथाली लोगों के लिए गर्व और खुशी की बात है कि भारत का संविधान अब संथाली भाषा में, ओल चिकी लिपि में उपलब्ध है। इससे वे संविधान को अपनी भाषा में पढ़ और समझ सकेंगे। राष्ट्रपति मुर्मू ने कहा कि इस वर्ष हम ओल चिकी लिपि की शताब्दी मना रहे हैं। उन्होंने विधि एवं न्याय मंत्री और उनकी टीम की प्रशंसा की, जिन्होंने शताब्दी वर्ष में भारत के संविधान को ओल चिकी लिपि में प्रकाशित करवाया।

भारत के राष्ट्रपति के आधिकारिक एक्स हैंडल पर पोस्ट में बताया गया, 'अलचिकि लिपि में लिखित संताली भाषा में भारत के संविधान का लोकार्पण करते हुए मुझे हार्दिक प्रसन्नता हो रही है। यह हमारे लिए गौरव एवं प्रसन्नता की बात है कि भारत का संविधान संताली भाषा में प्रकाशित हुआ है। '

पोस्ट में आगे लिखा गया, 'संताली भाषा में संविधान का

उपलब्ध होना समस्त संताली समुदाय के लिए अत्यंत हर्ष का विषय है। ओडिशा, झारखंड, पश्चिम बंगाल, असम और बिहार में रहने वाले सभी संताली लोग अपनी मातृभाषा एवं लिपि में लिखे गए संविधान को पूरी तरह जान सकेंगे। संविधान के अनुच्छेदों को वे ठीक से समझ सकेंगे। ' इस कार्यक्रम में उपस्थित गणमान्य व्यक्तियों में उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन और केंद्रीय विधि एवं न्याय राज्य मंत्री अर्जुन राम मेघवाल मौजूद रहे।

बता दें कि संथाली भाषा, जिसे 2003 के 92वें संविधान संशोधन अधिनियम के माध्यम से संविधान की आठवीं अनुसूची में शामिल किया गया था, भारत की सबसे प्राचीन जीवित भाषाओं में से एक है। यह झारखंड, ओडिशा, पश्चिम बंगाल और बिहार में बड़ी संख्या में आदिवासी लोगों द्वारा बोली जाती है।

3 करोड़ पंजाबियों को नए साल का तोहफा: मुख्यमंत्री मान

कौमी पत्रिका
चंडीगढ़, 25 दिसंबर। पंजाब के निवासियों के लिए नए साल के तोहफे के रूप में मुख्यमंत्री स भगवंत सिंह मान ने आज स्वास्थ्य विभाग को जनवरी माह से मुख्यमंत्री स्वास्थ्य योजना शुरू करने की मंजूरी दे दी है। इस योजना के तहत राज्य के प्रत्येक परिवार को 10 लाख रुपये तक का नकद–रहित इलाज सुनिश्चित किया जाएगा। आज यहां स्वास्थ्य विभाग की बैठक की अध्यक्षता करते हुए मुख्यमंत्री स भगवंत सिंह मान ने कहा कि मुख्यमंत्री स्वास्थ्य बीमा योजना की शुरुआत राज्य के लोगों को बिना एक भी पैसा खर्च किए व्यापक स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने कहा, यह योजना विश्व–स्तरीय स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करने और लोगों को 10 लाख रुपये तक का नकद–रहित इलाज सुनिश्चित करने के उद्देश्य से सरकार द्वारा शुरू की गई एक ऐतिहासिक पहल है। पंजाब देश का पहला ऐसा राज्य होगा, जहां हर परिवार को 10 लाख रुपये तक का नकद–रहित इलाज मिलेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि मुख्यमंत्री स्वास्थ्य योजना पंजाब सरकार की एक प्रमुख योजना है, जिसका उद्देश्य राज्य के सभी पात्र निवासियों को गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाओं के लिए वित्तीय सुरक्षा और आसान पहुंच प्रदान करना है। उन्होंने कहा, यह योजना सार्वभौमिक स्वास्थ्य

कवरेज की दिशा में एक अहम कदम है, जिसके अंतर्गत प्रत्येक नामांकित परिवार प्रति वर्ष 10 लाख रुपये तक का नकद–रहित चिकित्सकीय उपचार प्राप्त कर सकेगा। मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा कि इस योजना के तहत स्वास्थ्य सेवाओं तक सभी निवासियों की आसान पहुंच सुनिश्चित की गई है। इसके अंतर्गत पंजाब और चंडीगढ़ के सूचीबद्ध सरकारी एवं निजी अस्पतालों के व्यापक नेटवर्क में गंभीर बीमारियों, बड़ी सर्जरी, आईसीयू, क्रिटिकल केयर और जीवन–रक्षक उपचार की सुविधा उपलब्ध होगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि योजना का मुख्य उद्देश्य सूचीबद्ध अस्पतालों में नकद–रहित और कागज–रहित स्वास्थ्य सेवाएं सुनिश्चित करने के साथ–साथ द्वितीयक और तृतीयक स्वास्थ्य देखभाल पर होने वाले भारी खर्च को कम करना है। उन्होंने कहा, यह योजना शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं तक पहुंच को मजबूत करेगी तथा डिजिटल प्लेटफॉर्म के माध्यम से समयबद्ध शिकायत निवारण और लाभार्थियों को त्वरित सहायता भी सुनिश्चित की जाएगी।

शेष पृष्ठ 3 पर

एक करोड़ का इनामी नक्सली गणेश उइके ढेर, पांच अन्य नक्सली भी मुठभेड़ में मारे गए

कंधमाल (एजेंसी)। ओडिशा के कंधमाल जिले में गुरुवार को सुरक्षा बलों के साथ हुई मुठभेड़ में शीर्ष माओवादी नेता गणेश उइके समेत छह नक्सली मारे गए। राज्य में नक्सल विरोधी अभियान का नेतृत्व कर रहे वरिष्ठ अधिकारियों ने बताया कि, यह मुठभेड़ चकापाद पुलिस स्टेशन क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले घने जंगलों में हुई। मारा गया गणेश उइके (69 वर्ष) सीपीआई (माओवादी) की केंद्रीय समिति का सदस्य था और ओडिशा में इस प्रतिबंधित संगठन का प्रमुख था, जिस पर प्रशासन ने 1.1 करोड़ रुपये का इनाम घोषित था। मूल रूप से तेलंगाना के नलगोंडा जिले का रहने वाला उइके, पक्का हनुमंतु और राजेश तिवारी जैसे कई नामों से भी जाना जाता था।

सुरक्षा एजेंसियों के लिए बड़ी उपलब्धि

पुलिस ने बताया कि इस सफल ऑपरेशन में गणेश उइके के अलावा पांच अन्य नक्सली भी मारे गए हैं, जिनमें दो महिलाएं शामिल हैं। फिलहाल अन्य तीन नक्सलियों की पहचान नहीं हो पाई है। सुरक्षा बलों के लिए इसे एक बड़ी उपलब्धि माना जा रहा है क्योंकि उइके लंबे समय से सुरक्षा एजेंसियों की रडार पर था और क्षेत्र में नक्सली गतिविधियों मे शामिल था। फिलहाल इलाके में अभी भी तलाश अभियान जारी है।

काशी विश्वनाथ मंदिर प्रशासन का बड़ा फैसला... वीआईपी प्रोटोकॉल और स्पर्श दर्शन पर रोक

वाराणसी (एजेंसी)। नए साल का उत्साह अभी से देशभर में देखने को मिल रहा है। इसी उत्साह और आस्था के चलते देश के प्रमुख धार्मिक और पर्यटन स्थलों में शामिल वाराणसी में श्रद्धालुओं की संख्या तेजी से बढ़ने लगी है। खासतौर पर द्वादश ज्योतिर्लिंगों में से एक काशी विश्वनाथ मंदिर में भक्तों की भारी भीड़ उमड़ रही है। लगातार बढ़ती भीड़ और सुरक्षा व्यवस्था को ध्यान में रखते हुए मंदिर प्रशासन ने बड़ा फैसला लिया है। अगले आदेश तक काशी विश्वनाथ मंदिर में वीआईपी दर्शन, प्रोटोकॉल के जरिए होने वाले दर्शन और स्पर्श दर्शन पर रोक लगा दी गई है। आस्थावान श्रद्धालु नए साल की शुरुआत भगवान के दर्शन और पूजा-अर्चना के साथ करने के लिए अभी से वाराणसी पहुंचने लगे हैं। शीतकालीन छुट्टियों और अंग्रेजी कैलेंडर के नववर्ष के कारण काशी विश्वनाथ धाम में श्रद्धालुओं की संख्या बढ़ गई है। इसी के चलते मंदिर परिसर और आसपास के इलाकों में भारी भीड़ देखी जा रही है। मंदिर प्रशासन का कहना है कि श्रद्धालुओं की सुरक्षा, सुविधा और सुचारू दर्शन व्यवस्था को बनाए रखने के लिए यह निर्णय लिया गया है। काशी विश्वनाथ मंदिर के मुख्य कार्यपालक अधिकारी विश्व भूषण मिश्रा ने कहा कि वर्तमान परिस्थितियों में सभी श्रद्धालुओं को समान रूप से दर्शन की सुविधा देने पर जोर दिया जा रहा है। बढ़ती भीड़ को नियंत्रित करने और किसी भी तरह की अव्यवस्था से बचने के लिए विशेष या विशिष्ट दर्शन की अनुमति फिलहाल संभव नहीं है।

मुर्गों की लड़ाई के दौरान व्यक्ति की गोली मारकर हत्या

रांची (एजेंसी)। झारखंड के सरायकेला-खरसावां जिले में 35 वर्षीय व्यक्ति की गोली मारकर हत्या कर दी गई। पुलिस अधिकारी ने बताया कि विजय तिर्की चिलगु में मुर्गों की लड़ाई देखने गया था, तभी वहां पहले से इंतजार कर रहे हथियारबंद लोगों ने उस पर गोलीबारी शुरू कर दी। पुलिस के मुताबिक, विजय आपराधिक गतिविधियों में संलिप्त था। उन्होंने बताया कि हमलावरों ने विजय को कई गोली मारी, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। अधिकारी के अनुसार, विजय की व्यक्तिगत दुश्मनी या गैंगवार के कारण हत्या करने की आशंका है। उन्होंने बताया कि पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। अधिकारी ने कहा, ''हमने कुछ संदिग्धों की पहचान कर ली है। उन्हें पकड़ने के लिए छापेमारी की जा रही है।

सेना के जवानों को इंस्टाग्राम इस्तेमाल की परमीशन-वॉट्सएप, टेलीग्राम पर गैर-गोपनीय जानकारी शेयर कर सकेंगे

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय सेना ने जवानों के सोशल मीडिया एप्स के इस्तेमाल को लेकर नई पॉलिसी जारी की है। इंस्टाग्राम पर रील, फोटो और वीडियो देख सकेंगे हालांकि कमेंट करने की परमीशन नहीं है। वॉट्सएप, टेलीग्राम जैसे एप्स पर गैर-गोपनीय जानकारी शेयर कर सकेंगे। इसके अलावा यू-ट्यूब और एक्स का इस्तेमाल केवल जानकारी के लिए किया जा सकेगा। वहीं लिंक्डइन, स्काइप और सिग्नल एप के लिए भी नई गाइडलाइन जारी की गई है। भारतीय सेना ने पिछले महीने नए कोट कॉम्बैट के डिजाइन (डिजिटल प्रिंट) का पेटेंट कराया था। यह तीन-लेयर वाली यूनिफॉर्म सैनिकों के लिए हर मौसम में आरामदायक है। यानी कोई बिना सेना की अनुमति के इस डिजाइन का यूनिफॉर्म न तो बना सकेगा न बेच सकेगा व उपयोग कर सकेगा। ऐसा करने पर कानूनी कार्रवाई और जुर्माना होगा। इस नए कोट कॉम्बैट को नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ फैशन टेक्नोलॉजी (निफ्ट), दिल्ली ने आर्मी डिजाइन ब्यूरो के साथ तैयार किया है। सेना ने जनवरी 2025 में नया कॉम्बैट यूनिफॉर्म को पेश किया था।

कोडीन कफ सिरप मामले में मुख्य आरोपी जायसवाल के परिजनों के नाम पर दर्ज संपत्ति जब्त होगी

वाराणसी(एजेंसी)। कोडीन कफ सिरप मामले में 50 हजार के इनामी शुभम जायसवाल के परिजनों के नाम दर्ज 38 संपत्ति अब वाराणसी पुलिस जब्त करेगी। कोतवाली पुलिस की रिपोर्ट के आधार पर अदालत ने संपत्ति जब्त करने के लिए नोटिस दे दिया है। डीसीपी गौरव बंसवाल के अनुसार जल्द ही पुलिस कार्रवाई शुरू करेगी और शैली ट्रेडिंग के मालिक भोला प्रसाद, उनकी पत्नी और बेटी के नाम दर्ज कुल 38 करोड़ की संपत्ति जब्त होगी।

डीसीपी बंसवाल ने बताया कि फरार और 50 हजार के इनामी शुभम जायसवाल के परिजनों के नाम दर्ज 38 करोड़ की संपत्ति जल्द ही पुलिस जब्त करेगी। इसके लिए उन्हें कोर्ट से ऑर्डर मिल गया है। डीसीपी काशी जोन ने बताया कि शुभम कोडीन कफ सिरप मामले में मुख्य अभियुक्त है और अभी फरार चल रहा है। उसके पिता शैली ट्रेडर्स के प्रोपराइटर भोला प्रसाद को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। फिलहाल वे जेल में हैं। रिपोर्ट के अनुसार भोला प्रसाद, उनकी पत्नी शारदा जायसवाल, बेटी प्रगति जायसवाल और शुभम की पत्नी वैशाली के नाम पर 38 करोड़ की संपत्ति दर्ज है। जिसे जब्त किया जाएगा।

बांग्लादेश में हिन्दू अल्पसंख्यकों पर हिंसा गंभीर चिंता का विषय: मायावती

नई दिल्ली (एजेंसी)। लखनऊ (ईएमएस)। बहुजन समाज पार्टी की सुप्रीमो एवं उप्र की पूर्व मुख्यमंत्री मायावती ने पड़ोसी देश बांग्लादेश में हिन्दू अल्पसंख्यकों के खिलाफ हो रही साम्प्रदायिक हिंसा और हाल ही में एक दलित युवक की नृशंस हत्या पर गहरी चिंता व्यक्त की है। उन्होंने कहा कि जिस प्रकार से नृशंस हत्या की गयी है उसको लेकर भारत भर में लोगों का सड़कों पर फूटा आक्रोश स्वाभाविक है। इस मामले में केंकार को समुचित संज्ञान लेकर सक्रिय भूमिका निभानी चाहिए।

बसपा नेत्री मायावती ने एक्स पर लिखा कि अपने पड़ोसी देश बांग्लादेश में हिन्दू अल्पसंख्यकों के जान, माल व मज़हब को जिस प्रकार से साम्प्रदायिक हिंसा का शिकार बनाकर उन्हें प्रताड़ित किया जा रहा है उससे अपने देश में ही नहीं बल्कि अन्यत्र भी चिन्ता की लहर है तथा अभी हाल ही में वहाँ एक दलित युवक की जिस प्रकार से नृशंस हत्या की गयी है उसको लेकर भारत भर में लोगों का सड़कों पर फूटा आक्रोश स्वाभाविक है, जिसका भारत सरकार को तुरन्त समुचित संज्ञान लेकर आगे हर स्तर पर कुछ और भी अधिक सक्रिय भूमिका निभाने की देश को आशा है और यही समय की माँग भी लगती है। उन्होने कहा कि वैसे तो अपने देश में भी ख़ासकर दलितों व आदिवासियों आदि पर सदियों से होने वाली जातिवादी द्वेष, जुल्म-ज्यादती, शोषण व तिरस्कार आदि रुका नहीं है बल्कि हर स्तर पर लगातार जारी है तथा उनकी सुरक्षा को लेकर बने क़ानूनों को एक प्रकार से निष्क्रिय ही बना दिया गया है, किन्तु पड़ोसी देश बांग्लादेश में इसी प्रकार की होने वाली जुल्म-ज्यादती कोई कम गंभीर बात नहीं है बल्कि यह अति-दुखद व चिन्ता की बात है।

बसपा सुप्रीमो ने कहा कि साथ ही, पड़ोसी देशों में अल्पसंख्यकों की दयनीय स्थिति को लेकर ख़ासकर देश में लोगों की चिन्तायें लगातार बनी रहती हैं और इस मामले में सरकार अपनी भूमिका भी निभाने का प्रयास करती रहती है, किन्तु हाल के दिनों में बांग्लादेश में जिस प्रकार से भारत व हिन्दू विरोधी घटनायें घटित हो रही हैं उसको लेकर केन्द्र सरकार को लोगों की अपेक्षा के अनुसार और भी अधिक सक्रियता एवं प्रभावी क़दम उठाने की ज़रूरत लग रही है जिसको लेकर जनता का समर्थन अवश्य ही सरकार के साथ होगा। सरकार उचित ध्यान दे।

बिहार में उपेंद्र कुशवाहा की पार्टी में टूट के आसार... तीन विधायक लिट्टी-चोखा भोज में शामिल नहीं हुए

पटना। उपेंद्र कुशवाहा की पार्टी में अब टूट होती दिख रही है। राष्ट्रीय लोक मोर्चा के तीन विधायक माधव आनंद, रामेश्वर महतो और आलोक सिंह उपेंद्र कुशवाहा के आवास पर लिट्टी-चोखा भोज में शामिल नहीं हुए। तीनों विधायकों ने भोज में शामिल न होकर पटना में नितिन नबीन से मिलने पहुंचे। बीजेपी के नए कार्यकारी राष्ट्रीय अध्यक्ष के आवास पर ये मुलाकात हुई। बताया जा रहा है कि उपेंद्र कुशवाहा की पार्टी के विधायक माधव आनंद मंत्री की रेस में थे, लेकिन कुशवाहा ने अपने बेटे को मंत्री बना दिया। दरअसल रालोमा के टिकट पर मधुबनी से जीते माधव आनंद मंत्री की रेस में सबसे आगे थे,

लेकिन उपेंद्र कुशवाहा ने अपने बेटे दीपक प्रकाश को मंत्री बना दिया। इसके बाद से उनकी नाराजगी की खबरें सामने आईं। हालांकि, डैमेज कंट्रोल के लिए कुशवाहा ने माधव आनंद को पार्टी के विधायक दल का नेता नियुक्त कर दिया। कुछ दिन पहले ही मंत्री नहीं बनने पर नाराजगी भी जाहिर की थी। उन्होंने कहा था, मेरी व्यक्तिगत इच्छा है कि मैं मंत्री बनूं। मंत्री बनने की हर काबिलियत मुझमें है। अर्थशास्त्री हूं। 55 देशों की यात्रा कर चुका हूं। आगे भी मंत्री बनने की इच्छा रहेगी। उम्मीद है कि आगे मुझे कैबिनेट में मौका मिलेगा। माधव आनंद एक उद्यमी और कारोबारी बैंकग्राउंड से आते हैं। चुनावी हलफनामे में उनकी कुल संपत्ति 55 करोड़ से ज्यादा है। मधुबनी सीट से उन्होंने आरजेडी के उम्मीदवार और दो बार के पूर्व विधायक समीर महासेठ को 20,552 वोटों के अंतर से हराया। माधव आनंद को लगभग 97,956 वोट मिले।

नेताजी की अस्थियां को भारत वापस लाने की उठी मांग... पड़पोते ने राष्ट्रपति मुर्मू से की भावुक अपील

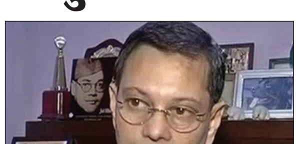

कोलकाता (एजेंसी)। नेताजी सुभाष चंद्र बोस के अवशेषों को भारत वापस लाने के दशकों पुराने संवेदनशील मुद्दे फिर चर्चा में आ गया है। नेताजी के पड़पोते चंद्र कुमार बोस ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से यह भावुक अपील की है। चंद्र कुमार बोस ने राष्ट्रपति को पत्र लिखकर मांग की है कि नेताजी की अस्थियां जापान के रेंकोजी मंदिर से भारत लाई जाएं।

उन्होंने राष्ट्रपति को लिखे अपने खत में बताया कि परिवार चाहता है कि यह प्रक्रिया 23 जनवरी 2026 (नेताजी की 129वीं जयंती) से पहले पूरी हो जाए। उन्होंने इसे दुर्भाग्यपूर्ण बताया है कि इतने दशकों बाद भी देश के महान नायक के अवशेष पराये देश में रखे हुए हैं।

उन्होंने बताया कि यह केवल चंद्र कुमार बोस की मांग नहीं है, बल्कि नेताजी की बेटी अनीता बोस फाफ (जो जर्मनी में रहती हैं) भी लंबे समय से भारत सरकार से उनके अवशेषों को वतन लाने और उनका डीएनए टेस्ट कराने की अपील करती रही हैं। नेताजी की मृत्यु को लेकर भारत में हमेशा से दो विचारधाराएं रही हैं। एक वर्ग आधिकारिक विमान दुर्घटना के सिद्धांत को मानता है, जबकि दूसरा वर्ग इस स्वीकार नहीं करता। यही कारण है कि अस्थियां वापस लाने का मुद्दा राजनीतिक और भावनात्मक रूप से जटिल रहा है। इस बार 129वीं जयंती का लक्ष्य रखकर सरकार पर दबाव बनाने की कोशिश की जा रही है ताकि नेताजी को उनकी अपनी मिट्टी में अंतिम विदाई दी जा सके।

नेताजी की अस्थियां जापान में कब से

नेताजी सुभाष चंद्र बोस के बारे में ऐसी मान्यता है कि 18 अगस्त, 1945 को मौजूदा ताइवान में जापानी मिलिट्री के एक विमान हादसे में उनका निधन हो गया था; और सितंबर 1945 से उनकी अस्थियां रेंकोजी स्थित बौद्ध मंदिर के एक सुरक्षित कलश में रखी हुई है। नेताजी की मौत को लेकर अभी तक जो जांच हुई हैं, उसका यह निष्कर्ष निकाला गया है कि विमान हादसे में वह गंभीर रूप से झुलस गए थे और एक जापानी मिलिट्री के अस्पताल में उन्होंने आखिरी सांसें ली थीं।

विजयन सरकार पिछले 10 वर्षों से भ्रष्टाचार में डूबी हुई : राजीव चंद्रशेखर

तिरुवंतमपुरम (एजेंसी)। केरल के मुख्यमंत्री पिनारयी विजयन पूर्व केंद्रीय मंत्री और भाजपा नेता राजीव चंद्रशेखर के बीच तीखी बयानबाजी जारी है। दोनों पक्षों ने एक-दूसरे पर गंभीर आरोप लगाए है। बीजेपी नेता चंद्रशेखर ने विजयन सरकार पर पिछले 10 वर्षों से भ्रष्टाचार करने का आरोप लगाया है। उन्होंने विशेष रूप से सबरीमाला मंदिर से जुड़े मुद्दों को उठाया। चंद्रशेखर का दावा है कि मंदिर से करीब 4-4.5 किलो सोना चोरी हुआ है। उन्होंने आरोप लगाया कि एलडीएफ द्वारा नियुक्त देवस्वम बोर्ड के तहत 4 पंचधातु की मूर्तियां अंतरराष्ट्रीय गिरोहों को बेची गई। भाजपा इन आरोपों के जरिए एलडीएफसरकार को हिंदू विरोधी या कुप्रबंधन करने वाली सरकार के रूप में पेश करने की कोशिश कर रही है। उन्होंने पथिनट्टम पाडी (18 पवित्र सीढ़ियां) के कुछ हिस्सों को लूटे जाने का भी दावा किया। भावनात्मक और धार्मिक मुद्दों का चंद्रशेखर द्वारा लगाए गए आरोप-विशेषकर सोने की चोरी और मूर्तियों की तस्करी-अत्यंत गंभीर हैं। ये आरोप सीधे तौर पर हिंदू मतदाताओं की भावनाओं और मंदिर प्रशासन (देवस्वम बोर्ड) की पारदर्शिता से जुड़े हैं।

वहीं मुख्यमंत्री पिनारयी विजयन ने केंद्र सरकार पर केरल को आर्थिक रूप से निशाना बनाने का आरोप लगाया है। विजयन का कहना है कि केंद्र जानबूझकर राज्य की उधार लेने की क्षमता को सीमित कर रहा है। केरल राज्य विकास आयोग (केआईआईएफबी) द्वारा लिए गए ऋण को राज्य के कुल ऋण में शामिल करने पर विजयन ने आपत्ति जाहिर की है, उनका कहना है कि यह आरबीआई के पुराने नियमों के खिलाफहै। उन्होंने केंद्र पर अनुच्छेद 293(3) का दुरुपयोग कर राज्यों के विकास मॉडल को कमजोर करने का आरोप लगाया। चंद्रशेखर के अनुसार, केरल में पिछले 10 वर्षों में जो भी विकास हुआ है, वह प्रधानमंत्री मोदी की सरकार के कारण हुआ है। उन्होंने विजयन पर जनता को भ्रमित करने का आरोप लगाया। विजयन ने संकल्प लिया है कि केंद्र की बाधाओं के बावजूद केरल अपना विकास

एजेंडा जारी रखेगा। उन्होंने इसे केरल के विकास मॉडल पर हमला बताया है। विवाद में राजीव चंद्रशेखर का उल्लेख केरल भाजपा के संदर्भ में किया गया है, जो वर्तमान में राज्य की राजनीति और केंद्र के प्रतिनिधित्व के बीच एक महत्वपूर्ण कड़ी बने हुए हैं।

मायावती के भतीजे आकाश आंनद के घर आई लक्ष्मी

लखनऊ (एजेंसी)। बहुजन समाज पार्टी (बीएसपी) के गुट के लिए व्यक्तिगत और राजनीतिक दोनों लिहाज से काफी चर्चा में है। बसपा सुप्रीमो मायावती के भतीजे और पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक आकाश आनंद पिता बन गए हैं। उनके घर बेटी का जन्म हुआ है। मायावती ने खुद एक्स पर यह जानकारी साझा करते हुए खुशी जाहिर की। पूर्व सीएम मायावती ने विशेष रूप से उल्लेख किया कि आकाश आनंद ने अपनी बेटी को भी बहनजी (मायावती) की तरह ही बहुजन समाज के मिशन के प्रति समर्पित करने का संकल्प लिया है। मां और नवजात बच्ची दोनों पूरी तरह स्वस्थ हैं।

वहीं खुशखबरी के साथ-साथ मायावती ने पड़ोसी देश बांग्लादेश में हो रही सांप्रदायिक हिंसा और वहां हिंदू अल्पसंख्यकों की स्थिति पर गहरी चिंता व्यक्त की है। उन्होंने हाल ही में वहां एक दलित युवक की नृशंस हत्या का जिक्र कर कहा कि इससे भारत के लोगों में भारी आक्रोश है। मायावती ने केंद्र सरकार से अपील की है कि वे इस मामले में अधिक सक्रिय और प्रभावी कदम उठाएं ताकि वहां के अल्पसंख्यकों की सुरक्षा सुनिश्चित हो सके। उन्होंने देश के भीतर भी दलितों और आदिवासियों पर होने वाले जातिवादी द्वेष और कानूनों की निष्क्रियता पर सवाल उठाए, लेकिन साथ ही जोर दिया कि बांग्लादेश में जो हो रहा है वह अत्यंत गंभीर और दुखद है।

सांसद थरूर ने कहा- बांग्लादेश में स्थिति चिंताजन, लेकिन भारत रख रहा है नजर

नई दिल्ली (एजेंसी)। बांग्लादेश में अल्पसंख्यक हिंदुओं के खिलाफ जारी हिंसा और वहां के अस्थिर हालातों ने भारत में भी चिंता और आक्रोश पैदा कर दिया है। पड़ोसी देश में बिगड़ती स्थिति के विरोध में भारत के विभिन्न हिस्सों में हो रहे प्रदर्शनों पर कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने अपनी प्रतिक्रिया दी है। थरूर ने इन प्रदर्शनों के हिंसक होने की आशंकाओं को खारिज करते हुए कहा कि एक जीवंत लोकतंत्र में हर नागरिक को अपनी बात रखने और विरोध जताने का संवैधानिक अधिकार है। उन्होंने स्पष्ट किया कि भारत में हो रहे ये प्रदर्शन फिलहाल पूरी तरह नियंत्रण में हैं और यहां की पुलिस किसी भी प्रकार की अप्रिय स्थिति को रोकने में सक्षम है।

शशि थरूर ने बांग्लादेश की अंतरिम सरकार और उसके प्रमुख मोहम्मद यूनुस को आड़े हाथों लेते हुए कहा कि केवल घटनाओं पर खेद जताना या निंदा करना एक सरकार के लिए पर्याप्त नहीं है। उन्होंने जोर देकर कहा कि सड़कों पर हो रही हिंसा को रोकना और कानून-व्यवस्था बहाल करना वहां के प्रशासन की प्राथमिक जिम्मेदारी है। थरूर के अनुसार, जब तक आम नागरिक और अल्पसंख्यक समुदाय सुरक्षित महसूस नहीं करेंगे, तब तक लोकतंत्र की बहाली संभव नहीं है। उन्होंने कड़े शब्दों में कहा कि यदि वहां की पुलिस स्थिति संभालने में विफल हो रही है, तो सेना की मदद ली जानी चाहिए, लेकिन अराजकता का यह दौर अब समाप्त होना चाहिए।

बांग्लादेश में आगामी चुनावों की विश्वसनीयता पर सवाल उठाते हुए सांसद ने कहा कि जिस देश में चारों तरफ डर का माहौल हो और मतदाता खुद को असुरक्षित महसूस कर रहा हो, वहां निष्पक्ष चुनाव कराना लगभग असंभव है। उन्होंने कहा कि चुनाव से पहले शांति और सुरक्षा का वातावरण तैयार करना अनिवार्य है। गौरतलब है कि बांग्लादेश में छात्र नेता उस्मान हादी की हत्या के बाद से स्थिति और अधिक तनावपूर्ण हो गई है। जहां प्रशासन इस हत्या के पीछे राजनीतिक रंजिश बता रहा है, वहीं हादी के परिवार ने अंतरिम सरकार पर ही गंभीर आरोप लगाए हैं। परिवार का मानना है कि चुनावों को टालने और सत्ता पर पकड़ बनाए रखने के लिए इस तरह की घटनाओं को अंजाम दिया जा रहा है। इस राजनीतिक उथल-पुथल के बीच, बांग्लादेश की राजनीति के एक और बड़े खिलाड़ी और पूर्व प्रधानमंत्री खालिदा जिया के बेटे तारिक रहमान की वापसी की चर्चाओं ने सरगर्मी बढ़ा दी है। एक तरफ कट्टरपंथियों का बढ़ता प्रभाव और दूसरी तरफ प्रमुख राजनीतिक हस्तियों की सक्रियता ने बांग्लादेश के भविष्य को अनिश्चितता के भंवर में डाल दिया है। भारत इस पूरी स्थिति पर पैनी नजर बनाए हुए है, क्योंकि वहां की अस्थिरता का सीधा असर सीमावर्ती क्षेत्रों और क्षेत्रीय सुरक्षा पर पड़ता है।

उन्नाव रेप पीड़िता ने कहा- 250 टांके, हाथ-पैर में रॉड लिए कोर्ट में थी पर अंग्रेजी में बहस समझ नहीं पाई

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश को झकझोर देने वाले उन्नाव मामले की पीड़िता एक बार फिर गहरे सदमे और भय के साये में है। हाल ही में उच्च न्यायालय द्वारा मुख्य आरोपी और पूर्व विधायक कुलदीप सिंह सेंगर को जमानत दिए जाने के फैसले ने पीड़िता के उन जख्मों को फिर से कुरेद दिया है, जो वर्षों के संघर्ष के बाद भी नहीं भरे थे। पीड़िता का कहना है कि यह आदेश उसके लिए किसी बड़े मानसिक आघात से कम नहीं है, जिसने उसे और उसके परिवार को असुरक्षा के गहरे दलदल में धकेल दिया है।

अदालती कार्यवाही के दौरान के अपने अनुभव साझा करते हुए पीड़िता ने बताया कि जब वह न्यायालय में मौजूद थी, तो वह विरोध करना चाहती थी, लेकिन भाषा की बाधा और कानूनी जटिलताओं के बीच उसकी आवाज दबकर रह गई। उसका कहना है कि अदालतों में होने वाली बहस अक्सर आम और गरीब लोगों की समझ से परे होती है, जिसके कारण उन्हें न्याय की प्रक्रिया और भी जटिल और डरावनी लगने लगती है। फैसले के बाद की मानसिक स्थिति का जिक्र करते हुए उसने भावुक होकर कहा कि एक पल के लिए उसके मन में आत्मघाती विचार भी आए, लेकिन अपने बच्चों और परिवार के भविष्य को देखते हुए उसने संघर्ष जारी रखने का फैसला किया।

पीड़िता ने गंभीर आरोप लगाया कि आरोपी की जमानत की प्रक्रिया शुरू होते ही उसके परिवार और गवाहों की सुरक्षा में कटौती की जाने लगी है। उसका मानना है कि जब आरोपी रसूखदार और सत्ता से जुड़ा रहा हो, तो खतरा केवल जेल के भीतर से नहीं, बल्कि बाहर मौजूद उसके नेटवर्क और समर्थकों से भी होता है। पीड़िता ने सवाल उठाया कि उसके चाचा, जिन्होंने कोई अपराध नहीं किया, वे वर्षों से जेल में हैं, जबकि जघन्य अपराध के आरोपी को राहत दी जा रही है। यह विडंबना न्याय व्यवस्था की निष्पक्षता पर गंभीर प्रश्न खड़े करती है। हाल ही में दिल्ली के इंडिया गेट पर हुए विरोध प्रदर्शन के दौरान पुलिसिया कार्रवाई पर भी पीड़िता ने तीखे सवाल किए। उसने आरोप लगाया कि शारीरिक रूप से अक्षम होने के बावजूद, पुलिस ने उसके साथ बदसलूकी की और उसे घसीटा गया। उसके शरीर पर मौजूद टांके और रॉड उसकी आपबीती की गवाही दे रहे थे, फिर भी प्रशासन का रवैया संवेदनहीन रहा। उसका कहना है कि उसे डराने और चुप रहने की कोशिशें की जा रही हैं, लेकिन वह अब पीछे हटने वाली नहीं है।

दुनिया देख रही इसरो का दम, जापान और दक्षिण कोरिया जो न कर सके, भारत ने कर दिखाया!

नई दिल्ली (एजेंसी)। अंतरिक्ष की रेस में भारत अब केवल भागीदार नहीं, बल्कि लीडर बनकर उभरा है। बुधवार को भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने श्रीहरिकोटा से एक ऐसा कीर्तिमान रचा, जिसने वैश्विक अंतरिक्ष बाजार में भारत की धाक को और मजबूत कर दिया है। जहाँ जापान, ब्राजील और दक्षिण कोरिया जैसे विकसित देश हाल के दिनों में अपने मिशन में विफल रहे, वहीं इसरो के बाहुबली एलवीएम 3 ने एक बार फिर 100 प्रतिशत सफलता का परचम लहराया।

इसरो ने अमेरिकी कंपनी के ब्लूबर्ड ब्लॉक-2 सैटेलाइट को उसकी सटीक कक्षा में स्थापित किया। यह मिशन इसरो के व्यावसायिक इतिहास में एक मील का पत्थर है। इसरो की इस कामयाबी पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इसरो की पूरी टीम को बधाई देकर यह भारत के लिए गौरव का क्षण है। इसरो की यह सफलता अंतरिक्ष क्षेत्र में हमारी बड़ी छलांग को दर्शाती है।

इसरो की यह कामयाबी इसलिए बड़ी है क्योंकि पिछले कुछ समय में दुनिया के कई दिग्गज देशों के अंतरिक्ष मिशन धराशायी हुए हैं। भारत ने अपनी विश्वसनीयता से यह साबित किया है कि कम लागत और उच्च तकनीक का सही तालमेल क्या होता है।

मार्च 2023 में जापान को तब गहरा सदमा लगा जब उसका एच3 रॉकेट दूसरे चरण में इंजन फेल होने के कारण नष्ट हो गया। इस हादसे में जापान का कीमती एएलओएस-3 उपग्रह भी बर्बाद हो गया था।

हाल ही में दक्षिण कोरिया का कमर्शियल रॉकेट हनबिट-नैनो ब्राजील से लॉन्च होने के मात्र 30 सेकंड बाद ही क्रैश हो गया। इस मिशन में 5 सैटेलाइट्स थे, जो समुद्र/सुरक्षित क्षेत्र में जा गिरे।

अंतरिक्ष इतिहास का सबसे दुखद हादसा ब्राजील के अल्कांतारा स्पेस सेंटर में हुआ था, जब बीएलएस-1 वी03 रॉकेट लॉन्च पैड पर ही फट गया था। इस हादसे ने 21 वैज्ञानिकों की जान ले ली थी, जिससे ब्राजील का स्पेस प्रोग्राम सालों पीछे चला गया।

वहीं इसरो का एलवीएम 3 रॉकेट की यह लगातार छठी सफल उड़ान है। यह वही रॉकेट है जिसने- चंद्रयान-2 और चंद्रयान-3 जैसे ऐतिहासिक मिशन पूरे किए। अब 6100 किलो का भारी-भरकम वजन उठाकर अपनी ताकत का लोहा मनवाया। ब्लूबर्ड ब्लॉक-2 सैटेलाइट के सफल प्रक्षेपण से पूरी दुनिया में मोबाइल नेटवर्क कनेक्टिविटी में क्रांतिकारी बदलाव आएंगे। अब दुर्गम इलाकों में भी सीधा सैटेलाइट-टू-फोन कनेक्शन संभव हो सकेगा। अंतरिक्ष विज्ञान में रिस्क हमेशा बना रहता है, लेकिन इसरो ने अपनी तकनीक और कठोर परीक्षणों से विफलता की दर को लगभग शून्य कर दिया है। अन्य देश अरबों डॉलर खर्च करके भी विफल हो रहे हैं, इसरो बहुत ही कम बजट में जटिल मिशन (जैसे चंद्रयान-3 और अब एलवीएम 3 की सफल उड़ानें) पूरे कर रहा है। जापान और दक्षिण कोरिया जैसे देशों के मिशनों में तकनीकी खामियां अक्सर विदेशी इंजन या पुराने डिजाइनों पर निर्भरता के कारण भी आती हैं, जबकि भारत ने अपने क्रायोजेनिक इंजन और रॉकेट चरणों को स्वदेशी रूप से विकसित किया है।

जलभराव से निपटने को बारिश में भी जुटे रहे निगम कर्मी व अधिकारी

कौमी पत्रिका

यमुनानगर। दो दिन से हो रही बारिश से शहर में हुई जलभराव की स्थिति से निपटने के लिए बुधवार को निगम कर्मी व अधिकारी बारिश में भी डटे रहे। पानी निकासी में किसी प्रकार की रुकावट न हो, इसके लिए बारिश के बीच भी सफाई कर्मचारी नालों की जालियों में फंसा पॉलिथीन व अन्य कचरा निकालकर ब्लॉकेज खत्म करते रहे। वहीं, निगम अधिकारियों ने जलभराव वाले इलाकों का दौरा कर कर्मियों को पानी निकासी के निर्देश दिए। दो दिन से हो रही बारिश से बुधवार को शहर के कई इलाकों में जलभराव की स्थिति बन गई। नगर निगम मेयर सुमन बहमनी व निगमायुक्त अखिल पिलानी के निर्देशों पर निगम के वार्ड नंबर एक से सात तक सीएसआई हरजीत सिंह, वार्ड आठ से 15 तक सीएसआई विनोद बेनीवाल व वार्ड 16 से 22 तक सीएसआई अनिल नैन के नेतृत्व में सभी सफाई कर्मी जलभराव से निपटने को डटे रहे। अतिरिक्त निगम आयुक्त धीरज कुमार व उप निगम आयुक्त कुलदीप मलिक की देखरेख में सभी सफाई निरीक्षक वार्डों में पानी निकासी करने में जुटे रहे। सफाई कर्मी नालों में लगे जालों में फंसे पॉलिथीन, बोरी, बैग, कपड़े व अन्य कचरा निकालकर निकासी करने में जुटे रहे। बारिश के बीच नालों के जालों में जहां कचरा फंसा हुआ मिला। उसे निकाला गया। ताकि पानी की निकासी होती रहे। वहीं, अभियंता शाखा के एक्सईएन विकास धीमान, निगम अभियंता मृणाल जैयसवाल, सुरेंद्र दहिया, दीपक सुखीजा, मुनेश्वर भारद्वाज सभी कनिष्ठ अभियंताओं के साथ वार्डों का दौरा करते रहे। निगम कर्मचारी बड़ों नालों समेत छोटे नालों के विभिन्न प्वाइंटों व जालों पर तैनात होकर सफाई करते रहे। कई स्थानों पर निगम की जेसीबी के माध्यम से नालों में फंसा कचरा साफ कर पानी को निकासी की गई। ताकि पानी को उतरने में गति मिले। निगम अधिकारियों ने निरीक्षण में जहां पानी का अटकाव नजर आया, वहां जेसीबी व कर्मचारियों के माध्यम से जल निकासी की गई।

सफाई कर्मचारी बारिश के बीच भी डटे रहे और नालों में फंसे कचरे को निकालते रहे। निगम कर्मियों के प्रयासों के चलते बारिश रुकने के बाद अधिक देर तक जलभराव नहीं रहा।

त्रिनगर विधानसभा में पार्षद मीनू वीरेंद्र गोयल के तीन वर्ष पूर्ण होने पर भव्य स्वागत एवं सेवा का संगम समारोह आयोजित

कौमी पत्रिका

नई दिल्ली। दिल्ली के त्रिनगर विधानसभा क्षेत्र में स्थित वार्ड 63 से पार्षद मीनू वीरेंद्र गोयल के कार्यकाल के तीन वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में एक भव्य स्वागत समारोह का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का आयोजन सेकुलर पीस फाउंडेशन के तत्वाधान में किया गया, जिसकी अगुवाई संस्था के डायरेक्टर असगर ईमाम भारती ने की। समारोह में क्षेत्र के गणमान्य नागरिकों, सामाजिक कार्यकर्ताओं, विभिन्न संगठनों के प्रतिनिधियों एवं ब?ी संख्या में स्थानीय निवासियों की उपस्थिति रही। कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्वलन के साथ हुई, जिसके पश्चात पार्षद मीनू वीरेंद्र गोयल का फूल-मालाओं एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर गर्मजोशी से स्वागत किया गया। इस अवसर पर असगर ईमाम भारती ने अपने संबोधन में कहा कि पार्षद मीनू वीरेंद्र गोयल ने अपने तीन वर्ष के कार्यकाल में वार्ड 63 के सर्वांगीण विकास के लिए निरंतर प्रयास किए हैं। उन्होंने साफ-सफाई, एवं जरूरतमंदों को आर्थिक सहायता और अपने क्षेत्र वासियों को सुविधा मुहैया उपलब्ध कराना तथा सरकारी योजनाओं को जागरूकता कराना आदि आमजन की मूलभूत समस्याओं के समाधान को प्राथमिकता दी है। असगर ईमाम भारती ने कहा कि सेकुलर पीस फाउंडेशन समाज में भाईचारा, शांति और आपसी सद्भाव को मजबूत करने के लिए कार्य करता है और ऐसे जनप्रतिनिधियों का सम्मान करना संस्था का कर्तव्य है, जो बिना भेदभाव के सभी वर्गों के लिए कार्य करते हैं। उन्होंने यह भी कहा कि मीनू वीरेंद्र गोयल का कार्यकाल पारदर्शिता और जनता से सीधे संवाद का उदाहरण रहा है। मीनू वीरेंद्र गोयल (पार्षद) ने सभी उपस्थित लोगों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह सम्मान जनता के विश्वास और सहयोग का परिणाम है। उन्होंने कहा कि उनका प्रयास हमेशा यही रहा है कि वार्ड 63 का विकास समग्र रूप से हो और हर नागरिक को बुनियादी सुविधाएं समय पर मिलें। उन्होंने आगे भी जनसेवा को पूरी निष्ठा और ईमानदारी से जारी रखने का संकल्प दोहराया। समारोह में स्थानीय निवासियों ने भी अपने विचार साझा किए और पार्षद के कार्यों की सराहना की। कई वक्ताओं ने कहा कि तीन वर्षों में वार्ड में सकारात्मक बदलाव देखने को मिला है, जिससे लोगों का जीवन स्तर बेहतर हुआ है। कार्यक्रम के दौरान सामाजिक सौहार्द और एकता का संदेश भी दिया गया। इस कार्यक्रम में स्वागत समारोह एवं सेवा का संगम और न केवल एक जनप्रतिनिधि के कार्यकाल की उपलब्धियों का सम्मान था, बल्कि समाज में शांति, एकता और विकास के प्रति सामूहिक प्रतिबद्धता का प्रतीक भी बना।

रूम पर आई प्रेमिका को मार सूटकेस में भरा

पिलखुवा,। यूपी के हापुड़ स्थित पिलखुवा कोतवाली क्षेत्र के सिखेड़ा गांव में छह दिन पूर्व सड़क किनारे रजवाहे के पास सूटकेस में मिली महिला की लाश की पहचान दिल्ली के मयूर विहार निवासी नीलेश (30 वर्ष) के रूप में हुई है। 28 मई को परिजनों द्वारा उसके गुमशुदा होने की रिपोर्ट मयूर विहार थाने में दर्ज की गई थी। पहचान के बाद पुलिस ने हत्या के आरोप में प्रेमी सतेंद्र यादव निवासी गांव रहुटाखेर जिला चित्रकूट को गिरफ्तार किया है। वह वेस्ट दिल्ली के मोहल्ला विनोद नगर में किराए पर रहता था। सीओ अनीता चौहान ने बताया कि मृतका का शव 30 मई को राजवाहे के पास झाड़ियों में अटके सूटकेस से बरामद हुआ था। शव की स्थिति बेहद खराब थी। महिला की गला दबाकर हत्या की गई थी। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में इसकी पुष्टि हुई थी। सीओ ने बताया अब पहचान हो जाने के बाद पुलिस ने आरोपी प्रेमी को गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में आरोपी ने बताया कि उसने निलेश से 5.25 लाख रुपये उधार लिए थे। जिन्हें चुकाने के लिए वह लगातार उस पर दबाव बना रही थी। 28 मई की रात को नीलेश सतेंद्र से मिलने उसके कमरे पर गई थी। जहां दोनों में विवाद होने के बाद सत्येंद्र ने उसका चुन्नी से गला दबाकर हत्या कर दी। इसके बाद शव को आसमानी रंग के सूटकेस में बंद कर कर सिर्फ पिलखुवा लाया और यहां सिखेड़ा रजवाहे में उसे ठिकाने लगा दिया। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से मृतक निलेश का बैंक पासबुक, एक चेक और आधार कार्ड आदि बरामद किया है।

देवप्रयाग में बस व टैक्सी की भीषण टक्कर

देवप्रयाग। ऋषिकेश-बदरीनाथ हाईवे पर मंगलवार को एक हार हादसे का शिकार हो गई। देवप्रयाग में एक बस और टैक्सी की आमने-सामने से टक्कर हो गई, जिसमें छह लोग घायल हो गए हैं। घायलों को सीएचसी पाली भेजा गया है। थानाध्यक्ष महिपाल सिंह रावत ने बताया की श्रीनगर से ऋषिकेश जा रही हिमगिरी की बस और ऋषिकेश से श्रीनगर की ओर जा रही टैक्सी के बीच रघुनाथ होटल के पास आपस मे टक्कर हो गई। बताया जा रहा है कि टैक्सी चालक भजनलाल निवासी रुद्रप्रयाग द्वारा गलत साइड में वाहन चलाने के कारण यह हादसा हुआ। टक्कर इतनी जोरदार थी कि टैक्सी में सवार छह लोग घायल हो गए, जिनमें से की हड्डियों में फ्रैक्चर है। सूचना मिलते मौके पर पहुची पुलिस ने घायलों को सीएचसी पाली में भर्ती किया। घायल में मोक्षिका कश्यप(6) पुत्री मनीष कश्यप, सदर बाजार, दिल्ली ,कामनी कश्यप(49) पत्नी मनीष कश्यप, सरोज कदम पुत्री राजेंद्र कुमार, दिल्ली ,मुन्नी देवी पत्नी राजेंद्र कुमार, राजेश पुत्र शिव पुजन, ग्राम बधोली, संतकबीरनगर ,पूनम पत्नी राजेश ग्राम बधोली संतकबीर नगर के रहने वाले हैं। सभी घायलों को पुलिस की गाड़ी से देवप्रयाग अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उनका इलाज चल रहा है। हादसे के बाद दोनों वाहनों को क्रेन की मदद से सड़क किनारे हटा कर यातायात सुचारू रूप कर दिया गया है।

देहरादून में 10 जून को जुटेंगी देश की नामचीन हस्तियां

देहरादून। देवभूमि के विकास पर मंथन के लिए राजधानी में अमर उजाला की ओर से संवाद उत्तराखंड का आयोजन 10 जून को होगा। इसमें देश की नामी गिरामी हस्तियां एक मंच पर राजनीति, सुरक्षा, सिनेमा, खेल और अध्यात्म पर चर्चा करेंगी। उत्तराखंड के विकास और प्रदेश के युवाओं के कॅरिअर व भविष्य की योजनाओं पर भी बात होगी। हरिद्वार बाइपास स्थित होटल सेफर्ट सरोवर प्रीमियर में आने वाले संवाद उत्तराखंड में इस बार कई हस्तियां आकर्षण का केंद्र होंगी। ऐसे सेलिब्रिटी मौजूद होंगे, जिन्होंने अपने प्रेरणादायी कार्यों से देश और समाज को प्रेरित किया। दिनभर राज्य से जुड़े अलग-अलग मुद्दों पर कार्यक्रम में चर्चा होगी। पर्यटन से लेकर फिल्म संस्कृति का अलग-अलग सत्र होगा।

3 करोड़ पंजाबियों को नए साल का तोहफा: मुख्यमंत्री मान

प्रथम पृष्ठ का शेष

मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा कि इस योजना के अंतर्गत अस्पताल में भर्ती होने पर होने वाले खर्च, सर्जरी एवं चिकित्सकीय प्रक्रियाएं, आईसीयू और गहन देखभाल सेवाएं, बीमारियों की जांच, दवाइयां, स्वीकृत पैकेजों के अनुसार उपयोग में आने वाली सामग्री, अस्पताल में भर्ती होने से पहले और बाद के खर्चों सहित सभी संबंधित व्यय कवर किए जाएंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि पहले एक परिवार केवल 5 लाख रुपये तक का इलाज करा सकता था, लेकिन अब यह सीमा बढ़ाकर 10 लाख रुपये कर दी गई है। उन्होंने आगे कहा कि पंजाब का हर नागरिक — चाहे वह सरकारी कर्मचारी हो या पेंशनभोगी — इस मुफ्त स्वास्थ्य योजना का लाभ लेने का हकदार होगा। इस योजना के लिए किसी प्रकार की आय सीमा निर्धारित नहीं की गई है। मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा कि इस योजना के तहत कोई भी नागरिक किसी भी सरकारी अस्पताल या सूचीबद्ध निजी अस्पताल में अपना मुफ्त इलाज करवा सकेगा। उन्होंने कहा कि अब पंजाब में किसी भी नागरिक को आर्थिक तंगी के कारण इलाज से वंचित नहीं रहना पड़ेगा। मुख्यमंत्री ने स्वास्थ्य विभाग को निर्देश दिए कि जनहित में इस महत्वाकांक्षी योजना को सुचारू रूप से लागू करने के लिए सभी आवश्यक व्यवस्थाएं समयबद्ध रूप से सुनिश्चित की जाएं।

चलती गाड़ी पर गिरा बड़ा पेड़, एक सवारी की मौत

देहरादून। देहरादून में मंगलवार को दर्दनाक हादसा हो गया। चकराता रोड पर भवानी इंटर कॉलेज के पास मैक्स गाड़ी पर पेड़ का एक बड़ा हिस्सा टूटकर गिर गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने एंबुलेंस की मदद से घायलों को अस्पताल भिजवाया। जहां एक एक युवक को मृत घोषित कर दिया, जबकि दूसरी का उपचार चल रहा है। अग्निशमन विभाग के बचाव दल ने पेड़ काटकर सड़क से हटाया। इस दौरान करीब एक घंटे तक यातायात प्रभावित रहा। हादसा उस वक्त हुआ जब मैक्स चालक महावीर सिंह रावत निवासी गढ़ कराल देवल उत्तरकाशी छह सवारियों को लेकर देहरादून से बड़कोट उत्तरकाशी जा रहा था। पेड़ का हिस्सा गाड़ी के ऊपर बिल्कुल बीच में गिरा। इसमें बीच वाली सीट पर बैठे अरविंद पाल पुत्र प्रेमलाल उम्र 48 वर्ष निवासी उत्तरकाशी और एक अन्य घायल हो गए। 108 एंबुलेंस की मदद से दोनों को दून अस्पताल भेजा गया, जहां पर डॉक्टरों ने अरविंद लाल को मृत घोषित कर दिया। घटना की सूचना के बाद प्रदेश कांग्रेस के वरिष्ठ उपाध्यक्ष सूर्यकांत धस्माना भी अपने साथियों के साथ घटना स्थल पर पहुंचे थे। हादसे की वजह से चकराता रोड पर जाम लग गया। जाम में सैकड़ों वाहन फंस गए। सूचना पर पहुंची फायर विभाग की टीम ने पेड़ काटकर सड़क से हटाया और यातायात को सुचारू किया। इस दौरान करीब दो घंटे तक यातायात बाधित रहा। पेड़ गिरने की वजह से यह सात दिन में यह तीसरी मौत हुई है। गत शनिवार को तहसील वाली पार्किंग में पेड़ की शाखा टूटकर गिर गई थी। हादसे में चपेट में आने से एक महिला की मौत हो गई थी। इसी तरह एफआरआई क्षेत्र में इसी सप्ताह में ऑटो पर पेड़ गिर गया था, जिसमें एक युवक की मौत हो गई थी।

मानसिक रूप से दिव्यांगों को मिलेगा सुविधाजनक ठिकाना

नई दिल्ली। दिल्ली के नरेला में मानसिक रूप से दिव्यांगों के लिए बन रहा नया कैंपस पूरी तरह उनके अनुकूल होगा, जोकि जल्द ही उनकी जिंदगी में नई उम्मीद लेकर आएगा। समाज कल्याण मंत्री रविंद्र इंद्राज सिंह ने शुक्रवार को इस निर्माणाधीन कैंपस का निरीक्षण किया और इसे तीन महीने में शुरू करने के निर्देश दिए। नरेला के नर्सिंग कॉलेज हॉस्टल और प्राथमिक शहरी स्वास्थ्य केंद्र परिसर में तैयार हो रहा भवन मानसिक रूप से दिव्यांगों के लिए एक नया आशियाना बनेगा। समाज कल्याण मंत्री रविंद्र इंद्राज सिंह ने पीडब्ल्यूडी और विभागीय अधिकारियों के साथ इसका जायजा लेते हुए कहा कि यह कैंपस 220 दिव्यांगों को सुरक्षित और सुविधाजनक रहने की जगह देगा। तीन महीने में शुरू होने वाली इस सुविधा से रोहिणी के आशा होम्स जैसे शेल्टर होम्स, जहां क्षमता से ज्यादा लोग हैं, उनको राहत मिलेगी। मंत्री ने निर्देश दिए कि निर्माण में गुणवत्ता का विशेष ध्यान रखा जाए, परिसर के बाहर अतिक्रमण न हो और एंबुलेंस की आवाजाही निर्बाध रहे। उन्होंने बताया कि मामूरपुर और दल्लूपुरा में भी दिव्यांगों के लिए भवन तैयार हो रहे हैं, जिससे उनकी सुरक्षा, स्वास्थ्य और सुविधाओं में इजाफा होगा। नरेला का यह कैंपस न केवल रहने की जगह देगा, बल्कि दिव्यांगों को सम्मान और बेहतर जीवन का अवसर भी प्रदान करेगा।

फरीदाबाद में भीषण सड़क हादसा, दो गाड़ियां टकराई

फरीदाबाद। दिल्ली-आगरा नेशनल हाइवे पर जेसीबी कट के पास शुक्रवार देर रात दो गाड़ियों की टक्कर हो गई। जिसमें से अर्टिगा गाड़ी में सवार तीन लोगों की मौत हो गई। वहीं एमजी हैक्टर गाड़ी में सवार चालक गंभीर रूप से घायल है। जिसको उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने बताया कि एमजी हेक्टर और अर्टिगा में देर रात हुए इस टक्कर में तीन लोगों की मौत हुई है और तीनों पलवल के रहने वाले हैं। तीनों युवक जेसीबी कंपनी के कर्मचारी थे और रात ड्यूटी कर वापस जा रहे थे। मृतकों के नाम मनीष, दीपांशु व त्रिवेंद्र पोसवाल है। अर्टिगा में पांच लोग सवार थे जबकि एमजी हेक्टर में तीन लोग थे। पुलिस को रात दो सवा दो बजे सूचना मिली थी। मौके पर पहुंची पुलिस ने लोगों की सहायता से घायलों को अस्पताल पहुंचाया। पुलिस ने जानकारी दी कि एमजी हेक्टर गाड़ी पलवल से फरीदाबाद की तरफ जा रही थी और अर्टिगा सेक्टर 58 से पलवल की तरफ क्रोस कर रही थी। हादसे के बाद अर्टिगा पलट गई थी और इसमें आग लग गई थी। हालांकि वक्त रहते आग पर काबू पा लिया गया। पुलिस ने इसमें विभिन्न धाराओं में मामला दर्ज कर लिया है और आगे की जांच कर रही है। तीनों मृतकों के परिजनों ने कंपनी से आर्थिक सहायता व परिवार के एक सदस्य को पर्मानेंट नौकरी दिए जाने की मांग की है। फिलहाल मौके पर कोई भी कंपनी का अधिकारी नहीं आया है। इससे गुस्साए मृतकों के परिजन जेसीबी कंपनी के बाहर रोड जाम करने जा रहे हैं।

छह लोगों पर हमले के बाद ग्रामीणों ने तेंदुआ मार डाला

नौगांवा सादात (अमरोहा)। खेतों पर काम कर रहे कुतुबपुर हमीदपुर के लोगों पर मादा तेंदुए ने हमला कर दिया। इसमें तेंदुए ने एक के बाद एक छह लोगों को घायल कर दिया। इसके बाद ग्रामीणों का गुस्सा भड़क गया। लाठी-डंडों से लैस ग्रामीणों ने तेंदुए को घेर लिया और उसे पीट-पीटकर मार डाला। मौके पर पहुंची वन विभाग और पुलिस टीम ने जांच पड़ताल की। घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया। तेंदुए की हत्या का जिम्मेदार मानते हुए पुलिस और वन विभाग की टीम तीन लोगों को पकड़कर थाने ले आई। ट्रैक्टर-ट्रॉली में सवार होकर थाने पहुंचे ग्रामीणों ने तीनों लोगों को छुड़ाकर भगा दिया। ग्रामीणों ने थाने में जमकर हंगामा किया। मामले में वन विभाग की ओर से नामजद और अज्ञात ग्रामीणों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया जा रहा है। वहीं, डीएफओ कार्यालय पर तेंदुए का पोस्टमार्टम कराया गया।

जिसमें चोट लगने से तेंदुए की मौत की पुष्टि हुई है। शनिवार की सुबह करीब 11 बजे गांव के रहने वाले किसान डालचंद सिंह अपने बेटे कौकिल के साथ खेत पर काम कर रहे थे। सभी पड़ोस के खेत से निकले तेंदुए ने पिता-पुत्र पर हमला कर घायल कर दिया। शोर सुनकर आसपास के खेतों पर काम कर रहे लोगों की भीड़ मौके की तरफ दौड़ पड़ी।

जानकारी मिलते ही कुतुबपुर हमीदपुर और आसपास के गांवों के लोग भी लाठी डंडे से लैस होकर मौके पर पहुंच गए। भीड़ ने तेंदुए को घेर लिया और घंटों तक इधर-उधर दौड़ते रहे। इस दौरान तेंदुए ने हेतराम, कृपाल सिंह, अरविंद, धर्म सिंह और हेमराज पर हमला कर जख्मी कर दिया। जिसके बाद ग्रामीणों का गुस्सा ओर भ?क गया। लाठी-डंडों से लैस ग्रामीणों ने तेंदुए को पीट-पीटकर मार डाला। सूचना मिलते ही नौगांवा सादात पुलिस और वन विभाग के डिप्टी रेंजर राजीव वर्मा, वन दरोगा केपी सिंह और वनरक्षक लोकेंद्र सिंह मौके पर पहुंच गए। उनके पहुंचने से पहले ही तेंदुए की मौत हो चुकी थी। जबकि घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया जा चुका था। जांच पड़ताल के बाद वन विभाग की टीम ने पुलिस की मदद से तेंदुए की हत्या करने की शक में ग्राम प्रधान बृजेश के भाई राकेश और गांव के रहने वाले धर्मवीर व राजू को पकड़ लिया। तीनों को नौगांवा सादात थाने लाया गया। इससे नाराज सैकड़ों दौड़ते रहे। इस दौरान तेंदुए ने हेतराम, कृपाल सिंह, अरविंद, धर्म सिंह और हेमराज पर हमला कर जख्मी कर दिया। जिसके बाद ग्रामीणों का गुस्सा ओर भ?क गया। लाठी-डंडों से लैस ग्रामीणों ने तेंदुए को पीट-पीटकर मार डाला। सूचना मिलते ही नौगांवा सादात पुलिस और वन विभाग के ग्रामीण ट्रैक्टर-ट्रॉली से नौगांवा सादात थाने पहुंच गए। गुस्साए ग्रामीणों ने थाने का घेराव कर लिया और वन विभाग की गाड़ी में बैठे राकेश, धर्मवीर और राजू को छुड़ाकर वहां से भगा दिया। तेंदुए की मौत के मामले में ग्रामीणों ने कार्रवाई को गलत बताया और जमकर हंगामा किया। बाद में पुलिस और वन विभाग का अधिकारियों ने ग्रामीणों को समझा कर शांत किया और तीनों आरोपियों को वापस बुलाने के लिए कहा है।

पांच साल में मिलीं प्रदूषण की करीब 1 लाख शिकायतें, अधिकांश का किया गया निपटारा

दिल्ली। दिल्ली प्रदूषण नियंत्रण समिति (डीपीसीसी) की ओर से संकलित ग्रीन दिल्ली एप के आंकड़ों में बड़ा खुलासा हुआ है। इसके तहत अक्तूबर 2020 से 18 दिसंबर 2025 तक प्रदूषण संबंधी कुल 99,435 शिकायतें दर्ज की गईं। इनमें से 86,984 शिकायतों का समाधान हो चुका है, जबकि 12,451 अभी विभिन्न विभागों में लंबित हैं। कुल मिलाकर 87.48 प्रतिशत शिकायतों का निपटारा किया गया है। सबसे अधिक शिकायतें दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) को 63,965 मिलीं। इनमें से 54,226 का समाधान हुआ, जो 84.77 प्रतिशत है, लेकिन 9,739 लंबित हैं। इसमें 9,600 से अधिक पुरानी शिकायतें शामिल हैं। निर्माण स्थलों पर धूल, कचरा जलाना और खुले में डंपिंग जैसी समस्याएं प्रमुख हैं। लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) को 14,937 शिकायतें मिलीं, जिनमें से 13,824 का निपटारा हुआ। 92 प्रतिशत से अधिक की समाधान दर रहा। दिल्ली विकास प्राधिकरण (डीडीए) ने 5,197 में से 4,804 शिकायतें सुलझाईं। दिल्ली जल बोर्ड (डीजेबी) ने 3,351 शिकायतों में से 97.73 प्रतिशत का समाधान किया, जबकि नई दिल्ली नगर परिषद (एनडीएमसी) की समाधान दर 98.83 प्रतिशत रही। दिल्ली पुलिस कंट्रोल रूम (112) ने भी 1,437 में से 1,398 शिकायतें निपटाईं। परिवहन विभाग, दिल्ली अग्निशमन सेवा और दिल्ली परिवहन निगम (डीटीसी) ने अपनी सभी शिकायतों का 100 प्रतिशत निपटारा किया।

NAME CHANGE

I Dravite Kumar Gupta S/o Jayant Kumar R/o H-No-48, Santomalan, Najibabad, Bijnor, Uttar Pradesh - 246763, have changed my name to Dravit Kumar

NAME CHANGE

I Seema W/o Mohd Rizwan R/o 512/623, 1st Lane, Balda Road, Nishatganj, PO-New Hyderabad, Dist-Lucknow, Uttar Pradesh - 226007, have changed my name to Naj Bebi

PUBLIC NOTICE

It is for general information that I, Meenu Garg D/o Bhagwan Dass Sanghi and W/o Sunil Garg R/o C-314, Garg Niwas, Vivek Vihar, East Delhi, Delhi-110095 declare that name of mine has been wrongly written as Meenu Sanghi in my 12th Class Educational Documents and Meenu and Bhagwan Dass in my 10th, B.Sc, M.Sc and B.Ed Educational documents. The actual name of mine and my father are Meenu Garg and Bhagwan Dass Sanghi.

NAME CHANGE

I, ANANYA SINGH RAJPUT, D/o. AMAR SINGH RAJPUT, R/o. HOUSE NO-148, DHAULA KUAN OFFICERS ENCLAVE, PART-1, NEW DELHI-110010, have changed my name from ANANYA SINGH RAJPUT to ANANYA SINGH for all future purpose.

NAME CHANGE

I, MADHURI is legally wedded wife of No. 2808896P Rank HAV Name GAVDE DNYANDEO RAJENDRA presently residing VILL-KHARADWADI POST-KALDARI TEH-PURANDAR DIST-PUNE (MAHARASHTRA)-412301 have changed my name from MADHURI to MADHURI DNYANDEO GAVDE for all future purposes. Vide affidavit dated 04.12.2025 before Public Notary Delhi.

NAME CHANGE

I, NALAWADE SUBHASH SOPAN is a real father of No. JC-462819N Rank NB SUB Name NALAWADE SACHIN SUBHASH presently residing VILL- ALJAPUR POST- ADARKI BK TEH-PHALTAN DIST-SATARA (MAHARASHTRA)-415537 have changed my name from NALAWADE SUBHASH SOPAN to SUBHASH SOPANRAO NALAWADE and date of birth from 07/09/1955 to 20/05/1954 for all future purposes. Vide affidavit dated 04.12.2025 before Public Notary Delhi.

NAME CHANGE

I hitherto known as MD SAPISUDDIN S/O AJEEJU R/O Plot No. 7, KH. 198, Rajeev Garden Loni, PO: Loni, District Ghaziabad, Uttar Pradesh-201102, have changed my name and shall hereafter be known as BABLOO, I have changed only my name not my religion.

PUBLIC NOTICE

It is Publicly informed that I Prashant Jindal s/o Pawan Kumar R/o.Sunaro wali ,146, Surajpur , Greater Noida,Dist.Gautam Buddha Nagar.U.P. 201306 owner of Property no.Kh.No.511,Area Measuring 62.70,Vide Ragistered as jild no.45280 Page No.97-112 kr.no.24411 Ragistry Date -13-08-2024, (hereinafter called the said property). That I purchased the said property from M/S B.K.Bindal Builder Pvt.Ltd . I intend to mortgage above said property with AU Small Finance Bank. And I will be re-sponsible for any discrepancies, if any. I we would like to announce to general public that any person who is having any right, title or interest against above property/share or documents may to confirm/contact to below person.
Name :- Prashant Jindal s/o Pawan Kumar Mob-8006273862

PUBLIC NOTICE

LR No: 3448796/2025

AMIT SHARMA (Aadhar no - 455767312080),S/D/W/O J.P. SHARMA, 31. Tripurari Nagar Matiara Road. Hathras UP-204101, somsystemsdeh@gmail.com (aadhar no -4557 6731 2080, I Have Lost My Original Property DOCUMENT No 1546/2004
(1)Survey No-283/3A Acre Cent-1.07
(2) Survey No -283/3B Acre-1.07
(3) Survey no-283/4 Acre Cent-1.07
(4) Survey no -283/5 ???? Cent-1.05
(5) Survey no-283/6 Acre No -1.61
(6) Survey no -289/3 Acre Cert-0.14
(7) Survey no -289/10 Acre Cent-0.10
(8) Survey no -294/2 Acre Cent-1.72
(9)Survey no-295/1 Acre Cert-3.84
(10) Survey no-295/2 Acre Cent-1..91
Total 13.58.
Doc No- 1547 /2004
(1)Survey no-275/4 Acre Cert-0.03
(2) Survey no-278/3C Acre Cent-1.58
(3) Survey no-284/4 Acre Cert-0.64
(4)Survey no -284/5 Acre Cert-0.58
(5) Survey no -285/2 Acre Cent-2.21.
Total -5.04.
Doc No- 1548 /2004
(1) Survey n?-307/1 Acre Cent-1.99
(2) Survey no-316/8A Acre Cent-0.80
Total-2.79.
Doc No -1549 /2004
(1) Survey no -288 /1A2 Acre Cent -2.66
(2) Survey -309/1B Acre Cent -0.77.
Total-3.43.
Total Extent 24 Acre 84 Cent. Situated at Akilandapuram Village, sub Registration Office at Kayathar, Kovilpatti Taluk, Tuticorin District, Palayamkottai Registration District State Tamil Nadu.

सार्वजनिक सूचना

श्री धीरज कुमार पुत्र श्री सुरेंद्र कुमार (50% हिस्सेदारी) और चंद्र शेखर पुत्र श्री भगवान शर्मा (50% हिस्सेदारी), की ओर से आम जनता को यह सूचित किया जाता है कि पंजीकृत संपत्ति संख्या 194-एन (प्लॉट संख्या 194 का भाग), लगभग 250 वर्ग गज भूमि, खसरा संख्या 40, मैदान गढ़ी दक्षिण, दिल्ली-110068 में निर्मित तीसरी मंजिल के मालिक हैं। श्री नितिन डागर, पुत्र श्री उमेद सिंह द्वारा दिनांक 09.01.2025 को निष्पादित जीपीए एटीएस और वसीयत के अनुसार, यह संपत्ति श्रीमती शिवानी को बेची जानी है और इसका वित्तपोषण एसएमएफजी इंडिया होम फाइनेंस कंपनी लिमिटेड द्वारा किया जाना है। आम जनता को सूचित किया जाता है कि यदि किसी का उक्त संपत्ति में कोई प्रभार/हित/स्वामित्व है या किसी प्रकार का कोई विवाद है. तो कृपया वर्तमान तिथि से 7 दिनों के भीतर नीचे दिए गए पते पर लिखित रूप में अधोहस्ताक्षरी को सूचित करें.
Rahul Raj, Advocate,
SG Associates (Law Firm)
B-01, Plot no. 20, Koushambhi Near HDFC Bank, U.P.
E-MAIL: sgassociatespl@gmail.com,
Ph: 0120-4968888, 8130309204

NAME CHANGE

I SAMEER S/O Shri MOHD HAMID Resident of House No D-55 Second Floor DDA Colony New Jafrabad Shahdara Delhi Delhi 110032 do hereby solemnly affirm and declare as under.That my Passport No N 9053610 under mention my Mother Name incorrect name is SHAHIDA BEGAM My Mother correct name SHAHIDA BEGUM.

NAME CHANGE

I, hitherto known as INDU NAIN D/O AMAR KUMAR R/O H NO-225, MANDIR WALI GALI, NEAR RADHA KRISHAN MANDIR, MAHIPALPUR, DELHI-110037 have changed my name and shall hereafter be known as INDU ARYA. It is certified that I have complied with other legal requirements in the connection

NAME CHANGE

I, BALRAJ S/O VISHIN DASS R/O SKYON FLAT NO-009, TOWER-A2, SECTOR-60, GURGAON, HARYANA-122011,HAVE CHANGED MY NAME TO BALRAJ MANDHWANI FOR ALL FUTURE PURPOSES

NAME CHANGE

I, SUMAN KUMARI YADAV is legally Wife of No. 14843501L Rank- HAV Name-MUKESH KUMAR YADAV Presently resident of VPO-FARIDA, TEH-JASRANA, DIST-FIROZABAD (UP)-283152, have changed my name from SUMAN KUMARI YADAV to SUMAN YADAV for all future purposes. Vide affidavit No-IN-DL20627442246589X dated- 25.12.2025 before Public Notary Delhi.

सार्वजनिक सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मैं श्री शांति स्वरूप पुत्र श्री अर्जुन सिंह, निवासी डी 73, सेवक पार्क, डी ब्लॉक उत्तम नगर पश्चिमी दिल्ली, दिल्ली-110059, ने अपने पुत्र अरुण कुमार वे उसकी पत्नी सोनिया के गलत संगत में पड़ने वे अनैतिक , अवांछनीय, असामाजिक कार्यों के कारण दोनो पति पत्नी मेरा बेटा अरुण कुमार वे उसकी पत्नी सोनिया के बीच रोज के कलेश के कारण मैंने उनसे संबंध विच्छेद कर लिए हैं। साथ ही उन्हें अपनी सभी चल एवं अचल संपत्ति से बेदखल करता हूं और उनसे सभी प्रकार के सम्बन्ध विच्छेद कर लिए हैं भविष्य में अपने किसी भी कृत्य के लिए वे स्वयं जिम्मेदार होंगे। कोई भी व्यक्ति कथित अरुण कुमार वे सोनिया से किसी भी प्रकार का लेन-देन करता है व कोई भी कार्य करता है तो वह उसका स्वयं जिम्मेदार होगा।
आशीष चोपड़ा अधिवक्ता
चैंबर नंबर 342, द्वारका डिस्ट्रिक्ट एंड सेशन कोर्ट सेक्टर 10, द्वारका, नई दिल्ली 110075

सार्वजनिक सूचना

यह सूचित किया जाता है कि श्री अशोक कुमार सिंह एवं श्रीमती बबीता कुमारी, डी.डी.ए. एसएफएस फ्लैट संख्या 208, जो तृतीय तल (श्रेणी-3) पर स्थित है, पॉकेट-2, सेक्टर-9, द्वारका, नई दिल्ली के लेआउट प्लान के अनुसार स्थित, को श्रीमती अंजू बंसल से क्रय करने का प्रस्ताव रखते हैं। उक्त संपत्ति के मूल आवंटी श्री आर. एल. साहा थे, जिन्होंने दिनांक 12.05.2000 की कन्वेयंस डीड के माध्यम से डी.डी.ए. से उक्त संपत्ति क्रय की थी। दुर्भाग्यवश, श्री आर. एल. साहा का दिनांक 15.08.2015 को निधन हो गया, जिनके पश्चात उनके निम्नलिखित वैध उत्तराधिकारी शेष रहे- श्रीमती लता रानी (पत्नी), श्रीमती रश्मि साह (पुत्री), श्रीमती विनीता रानी (पुत्री) तथा श्री राहुल कुमार (पुत्र)। इसके उपरांत, श्रीमती लता रानी, श्रीमती रश्मि साह एवं श्रीमती विनीता रानी ने दिनांक 16.03.2017 की परित्याग विलेख (Relinquishment Deed) के माध्यम से अपनी-अपनी हिस्सेदारी श्री राहुल कुमार के पक्ष में त्याग दी। तदनुसार, श्री राहुल कुमार उक्त संपत्ति के पूर्ण एवं निर्विवाद स्वामी बन गए। कृपया ध्यान दें कि उक्त संपत्ति का वित्तपोषण बजाज हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड, एनएसपी शाखा (NSP Branch), नई दिल्ली द्वारा वित्तपोषित किया जाना प्रस्तावित है। यदि किसी व्यक्ति को उपरोक्त संपत्ति के संबंध में कोई आपत्ति हो, तो कृपया इस सूचना की तिथि से 07 दिनों के भीतर अपनी आपत्ति लिखित रूप में प्रस्तुत करें। उक्त आपत्ति नीचे दिए गए पते पर पंजीकृत डाक के माध्यम से एवं ई-मेल द्वारा अधोहस्ताक्षरी को भेजी जा सकती है। यदि निर्दिष्ट अवधि में कोई आपत्ति प्राप्त नहीं होती है, तो उक्त संपत्ति के संबंध में कोई भी दावा अमान्य और निष्प्रभावी माना जाएगा।
[ASHWANI KUMAR] Advocate
Chamber No. 122,
Tehsil Compound, Ghaziabad, U.P.

सार्वजनिक सूचना

सभी संबंधित पक्षों एवं आम जनता को सूचित किया जाता है कि यश श्रीवास्तव (Yash Shrivastav) ने अपने सेबी पंजीकरण प्रमाणपत्र को रिसर्च एनालिस्ट (Research Analyst) के रूप में सरेंडर (त्याग) करने का निर्णय लिया है। उक्त पंजीकरण का विवरण निम्नानुसार है- SEBI Registration Number: INH000017356, BSE RA Enlistment Number: 6278 यदि किसी व्यक्ति या संस्था को इस सरेंडर के संबंध में कोई आपत्ति या शिकायत हो, तो वे इस सूचना की तिथि से 30 दिनों के भीतर सेबी की SEBI Complaints Redress System (SCORES) पोर्टल पर अपनी शिकायत दर्ज करा सकते हैं- https://scores.sebi.gov.in/scores-home यह सार्वजनिक सूचना स्वेच्छा के Research Analyst से संबंधित नियमों एवं विनियमों के अनुपालन में जारी की जा रही है।

NAME CHANGE

I KAINA D/O Krishan Kant Gupta, E-11 St Xavier CGHS Ltd. Saraswati Vihar Pitampura DIST: North West Delhi, Delhi-110034 have changed my name to Kaina Gupta for all future purposes.

NAME CHANGE

I hitherto known as AMIT alias AMIT JAIN alias AMIT KUMAR JAIN S/O SUMAT PARKASH JAIN R/O 2958, Gali No. 221, Vishram Nagar TRI Nagar, Onkar Nagar S.O, North West Delhi, Delhi - 110035 have changed my name and shall hereafter be known as AMIT KUMAR JAIN.

NAME CHANGE

I hitherto Known as SUDHIR KUMAR alias DHEERAJ KUMAR GUPTA S/o RAMESH KUMAR GUPTA residing at D-60, Vijay Vihar, Phase - 2, Rohini, North West Delhi, Delhi - 110085 have changed my name and shall hereafter be known as DHEERAJ KUMAR GUPTA.

NAME CHANGE

I, Sumit arora S/O HARISH ARORA R/o 5a.54 NIT 5 FARIDABAD 121002 have changed my MINOR DOUTHER name JYENA TO JYENA Arora

NAME CHANGE

I, DEEPANKAR KUMAR SHARMA S/O SUBASH CHANDER R/O FLAT NO-102, 2ND FLOOR, SPS HOMES, GALI NO-4, RAJENDRA PARK, RATAN VIHAR, GURGAON, HARYANA-122001, HAVE CHANGED MY NAME TO DEEPANKAR KUMAR FOR ALL FUTURE PURPOSES

NAME CHANGE

It is for general information that I, HEMANT KUMAR S/o DAYA CHAND, R/o H.No. A-102, Pradhan Wali Gali, Johri Pur, Gokal Pur, PO: Gokal Puri, Dist: North East Delhi, Delhi-110094, declare that name of mine has been wrongly written as HEMANT KR in my Driving Licence No. DL05 19980041641. The actual name of mine is HEMANT KUMAR, which may be amended accordingly.

NAME CHANGE

I hitherto known as VINEET BHADAURYA S/o VIRENDRA SINGH, R/o Gadhi Gorelal, Rampur Chandrasaini, PO: Holi Pura, Dist: Agra, Uttar Pradesh-283113, have changed my name and shall hereafter be known as RAMAVATAR.

NAME CHANGE

It is for general information that I, HEMANT KUMAR S/o DAYA CHAND, R/o H.No. A-102, Pradhan Wali Gali, Johri Pur, Gokal Pur, PO: Gokal Puri, Dist: North East Delhi, Delhi-110094, declare that name of mine has been wrongly written as HEMANT KR in my Driving Licence No. DL05 19980041641. The actual name of mine is HEMANT KUMAR, which may be amended accordingly.

NAME CHANGE

It is for general information that I, VIKASH CHOUDHARY S/O RAMANAND CHOUDHARY Permanent Residence of CHAKOLIYA, ALWAR, MATOR, RAJASTHAN, 301404, Present Resident of PLOT NO-33A AND 33B, U/G FLOOR, KH NO-516, SADH NAGAR, GALI NO-37, PALAM COLONY, NEW DELHI-110045, declare that name of mine and my wife has been wrongly written as VIKASH and SARITA in my minor son JIVESH aged 15 years in his 10th class education documents. The actual name of mine and my wife are VIKASH CHOUDHARY and SARITA DEVI respectively which may be amended accordingly.

सार्वजनिक सूचना

श्री अब्दुल जहीर के पुत्र श्री मुशर्रफ की ओर से आम जनता को यह सूचित किया जाता है कि, खसरा संख्या 452 के ब्लॉक-ए में स्थित प्लॉट संख्या 107, जिसका क्षेत्रफल 50 वर्ग गज यानी 41.80 वर्ग मीटर है, के स्वामी हैं। यह प्लॉट खुराना एन्क्लेव, किदवई नगर, ग्राम पविसादकपुर, परगना और तहसील लोनी, जिला गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश में स्थित है। बिक्री विलेख दिनांक 21.11.2023 को श्री राजमन, श्री बरखुराम के पुत्र द्वारा निष्पादित किया गया था और संपत्ति श्रृंखला में मूल बिक्री विलेख दिनांक 30.06.1999 को श्री प्रेम सिंह, श्री शिव चरण के पुत्र द्वारा निष्पादित किया गया था, खो गया है और इस संबंध में ऑनलाइन एफआईआर (एलआर संख्या- 20250000955271) दिनांक को दर्ज की गई है। दिनांक 23.12.2025 को इस संपत्ति का वित्तपोषण एसएमएफजी इंडिया होम फाइनेंस कंपनी लिमिटेड द्वारा किया जाएगा। आम जनता को सूचित किया जाता है कि यदि किसी का उक्त संपत्ति में कोई प्रभार/हित/स्वामित्व है या किसी प्रकार का कोई विवाद है, तो कृपया वर्तमान तिथि से 7 दिनों के भीतर नीचे दिए गए पते पर लिखित रूप में अधोहस्ताक्षरी को सूचित करें.
Rahul Raj, Advocate,
SG Associates (Law Firm)
B-01, Plot no. 20, Koushambhi Near HDFC Bank, U.P.
E-MAIL: sgassociatespl@gmail.com,
Ph: 0120-4968888, 8130309204

NAME CHANGE

It is for general information that I Bahadur mal S/O Data Ram, R/O B-23, Nihal Vihar, PO: Nangloi, DIST: West Delhi, Delhi -110041, declare that name of mine and my minor daughter has been wrongly written as Bahadur and Khushboo in my minor daughter namely Khushbu aged 14 years in her birth certificate no MCDOLIR - 0112-005300718 and name of mine has been wrongly written as Bahadur in her school records.The actual name of mine has my minor daughter are BAHADUR MAL and KHUSHBU , respectively which may be amended accordingly.

NAME CHANGE

I, hitherto Known as GOLU alias SONU PRASAD S/O RAJESH PRASAD residing at ? NO-F 26/1, Neharpur, Rohini, Raja Pur Kalan, North West Delhi, Delhi-110085 have changed my name and shall hereafter be known as SONU PRASAD.

NAME CHANGE

I, Anupma Pandey d/o Prem Prakash Pant w/o Kamlesh Pandey r/o A-57/1, Third Floor, Hari Nagar, New Delhi 110064 have changed my name to ANUPAMA PANDEY for all future purposes.

कौमी पत्रिका

संपादक-गुरचरन सिंह बब्बर
स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक, गुरचरन सिंह बब्बर ने कौमी पत्रिका प्रिंटिंग प्रेस, सेक्टर ए-4/ए-144 इंडस्ट्रियल एरिया ट्रोनिका सिटी लोनी (गाजियाबाद), उत्तर प्रदेश से छापकर प्रकाशित किया।

Corporate Office:
5, Bahadurshah Zafar Marg
ITO, New Delhi-110002

फोन : 011-41509689, 23315814
मोबाइल नंबर : 9312262300

E - mail address :
qpatrika@gmail.com
Website: www.qaumipatrika.in

R.N.I. No.
UP-HIN/2007/21472

Legal Advisors:
Advocate Mohd. Sajid
Advocate Dr. A.P.Singh
Advocate Manish Sharma
Advocate Pooja Bhaskar Sharma

सोने की कीमतों में 2025 में रिकॉर्ड तेजी, 2026 में बढ़ने की संभावना

- 1979 के बाद सोने की कीमतों में सबसे बड़ी सालाना बढ़ोतरी

नई दिल्ली ।

साल 2025 में सोने की कीमतों में 70 फीसदी से अधिक की वृद्धि हुई है, जो 1979 के बाद सबसे बड़ी सालाना बढ़ोतरी है। बुधवार को सोना पहली बार 4,500 डॉलर प्रति औंस के पार गया। निवेशक आर्थिक अनिश्चितता, महंगाई और ब्याज दरों में कमी के कारण सोने जैसी सुरक्षित संपत्तियों की ओर तेजी से बढ़ रहे हैं। सोने में इस साल तेजी सिर्फ अटकलों की वजह से नहीं है। अमेरिकी डॉलर की गिरावट ने अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोने की कीमत बढ़ा दी है। इसके अलावा केंद्रीय बैंक अपनी डॉलर पर निर्भरता कम करने के लिए तेजी से सोना खरीद रहे हैं। खनन में निवेश की कमी, सप्लाई में रुकावटें और टैरिफ ने बाजार को सख्त कर दिया है, जबकि मांग लगातार बढ़ रही है। विशेषज्ञों का कहना है कि सोने की कीमतें मुख्य रूप से अमेरिका के केंद्रीय बैंक फेडरल रिजर्व की ब्याज दरों पर निर्भर करती हैं। जब फेड ब्याज दर घटाता है, तो सोने में तेजी देखने को मिलती है। फेड अगले साल दो बार ब्याज दरें कम कर सकता है, जिससे सोने की कीमत में और बढ़ोतरी संभव है। बाजार के` विश्लेषकों ने कहा` कि वर्तमान में कोई भी ऐसा कारण नहीं है जो सोने की कीमत को नीचे खींच सके। केवल केंद्रीय बैंक की सोने की खरीदारी में कमी ही कीमत में गिरावट ला सकती है। अगर यह नहीं होता, तो निवेशकों की स्थिति देखकर लगता है कि सोने में तेजी जारी रहेगी। विशेषज्ञ अनुमान लगा रहे हैं कि साल के अंत तक सोना 5,000 डॉलर प्रति औंस तक पहुंच सकता है। निवेशक और बाजार जानकार इसे सुरक्षित निवेश के रूप में देख रहे हैं, खासकर उस समय जब वैश्विक अर्थव्यवस्था में अनिश्चितता और महंगाई बनी हुई है।

मुंबई के महालक्ष्मी इलाके में 2.5 एकड़ जमीन 2,250 करोड़ में बिकी

- प्राइम प्लॉट का आरक्षित मूल्य 993 करोड़ रुपए था

मुंबई ।

दक्षिण मुंबई के महालक्ष्मी इलाके में रेलवे भूमि विकास प्राधिकरण (आरएलडीए) ने 2.5 एकड़ का प्राइम प्लॉट 99 साल की लीज पर नीलामी के लिए रखा। आरक्षित मूल्य 993 करोड़ रुपये था। हालांकि, डेवलपर्स की प्रतिस्पर्धा ने इसे 2,250 करोड़ रुपये तक बढ़ा दिया। यह अब तक मुंबई में लंबी अवधि के पट्टे पर किसी जमीन की नीलामी के लिए सबसे बड़ी बोली है। नीलामी में चार बड़े डेवलपर्स शामिल थे। दिनेशचंद्र आर अग्रवाल इन्फ्राकॉन ने सबसे बड़ी बोली लगाई। इसके बाद सोभा रियलिटी ने 1,232 करोड़ रुपये और लोढ़ा ग्रुप ने 1,161 करोड़ रुपये की बोली पेश की। इसके अलावा, आरएमजेड ग्रुप की एक इकाई भी इस नीलामी में हिस्सा ले रही थी। नीलामी के दस्तावेजों के अनुसार शुरुआती भुगतान लगभग 100 करोड़ रुपये होना तय है। कुल भुगतान 8 साल में राजस्व हिस्सेदारी के आधार पर किया जाएगा, जिसमें पहले 6 साल में 80 फीसदी राशि जमा करनी होगी। विशेषज्ञों का कहना है कि महालक्ष्मी जैसे प्राइम इलाके में जमीन की इतनी उच्च बोली यह दर्शाती है कि निवेशक लंबी अवधि में मजबूत रिटर्न की उम्मीद में प्रीमियम कीमत देने को तैयार हैं। यह नीलामी मुंबई में प्राइम ज़मीन की बढ़ती मांग और केंद्रीय रूप से स्थित, तैयार-से-विकसित ज़मीन की आकर्षकता को भी रेखांकित करती है। विशेषज्ञों के अनुसार यह सौदा संकेत देता है कि मुंबई के प्राइम लोकेशन में निवेशकों का भरोसा मजबूत है। लंबे समय तक रिटर्न की संभावना और सिटी सेंटर लोकेशन के कारण प्राइम जमीन में निवेश तेजी से बढ़ रहा है।

साल 2025 बिटकॉइन के लिए मिला-जुला रहा

- व्हेल्स की भारी बिकवाली से दबाव बढ़ा

नई दिल्ली ।

साल 2025 बिटकॉइन (बीटीसी) के लिए मिला-जुला रहा। इस साल बिटकॉइन ने कई नई ऊंचाइयां छुईं लेकिन कीमतें अस्थिर रहीं। एक ऑन-चेन विश्लेषक के अनुसार पिछले 12 महीनों में बड़े निवेशकों यानी व्हेल्स ने 1,61,294 बिटकॉइन बेचे, जिसकी कीमत लगभग 15 अरब डॉलर है। उनका कहना है कि इस तरह की बिकवाली आमतौर पर बाजार में गिरावट के पहले या दौरान होती है, न कि पहले से गिर चुकी कीमतों पर। व्हेल्स की भारी बिकवाली के कारण बिटकॉइन की कीमत में कई बार अचानक गिरावट देखी गई। फिलहाल यह 87,000 डॉलर के नीचे कारोबार कर रहा है। निवेशकों का भरोसा कमजोर हुआ है क्योंकि बाजार में बिकवाली का दबाव बना हुआ है। सभी बड़े निवेशक बिकवाली नहीं कर रहे हैं। मध्यम आकार के निवेशक, जिन्हें शार्क कहा जाता है, पूरे साल शुद्ध खरीदार रहे। शार्क्स की खरीदारी ने व्हेल्स के दबाव को कुछ हद तक कम किया और संकेत दिया कि बाजार का प्रभाव धीरे-धीरे छोटे और मध्यम निवेशकों की ओर बढ़ रहा है। विश्लेषकों का मानना है कि अगर व्हेल्स की बिकवाली का सिलसिला साल 2026 में भी जारी रहा, तो बिटकॉइन के लिए टिकाऊ रिकवरी मुश्किल हो सकती है। इसका मतलब है कि अगले साल भी कीमतों में गिरावट का खतरा बना रह सकता है और तेजी के रुझान कमजोर हो सकते हैं।

एलआईसी हाउसिंग फाइनेंस ने होम लोन की ब्याज दरें घटाई

- नई ब्याज दरें सिबिल स्कोर पर आधारित

नई दिल्ली ।

एलआईसी हाउसिंग फाइनेंस ने अपने होम लोन की ब्याज दरें घटाकर 7.15 फीसदी से शुरू कर दी हैं। ये दरें अब ग्राहकों के सिबिल स्कोर और लोन राशि पर निर्भर करेंगी। उच्च सिबिल स्कोर वाले ग्राहकों को कम ब्याज दर का फायदा मिलेगा। जिन ग्राहकों का सिबिल स्कोर 825 या उससे अधिक है, वे 5 करोड़ रुपये तक के लोन पर 7.15 फीसदी और 5 करोड़ से 15 करोड़ रुपये तक के लोन पर 7.45त्न ब्याज दर का लाभ उठा सकते हैं। सिबिल स्कोर 800-824 वाले ग्राहकों को 7.25 से 7.55 तक, 775-799 वाले ग्राहकों को 7.35 से 7.65 फीसदी तक ब्याज देना होगा। सिबिल स्कोर 600-774 वाले ग्राहकों के लिए दरें 7.35 से 9.50 फीसदी तक होंगी। 600 से कम स्कोर वाले ग्राहकों के लिए ब्याज दर 9.55 से 10 फीसदी तक रहेगी। नई दरें न केवल नए लोन पर बल्कि पुराने लोन को एलआईसी में ट्रांसफर करने पर भी लागू होंगी। इससे घर खरीदना और भी आसान हो जाएगा।

LIC HFL
LIC HOUSING FINANCE LTD
Home Loan

क्रिसमस पर चांदी के दामों में रिकॉर्ड तेजी

- दिल्ली में चांदी 2,34,000 रुपए प्रति किलो

नई दिल्ली ।

क्रिसमस के अवसर पर देशभर में चांदी के दामों में जबरदस्त तेजी देखने को मिली। दिल्ली, मुंबई, अहमदाबाद, कोलकाता, चंडीगढ़, लखनऊ, बेंगलुरु, जयपुर, पटना और भुवनेश्वर में चांदी की कीमत 2,34,000 रुपए प्रति किलोग्राम पर पहुँच गई। वहीं, चेन्नई और हैदराबाद में यह और भी ऊंची होकर 2,45,000 पर रही। प्रति ग्राम चांदी का भाव गुरुवार को 234 रहा, जो कल की तुलना में 1 रुपये अधिक है। 21 दिसंबर को चांदी का भाव 2,14,000 रुपए प्रति किलोग्राम था। इसके बाद पिछले चार दिनों में कीमतों में कुल 20,000 रुपए की तेजी आई। 22 दिसंबर को यह 2,19,000 रुपए थी, और गुरुवार को तक 2,34,000 रुपए पर पहुच गई। पिछले तीन दिनों में ही चांदी के दामों में 15,000 रुपए की वृद्धि दर्ज की गई। विश्लेषकों के अनुसार चांदी की बढ़ी हुई कीमत का मुख्य कारण मांग और आपूर्ति में असंतुलन है। लोग अब चांदी को सिर्फ आभूषण के लिए नहीं खरीद रहे, बल्कि इसे सुरक्षित निवेश के रूप में भी ले रहे हैं। इसके अलावा, सिल्वर ईटीएफ में निवेश लगातार बढ़ रहा है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी अमेरिका में ब्याज दरों में कमी की उम्मीद और चीन में 2026 के बाद चांदी के निर्यात पर रोक की संभावना ने कीमतों को और मजबूती दी है।

भारत में सोना 3 लाख प्रति 10 ग्राम के पार जाने की संभावना

नई दिल्ली । एक अमेरिकी अर्थशास्त्री का अनुमान है कि आने वाले वर्षों में सोने की कीमतों में जबरदस्त उछाल आ सकता है। वर्तमान में 4,510 डॉलर प्रति औंस के मुकाबले 2029 तक सोना 10,000 डॉलर प्रति औंस तक पहुंच सकता है और भारत में एमसीएक्स पर सोने का भाव 3 लाख प्रति 10 ग्राम तक जा सकता है। अर्थशास्त्री के अनुसार सोना केवल संकट से सुरक्षा नहीं देता बल्कि लंबी अवधि में निवेश का भी महत्वपूर्ण विकल्प है। इतिहास में बड़ी रैलियों ने निवेशकों की उम्मीद से अधिक लाभ दिया है। अमेरिकी शेयर बाजार के लिए वे सकारात्मक हैं, और 2026 तक एसएंडपी 500 इंडेक्स 7,700 तक पहुंच सकता है। भारत में 2025 कंसोलिडेशन का साल रहेगा, जबकि 2026 में नए अवसर बन सकते हैं।

भारत ने 2025 में कर ढांचे में बड़े सुधार लागू किए

- नया आयकर अधिनियम एक अप्रैल से होगा लागू

नई दिल्ली। भारत ने 2025 में अपने कर ढांचे में बड़े सुधार लागू किए। 22 सितंबर से लगभग 375 वस्तुओं और सेवाओं पर जीएसटी दरें घटाई गईं। चार–स्तरीय जीएसटी प्रणाली (5, 12, 18, 28 फीसदी) को दो मुख्य दरों 5 और 18 फीसदी में समेटा गया। इसका उद्देश्य कर व्यवस्था को सरल, तार्किक और पूर्वानुमानित बनाना था। अप्रैल में जीएसटी संग्रह 2.37 लाख करोड़ रुपये तक पहुंचा, जबकि नवंबर में यह 1.70 लाख करोड़ रुपये रहा, दर कटौती के प्रभाव के कारण वृद्धि धीमी हुई। सरकार ने मध्यम आय वर्ग के लिए आयकर छूट बढ़ाई, जिससे उपभोक्ताओं के हाथ में अधिक खर्च योग्य आय उपलब्ध हुई। 1 अप्रैल से नया सरलीकृत आयकर अधिनियम, 2025 लागू होगा, जो 1961 के पुराने कानून की जगह लेगा। इस कदम से न केवल उपभोग को बढ़ावा मिलेगा, बल्कि स्वैच्छिक अनुपालन भी मजबूत होगा। दो नए कानून लागू किए जाएंगे- सिगरेट पर अतिरिक्त उत्पाद शुल्क और पान मसाला पर जीएसटी दरों के अतिरिक्त शुल्क। इन कदमों का उद्देश्य स्वास्थ्य और राजस्व दोनों को ध्यान में रखना है। सरकार सीमा शुल्क में सरलकरण और प्रक्रियाओं के डिजिटलीकरण पर काम कर रही है। दस्तावेजीकरण में एकरूपता, जोखिम–आधारित त्वरित मंजूरी और पुराने विवादों का निपटान व्यापार सुगमता और निवेशकों का विश्वास बढ़ाने के उद्देश्य से किया जाएगा।

अमेरिकी शेयर बाजार रिकॉर्ड बढ़त के साथ बंद

वाशिंगटन। अमेरिकी शेयर बाजार बुधवार को तेजी के साथ बंद हुए। डाओ जोंस इंडस्ट्रियल एवरेज 288.75 अंक बढ़कर 48,731.16 पर, एसएंडपी 500 22.26 अंक बढ़कर 6,932.05 पर और नैस्डैक कम्पोजिट 51.46 अंक बढ़कर 23,613.31 पर बंद हुआ। सभी प्रमुख इंडेक्स ने रिकॉर्ड क्लोजिंग हाई दर्ज किया। पिछले हफ़्ते की बिकवाली के बाद एआई से जुड़े शेयरों में सुधार देखा गया। महंगे वैल्यूएशन और मुनाफ़े पर संभावित असर की चिंताओं के कारण पहले गिरावट आई थी। अमेरिकी अर्थव्यवस्था मज़बूत बनी हुई है। मार्केट अगले साल फेडरल रिज़र्व द्वारा 50 बेसिस पॉइंट की कटौती की उम्मीद कर रहा है। माइक्रोन टेक्नोलॉजी के शेयर 3.8 फीसदी बढ़कर 286.68 डॉलर के रिकॉर्ड लेवल पर बंद हुए।

झारखंड की बंद खदानें बनेंगी हरित निवेश और रोजगार का केंद्र

रांची । झारखंड में बंद और गैर–संचालित कोयला खदानों से 11,000 हेक्टेयर भूमि तुरंत उपलब्ध है। अगले 5–10 वर्षों में लगभग 45,000 हेक्टेयर भूमि का नवीनीकरणीय ऊर्जा, हरित विनिर्माण और लॉजिस्टिक्स जैसे हरित निवेश के लिए उपयोग किया जा सकता है। 16,977 करोड़ रुपये डीएमएफ में उपलब्ध हैं, जिन्हें कोयला–आधारित जिलों में आजीविका विविधीकरण, कौशल विकास और कल्याणकारी गतिविधियों में निवेश किया जा सकता है। इससे धनबाद, बोकारो और रामगढ़ में रोजगार के अवसर बढ़ेंगे। राज्य में 77 गीगावाट नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता है। फ्लोटिंग सोलर परियोजनाओं और हरित इस्पात उत्पादन से झारखंड हरित विकास में अग्रणी बन सकता है। अगले एक दशक में राज्य के प्रमुख हॉटस्पॉट जिलों में आर्थिक विविधीकरण और सतत विकास को बढ़ावा मिलेगा।

श्रम सुधारों को 2025 में बढ़ावा मिला, ईपीएफओ 3.0 लांच की तैयारी

- श्रम संहिताएं 2026 में पूर्ण रूप से हो जाएंगी लागू

नई दिल्ली ।

सरकार ने पांच साल की लंबी प्रतीक्षा के बाद चार श्रम संहिताओं को लागू करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है, जो 2026 में पूर्ण रूप से लागू हो जाएंगी। इनसे 29 पुराने श्रम कानूनों को सरल और समेकित रूप में बदलकर न्यूनतम वेतन और सार्वभौमिक सामाजिक सुरक्षा सुनिश्चित की जाएगी। केंद्रीय श्रम मंत्री मनसुख मांडविया ने इसे भारतीय श्रम बाजार के लिए ऐतिहासिक सुधार बताया। 2026 में ईपीएफओ 3.0 लाया जाएगा, जो कर्मचारियों की भविष्य निधि, पेंशन और बीमा दावों को तेज और सुविधाजनक बनाएगा। निकासी प्रक्रियाओं के सरलीकरण से करोड़ों कर्मचारियों को उनकी बचत तक आसान पहुंच मिलेगी। ई-श्रम पोर्टल और राष्ट्रीय कैरियर सेवा प्लेटफॉर्म ने सामाजिक सुरक्षा और रोजगार सेवाओं को व्यापक और समावेशी बनाया है। प्रधानमंत्री विकसित भारत रोजगार योजना अगले दो वर्षों में 3.5 करोड़ नौकरियों के सृजन को प्रोत्साहित करेगी। पिछले दशक में सामाजिक सुरक्षा कवरेज 19 से बढ़कर 64 फीसदी से अधिक हो गया है। ये सुधार कार्यस्थल पर स्पष्टता, समानता और पूर्वानुमेयता सुनिश्चित करेंगे, और भारत के आधुनिक, समावेशी श्रम बाजार की दिशा में बड़ा कदम हैं।

भारत का अमेरिका को ट्रेड वार्ता पर प्रस्ताव..........50 प्रतिशत टैरिफ को घटाकर 15 प्रतिशत, कच्चे तेल पर पेनाल्टी हटाएं

वाणिज्य सचिव राजेश अग्रवाल का कहना है कि समझौते पर जल्द सहमति बन सकती

नई दिल्ली।

भारत ने अमेरिका के सामने ट्रेड वार्ता में दो टूक प्रस्ताव दे दिया है। भारत चाहता है कि उस पर लगे कुल 50 प्रतिशत टैरिफ को घटाकर 15 प्रतिशत करे। इतना ही नहीं रूस से कच्चा तेल खरीदने पर जो अतिरिक्त 25 प्रतिशत पेनाल्टी लगाई है, उस पेनाल्टी को खत्म करे। दोनों देशों के बीच चल रही वार्ता से नए साल में कोई ठोस फैसला निकलने की उम्मीद है। दोनों देशों के बीच एक व्यापक द्विपक्षीय व्यापार समझौते (बीटीए) पर बातचीत जारी है। वाणिज्य सचिव राजेश अग्रवाल का कहना है कि समझौते पर जल्द सहमति बन सकती है, हालांकि उन्होंने व्यापार समझौते को लेकर कोई तय समय सीमा नहीं जाहिर की है। इस हफ्ते भारत और अमेरिका की व्यापार टीमों के बीच दिल्ली में बैठक हुई। बातचीत दो मुद्दों पर हो रही है। पहला एक बड़े और स्थायी व्यापार समझौते पर और दूसरा अमेरिका की तरफ से भारत पर लगाए गए 50 प्रतिशत टैरिफ को हटाने या कम करने के लिए एक फ्रेमवर्क समझौते पर सहमति। अगर अमेरिका भारत पर लगाया गया 50 टैक्स घटाकर 15 प्रतिशत कर देता है और रूस से तेल खरीदने पर 25 प्रतिशत की पेनाल्टी हटा देता है। तब भारतीय सामान अमेरिका में सस्ता होगा, जिससे वहां हमारा एक्सपोर्ट बढ़ेगा।

भारतीय कंपनियों को फायदा होगा, ज्यादा ऑर्डर मिलने और रोजगार के मौके बढ़ सकते हैं। भारत में डॉलर ज्यादा आएगा, इससे अर्थव्यवस्था मजबूत होगी। वहीं भारत रूस से सस्ता तेल बिना डर के खरीद सकेगा, इससे पेट्रोल-डीजल के दाम काबू में रह सकते है। इतना ही नहीं दोनों देशों के रिश्ते और बेहतर होते और आगे बड़ा व्यापार समझौता आसान हो जाएगा।

लेकिन अगर अमेरिका टैरिफ कम नहीं करता और पेनाल्टी भी जारी रखता है। तब भारतीय सामान अमेरिका में महंगे होने वाले है। जिससे हमारी बिक्री घट सकती है। कुछ इंडस्ट्री पर दबाव पड़ेगा, मुनाफा घट सकता है और नौकरियों पर असर पड़ सकता है। रूस से तेल खरीदना महंगा या मुश्किल हो जाएगा, जिससे ईंधन के दाम बढ़ सकते हैं।

दोनों देशों के बीच तनाव बढ़ सकता है और व्यापार समझौते में देरी हो सकती है।

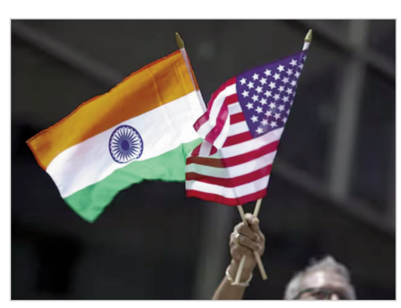

अमेरिका ने भारत पर कुल 50 प्रतिशत टैरिफ लगाया है। इसमें से 25 प्रतिशत को वे 'रेसिप्रोकल (जैसे को तैसा) टैरिफ' कहता है। जबकि 25 प्रतिशत रूसी तेल खरीदने की वजह से लगाया गया है। अमेरिका का कहना है कि इससे रूस को यूक्रेन युद्ध जारी रखने में मदद मिल रही है। भारत का कहना है कि यह पेनाल्टी गलत है और तुरंत हटाया जाना चाहिए।

रिपोर्ट के मुताबिक, भारत का रूसी तेल आयात नवंबर में करीब 17.7 लाख बैरल प्रति दिन था, जो दिसंबर में घटकर लगभग 12 लाख बैरल प्रति दिन रह गया है। आने वाले समय में यह 10 लाख बैरल प्रति दिन से भी नीचे जा सकता है। यूक्रेन युद्ध के बाद भारत रूस का सबसे बड़ा तेल खरीदार बन गया था, जिस पर ट्रम्प प्रशासन ने कई बार सवाल उठाए हैं।

एविएशन सेक्टर में तीन नई एयरलाइंस की जल्द होगी एंट्री.......मोदी सरकार ने शुरु की तैयारी

शंख एयर, अलहिंद एयर और फ्लाई एक्सप्रेस को एनओसी जारी किया

नई दिल्ली।

मोदी सरकार ने देश के एविएशन सेक्टर में प्रतिस्पर्धा बढ़ाने और बड़ी एयरलाइनों पर निर्भरता कम करने के मकसद से तीन नई एयरलाइंस को नो ऑब्जेक्शन सर्टिफिकेट (एनओसी) जारी किया है। इन एयरलाइंस के नाम शंख एयर, अलहिंद एयर और फ्लाई एक्सप्रेस हैं।

यह फैसला तब लिया गया है, जब हाल ही में इंडिगो के ऑपरेशन से जुड़ी दिक्कतें सामने आई थीं। इसके बाद मोदी सरकार को लगा कि भारतीय एविएशन सेक्टर में ज्यादा कंपनियों और विकल्पों की जरूरत है। क्योंकि हवाई यात्रा करने वाले यात्रियों की संख्या में लगातार इजाफा हो रहा है। केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री राम मोहन नायडू ने कहा कि मोदी सरकार का लक्ष्य भारतीय आसमान में ज्यादा एयरलाइंस को बढ़ावा देना है। केंद्र सरकार का मानना है कि नई एयरलाइंस के आने से यात्रियों को बेहतर सेवा और ज्यादा विकल्प मिलते है।

वहीं हवाई इंडस्ट्री के जानकारों का कहना है कि इससे भारतीय एविएशन सेक्टर में नई प्रतिस्पर्धा शुरू होगी। हालांकि, इन नई एयरलाइंस के सामने असली चुनौती अब शुरू होती है। उन्हें पूंजी जुटानी होगी, विमान बेड़े को तैयार करना होगा और मजबूत नेटवर्क खड़ा करना होगा, ताकि वे सही मायनों में उड़ान भर सकें। जानकारों के मुताबिक, अगर ये एयरलाइंस सफल होती हैं, तब इसका सीधा फायदा यात्रियों को मिलेगा।

एनओसी मिलने का मतलब है कि केंद्र सरकार ने इन कंपनियों को एयरलाइन शुरू करने की आगे की प्रक्रिया शुरू करने की अनुमति दे दी है। अब अगला कदम डीजीसीए से एयर ऑपरेटर सर्टिफिकेट (एओसी) लेना होगा। इसके साथ ही इन्हें विमान (फ्लीट), पायलट और स्टाफ, मेंटेनेंस और रूट नेटवर्क से जुड़ी सारी तैयारियां करनी होंगी। यह पूरी प्रक्रिया आमतौर पर कई महीनों तक चलती है। इसी दौरान यह साफ होता है कि कोई एयरलाइन आर्थिक रूप से कितनी मजबूत है और उड़ान संचालन के लिए कितनी तैयार है।

घाटे में चल रही पा किस्तान की सरकारी एयरलाइन बिक गई

नई दिल्ली । पाकिस्तान की सरकारी एयरलाइन (पीआईए) को वहां के एक कारोबारी ने 134 अरब पाकिस्तानी रुपये (4300 करोड़ रुपये) में खरीद लिया है। एयरलाइन लंबे समय से घाटे में थी। आईएमएफ की शर्तों के तहत घाटे वाली सरकारी कंपनियों की बिक्री जरूरी थी। आने वाले समय में और भी सरकारी कंपनियां बेची जा सकती हैं। चालू वित्त वर्ष के पांच महीनों (जुलाई-नवंबर 2025) में पाकिस्तान का कुल कर्ज 3.032 अरब डॉलर तक पहुंच गया, जो पिछले साल इसी अवधि में 2.667 अरब डॉलर था। विदेशी कर्ज 46.2 फीसदी बढ़कर 2.521 अरब डॉलर हुआ, जबकि ग्रांट में 43 फीसदी गिरावट दर्ज की गई। नवंबर में विदेशी सहायता 511 मिलियन डॉलर रही। इस महीने आईएमएफ ने पाकिस्तान को 1.2 अरब डॉलर की नई किश्त मंजूर की, जिससे कुल आईएमएफ सहायता लगभग 3.3 अरब डॉलर होगी।

भारत की पारंपरिक चिकित्सा की रोशनी में विश्व-स्वास्थ्य

ललित गर्ग

आज जब वैश्विक आबादी का एक बड़ा हिस्सा, लगभग 4.6 अरब लोग, पर्याप्त स्वास्थ्य सेवाओं से वंचित हैं, तब भारत की पारंपरिक चिकित्सा प्रणालियाँ आशा की किरण बन सकती हैं। ये प्रणालियाँ न केवल रोगों के उपचार में सहायक हैं, बल्कि रोकथाम और स्वास्थ्य संवर्धन में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। संतुलित आहार, नियमित योगाभ्यास, प्राकृतिक औषधियों और मानसिक अनुशासन के माध्यम से अनेक बीमारियों को प्रारंभिक स्तर पर ही नियंत्रित किया जा सकता है।

आज की दुनिया गहन और बहुआयामी स्वास्थ्य संकटों से गुजर रही है। एक ओर जीवनशैली से जुड़ी बीमारियाँ, मानसिक तनाव, अवसाद, चिंता और असंतुलन तेजी से बढ़ रहे हैं, तो दूसरी ओर संक्रामक रोग, महामारी और पर्यावरणीय विषमताएँ मानव जीवन को निरंतर चुनौती दे रही हैं। इन परिस्थितियों के बीच यह स्पष्ट होता जा रहा है कि केवल आधुनिक एलोपैथिक चिकित्सा के सहारे वैश्विक स्वास्थ्य समस्याओं का संपूर्ण समाधान संभव नहीं है। यही कारण है कि विश्व समुदाय का ध्यान पुनः भारत की पारंपरिक चिकित्सा प्रणालियों की ओर आकर्षित हो रहा है, जिनमें आयुर्वेद, योग, यूनानी, सिद्ध, होम्योपैथी और प्राकृतिक चिकित्सा जैसी पद्धतियाँ शामिल हैं। जिन्हें ह्यआयुषह्ल के नाम से जाना जाता है; ये प्रणालियाँ समग्र स्वास्थ्य, प्राकृतिक उपचार और शरीर-मन संतुलन पर ध्यान केंद्रित करती हैं, जिनमें आयुर्वेद सबसे प्राचीन और सुव्यवस्थित प्रणालियों में से एक है, जो अपने दार्शनिक आधार और विविध उपचार विधियों के लिए प्रसिद्ध है। इन चिकित्सा प्रणालियों का आधार केवल रोग का उपचार नहीं, बल्कि शरीर, मन और आत्मा के समन्वय के माध्यम से संपूर्ण स्वास्थ्य की अवधारणा है।

आयुर्वेद शरीर के तीन दोषों (वात, पित्त, कफ) के संतुलन पर केंद्रित; आहार, जीवनशैली, जड़ी-बूटी और पंचकर्म (शुद्धिकरण) जैसी तकनीकों का उपयोग करती है। अष्टांग आयुर्वेद अर्थात कायचिकित्सा (आंतरिक चिकित्सा), शल्य (सर्जरी), कौमारभृत्य (बाल चिकित्सा), भूतविद्या (मनोविज्ञान), अगद तंत्र (विष विज्ञान), रसायन (जराचिकित्सा), वाजीकरण (प्रजनन) और शालक्य (नेत्र/कान/नाक) में विभाजित है। आयुर्वेद की ही भांति योग भी एक पारंपरिक चिकित्सा प्रणाली है जो शारीरिक आसन (आसन), प्राणायाम (सांस लेने के व्यायाम), ध्यान (मेडिटेशन) और नैतिक सिद्धांतों के माध्यम से मन-शरीर के समन्वय पर केंद्रित है। इसी तरह प्राकृतिक चिकित्सा में मिट्टी, पानी, धूप और आहार जैसी प्राकृतिक तरीकों से शरीर की स्व-उपचार क्षमता को बढ़ावा देती है। यूनानी चिकित्सा प्रणाली भी भारत में प्रचलित है, यूनान से आई यह प्रणाली शरीर के चार हमर (रक्त, बलगम, पीला पित्त, काला पित्त) के संतुलन पर जोर देती है और पर्यावरण के प्रभाव को मानती है। सिद्ध चिकित्सा प्रणाली मुख्यतः दक्षिण भारत में प्रचलित है, जिसमें जड़ी-बूटियों और धातुओं से बनी दवाओं का उपयोग और योग व ध्यान पर जोर दिया जाता है। सोवा-रिग्पा पहाड़ों की चिकित्सा प्रणाली है, हिमालयी क्षेत्रों (जैसे लद्दाख, सिक्किम) में प्रचलित है, जिसे ह्यतिब्बती चिकित्साह्ल के रूप में भी जाना जाता है। भारत सरकार का आयुष मंत्रालय राष्ट्रीय आयुष मिशन के माध्यम से इन प्रणालियों के विकास, अनुसंधान और मुख्यधारा की

स्वास्थ्य सेवा में एकीकरण को बढ़ावा देता है। ये प्रणालियाँ प्राचीन भारतीय ज्ञान पर आधारित हैं और अब वैश्विक स्वास्थ्य मंच पर भी अपनी पहचान बना रही हैं।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भारत की इन पारंपरिक चिकित्सा को वैश्विक मंच पर प्रतिष्ठा दिलाने में निर्णायक भूमिका निभाई है। उन्होंने इसे केवल सांस्कृतिक धरोहर के रूप में नहीं, बल्कि भविष्य की एक प्रभावी, सुलभ और टिकाऊ स्वास्थ्य व्यवस्था के रूप में प्रस्तुत किया है। उनके नेतृत्व में आयुष मंत्रालय की स्थापना, अंतरराष्ट्रीय योग दिवस की शुरूआत, विश्व स्वास्थ्य संगठन के साथ पारंपरिक चिकित्सा को लेकर साझेदारी और वैश्विक सम्मेलनों का आयोजन इस दिशा में ठोस कदम हैं। हाल ही में नई दिल्ली में पारंपरिक चिकित्सा पर दूसरा वैश्विक शिखर सम्मेलन इस बात का प्रमाण है कि भारत अब इस क्षेत्र में केवल सहभागी नहीं, बल्कि मार्गदर्शक की भूमिका निभा रहा है। प्रधानमंत्री की ओमान यात्रा के दौरान आयुष और हर्बल उत्पादों के निर्यात में हुई वृद्धि इस परिवर्तनशील परिदृश्य को स्पष्ट रूप से दशार्ती है। 61.1 मिलियन डॉलर से बढ़कर 65.1 मिलियन डॉलर तक पहुँचना केवल आर्थिक आँकड़ा नहीं है, बल्कि यह वैश्विक विश्वास का संकेत है। दुनिया के अनेक देश यह समझने लगे हैं कि भारत की पारंपरिक चिकित्सा प्रणालियाँ न केवल सस्ती और सुलभ हैं, बल्कि दीर्घकालिक स्वास्थ्य लाभ भी प्रदान करती हैं। यह तथ्य और भी महत्वपूर्ण हो जाता है जब विश्व की लगभग एक चौथाई आबादी आर्थिक कारणों से बुनियादी स्वास्थ्य सुविधाओं से वंचित है। ऐसे में पारंपरिक चिकित्सा एक व्यवहारिक विकल्प के रूप में उभरती है।

विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार आज भी दुनिया के लगभग 170 देशों में 40 से 90 प्रतिशत आबादी किसी-न-किसी रूप में पारंपरिक चिकित्सा का उपयोग करती है। यह आँकड़ा इस धारणा को तोड़ता है कि पारंपरिक चिकित्सा केवल विकासशील देशों तक सीमित है। वास्तव में विकसित देशों में भी योग, आयुर्वेदिक उपचार, हर्बल औषधियाँ और प्राकृतिक चिकित्सा के प्रति रुचि लगातार बढ़ रही है। इसका एक बड़ा कारण आधुनिक चिकित्सा से जुड़े दुष्प्रभाव, अत्यधिक दवाओं पर निर्भरता और महँगी उपचार प्रक्रियाएँ हैं। एलोपैथिक चिकित्सा ने जहाँ त्वरित राहत और शल्य चिकित्सा में अद्भुत प्रगति की है, वहीं इसके साथ दवाओं के साइड इफेक्ट, एंटीबायोटिक प्रतिरोध और दीर्घकालिक जटिलताएँ भी जुड़ी हैं। इसके विपरीत भारतीय पारंपरिक चिकित्सा रोग की जड़ तक पहुँचने का प्रयास करती है। आयुर्वेद शरीर की प्रकृति, दोषों के संतुलन और जीवनशैली के सुधार पर बल देता है। योग केवल शारीरिक व्यायाम नहीं, बल्कि मानसिक शांति, एकाग्रता और आत्मिक संतुलन का मार्ग है। इन पद्धतियों का उद्देश्य रोग को दबाना नहीं, बल्कि शरीर की स्वाभाविक उपचार क्षमता को जाग्रत करना है। यही कारण है कि इन्हें अपेक्षाकृत सुरक्षित, कम दुष्प्रभाव वाली और दीर्घकालिक स्वास्थ्य के लिए उपयोगी माना जाता है।

पारंपरिक चिकित्सा के दूसरे वैश्विक शिखर सम्मेलन में भारत ने इस दृष्टिकोण को प्रभावी ढंग से दुनिया के सामने रखा। ब्राजील, संयुक्त अरब अमीरात, मलेशिया, मेक्सिको, नेपाल, श्रीलंका सहित 16 देशों के साथ द्विपक्षीय बैठकों ने यह स्पष्ट कर दिया कि पारंपरिक चिकित्सा अब कूटनीति और वैश्विक सहयोग का भी एक सशक्त माध्यम बन चुकी है। इस अवसर पर प्रधानमंत्री मोदी द्वारा जारी किया गया ह्यआयुष मार्कह्ल एक ऐतिहासिक पहल है, जो आयुष उत्पादों और सेवाओं के लिए गुणवत्ता का वैश्विक मानक स्थापित करेगा। इससे न केवल उपभोक्ताओं का विश्वास बढ़ेगा, बल्कि भारतीय उत्पादों की अंतरराष्ट्रीय स्वीकार्यता भी मजबूत होगी। हालाँकि यह भी सत्य है कि पारंपरिक चिकित्सा के क्षेत्र में कुछ चुनौतियाँ मौजूद हैं। गुणवत्ता नियंत्रण, मानकीकरण, वैज्ञानिक शोध और प्रमाणिकता के प्रश्न लंबे समय से उठते रहे हैं। कई बार अप्रमाणित दावे और मिलावटी उत्पाद इस पूरी प्रणाली की विश्वसनीयता पर प्रश्नचिह्न लगा देते हैं। किंतु ह्यआयुष मार्कह्ल जैसी पहलों और वैज्ञानिक अनुसंधान को बढ़ावा देकर इन चुनौतियों से निपटा जा सकता है। आवश्यकता इस बात की है कि पारंपरिक ज्ञान और आधुनिक विज्ञान के बीच सेतु बनाया जाए, ताकि दोनों की श्रेष्ठताओं का समन्वय हो सके।

आज जब वैश्विक आबादी का एक बड़ा हिस्सा, लगभग 4.6 अरब लोग, पर्याप्त स्वास्थ्य सेवाओं से वंचित हैं, तब भारत की पारंपरिक चिकित्सा प्रणालियाँ आशा की किरण बन सकती हैं। ये प्रणालियाँ न केवल रोगों के उपचार में सहायक हैं, बल्कि रोकथाम और स्वास्थ्य संवर्धन में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। संतुलित आहार, नियमित योगाभ्यास, प्राकृतिक औषधियों और मानसिक अनुशासन के माध्यम से अनेक बीमारियों को प्रारंभिक स्तर पर ही नियंत्रित किया जा सकता है। इस संदर्भ में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का दृष्टिकोण दूरदर्शी कहा जा सकता है। उन्होंने पारंपरिक चिकित्सा को अतीत की विरासत के रूप में नहीं, बल्कि भविष्य की आवश्यकता के रूप में देखा है। वैश्विक मंचों पर भारत की इस चिकित्सा परंपरा को स्थापित करने के उनके प्रयास यह संकेत देते हैं कि आने वाले वर्षों में विश्व स्वास्थ्य व्यवस्था में भारत की भूमिका और भी सशक्त होगी। जब आधुनिक चिकित्सा की सीमाएँ स्पष्ट हो रही हैं और विश्व एक समग्र, सुलभ और मानवीय स्वास्थ्य मॉडल की तलाश में है, तब भारतीय पारंपरिक चिकित्सा न केवल भारत के लिए, बल्कि पूरी मानवता के लिए एक प्रभावी विकल्प के रूप में उभर रही है। यही इसकी सबसे बड़ी उपलब्धि और भविष्य की सबसे बड़ी संभावना है।

संपादकीय

बाजार के विस्तार की उम्मीदें पूरी नहीं हुई

जीएसटी कटौती से एफएमसीजी कंपनियों की बिक्री में अक्टूबर में हुई बढ़ोतरी नवंबर में गायब हो गई। बाजार का दीर्घकालिक रुझान भी जारी रहा है। एसयूवी की बिक्री खूब बढ़ी है, मगर छोटी कारों के मामले में मामूली बढ़ोतरी ही दर्ज हुई।

धूम-धड़ाके से बचत उत्सव मनाने के बाद अब बारी उसकी कीमत चुकाने की है। प्रधानमंत्री ने स्वतंत्रता दिवस को लाल किले से जीएसटी ढांचे में बदलाव का एलान किया था। नवरात्रि के साथ नई दरें लागू हुईं, तो यह धारणा बनाने की कोशिश हुई कि भारतीय बाजार में मांग एवं उपभोग की कमी से उपजी तमाम आर्थिक समस्याओं का अब हल निकल आएगा। यह समाधान कितना हुआ, यह अपने-आप में महत्त्वपूर्ण प्रश्न है। मगर एक सवाल राजकोष पर इसके असर का भी है, जिसकी ओर तब अनेक हलकों से ध्यान दिलाया गया था। अब मुद्दा सामने है। महाराष्ट्र के वित्त मंत्री अजित पवार ने कहा है कि कल्याण योजनाओं पर अधिक खर्च के कारण पहले से ही राजकोषीय दबाव में चल रही राज्य सरकार को जीएसटी दरों में कटौती से सालाना 15 हजार करोड़ रुपये का नुकसान होने जा रहा है। इसकी क्षतिपूर्ति के लिए राज्य सरकार उत्पाद शुल्कों में बदलाव पर विचार कर रही है। यानी जीएसटी में मिली राहत को उत्पाद शुल्क में वृद्धि से वापस लिया जाएगा। या फिर पहले से ही 9.32 लाख करोड़ रुपये के कर्ज बोझ तले दबी राज्य सरकार नए ऋण लेगी। कर्ज का गणित यह है कि उसका ब्याज चुकाना होता है और वह भी करदाताओं की जेब से ही आता है। कर्जदाता मोटी जेब वाली कंपनियां और लोग होते हैं, जबकि ज्यादा बोझ फटी जेब वालों पर पड़ता है।

अब अगर जीएसटी कटौती से हुए फायदों पर ध्यान दें, तो कुछ ताजा आंकड़े इसकी कहानी बता देते हैं। रोजमर्रा की जरूरत के सामान बनाने वाली (एफएमसीजी) कंपनियों की बिक्री दर में अक्टूबर में हुई बढ़ोतरी नवंबर में गायब हो गई। और अक्टूबर की कथा भी यह थी कि बिक्री में बढ़ोतरी बाजार के दीर्घकालिक रुझान के अनुरूप ही रही। मसलन, अक्टूबर- नवंबर के साझा आंकड़ों के मुताबिक कार बाजार में एसयूवी की बिक्री 17 फीसदी बढ़ी, लेकिन छोटी कारों के मामले में यह तीन प्रतिशत ही रही। यानी बाजार के विस्तार की उम्मीदें पूरी नहीं हुई हैं। लाभ धनी लोगों तक सीमित रहा, जबकि अब कीमत चुकाने का ज्यादा बोझ आम लोग उठाएंगे!

चिंतन-मनन

मुक्ति की तलाश

जापान में नानहेन नामक एक परम ज्ञानी फकीर थे। एक दिन एक व्यक्ति उनके पास पहुंचकर बोला, मैं संन्यास लेना चाहता हूं। इसके लिए मैंने अपने घर-परिवार, रिश्ते-नाते सब को तिलांजलि दे दी है। फकीर ने पूछा, क्या तुम बिल्कुल अकेले हो? तुम्हारे साथ वास्तव में कोई नहीं है। व्यक्ति बोला, आप मेरे आगे-पीछे देख लीजिए, आपको कोई नहीं मिलेगा। फकीर बोले, अपनी आंखें बंद करो। अंदर झांककर देखो कि वहां कोई और तो नहीं है? जाओ, कुछ देर के लिए वटवृक्ष की छाया में बैठकर सोचो। थोड़ी देर बाद आना।

वह व्यक्ति वटवृक्ष की छाया में बैठकर ध्यान करने लगा। जब उसने आंखें बंद कीं तो उसे अपने वृद्ध माता-पिता, पत्नी और बच्चों की छवि नजर आने लगी। वह चिंतित हो गया। घबराकर उसने अपनी आंखें खोलीं तो फकीर को अपने पास खड़ा पाया। व्यक्ति ने कहा, मैं तो अपना परिवार, नाते-रिश्ते सब पीछे छोड़ आया था, लेकिन यहां पर आंखें बंद करते ही उनकी छवि सामने घूम रही है। इस पर फकीर बोले, ध्यानमग्न होकर उन व्यक्तियों को अपने दिमाग से निकालने का प्रयत्न करो। कुछ देर बाद मेरे पास आना। दो घंटे बाद युवक ने फकीर का दरवाजा खटखटाया तो फकीर बोले, कौन है? युवक बोला, मैं हूं। फकीर ने कहा, अभी भी तुम अकेले नहीं हो। तुम्हारा मैं तुम्हारे साथ है। अगर तुम इस मैं और भीड़ को छोड़ सको तो फिर यहां आने की जरूरत ही नहीं रह जाएगी। तुम मैं से मुक्ति पा लो तो फिर संन्यास लेने का भी कोई अर्थ नहीं रह जाएगा। व्यक्ति ने फकीर की बात समझ ली।

वीर बालकों की शहादत को सच्ची श्रद्धांजलि है 'वीर बाल दिवस'

योगेश कुमार गोयल

26 दिसम्बर को गुरु गोबिंद सिंह जी के चार छोटे साहिबजादों के बलिदान की याद में 'वीर बाल दिवस' मनाया जाता है। इन वीर बालकों ने छोटी उम्र में ही अपने धर्म के लिए अपनी जान न्यौछावर कर दी थी। वीर बाल दिवस वही दिन है, जब साहिबजादों 9 वर्षीय जोरावर सिंह और 6 वर्षीय फतेह सिंह को मुगलों द्वारा दीवार में जिंदा चुनवा दिया गया था। गुरु गोबिंद सिंह के चारों साहिबजादों ने अन्याय के आगे सिर झुकाने के बजाय अपने देश, अपने धर्म की रक्षा के लिए हंसते-हंसते अपना बलिदान कर अपनी वीरता और अपने आदर्शों से ऐसे उदाहरण प्रस्तुत किए, जो हर किसी के लिए अनुकरणीय हैं।

गुरु गोबिंद सिंह और उनका पूरा परिवार सिख धर्म का प्रतीक था, जिनका एक ही प्रण था कि चाहे कुछ भी हो जाए, वे लोगों को धर्म परिवर्तन नहीं करने देंगे और मुगलों के खिलाफ एकता से लड़ेंगे। इसीलिए मुगलों द्वारा उनके परिवार को धर्म परिवर्तन करने के लिए अनेक कष्ट दिए गए। उनके दो बड़े बेटों अजीत सिंह और जुझार सिंह को उनके सामने ही मार डाला गया और दो छोटे बेटों जोरावर सिंह और फतेह सिंह को जिंदा दीवार में चुनवा दिया गया लेकिन गुरु गोबिंद सिंह ने सिख धर्म छोड़कर मुगल बनना कभी स्वीकार नहीं किया।

मुगल सेना द्वारा अचानक आक्रमण किए जाने पर गुरु गोबिंद सिंह को पूरे परिवार के साथ 20 दिसम्बर 1704 को कड़कड़ाती ठंड में आनंदपुर साहिब किला छोड़ना पड़ा था। किले को छोड़कर जब वे सरसा नदी को पार कर रहे थे तो नदी में पानी के तेज बहाव के कारण उनके परिवार के सदस्य एक-दूसरे से बिछुड़ गए। उनके दोनों बड़े बेटे अजीत सिंह और जुझार सिंह उनके साथ चमकौर पहुंच गए जबकि माता गुजरी तथा दोनों छोटे बेटे जोरावर सिंह और फतेह सिंह अलग हो गए, जिनके साथ गुरु गोबिंद सिंह का निजी सेवक गंगू था। गंगू माता गुजरी और दोनों साहिबजादों को उनके परिवार से मिलाने का भरोसा देकर अपने गांव सहेड़ी ले गया और चंद सोने की मोहरों के लालच में इसकी खबर सरहिंद के नवाब वजीर खान को कर दी, जिसके बाद माता गुजरी और दोनों साहिबजादों को मुगलों द्वारा गिरफ्तार कर लिया।

साहिबजादों को वजीर खान के समक्ष पेश किया गया तो उसने उन्हें सिर झुकाकर खड़ा होने और इस्लाम धर्म अपनाने को कहा लेकिन इतने छोटे होकर भी दोनों ने सिर झुकाने और इस्लाम धर्म अपनाने से इन्कार करते हुए कहा कि हम अकाल पुरख और अपने गुरु पिता के अलावा किसी और के समक्ष सिर नहीं झुकाते। वजीर खां ने दोनों बच्चों को काफी ललचाया, डराया, धमकाया लेकिन वे टस से मस नहीं हुए। आखिरकार क्रूर वजीर खान ने दोनों को दीवार में जिंदा चुनवाने का आदेश दे डाला। जब उन्हें दीवार में चुना जाने लगा तो दोनों साहिबजादे जपुजी साहिब का पाठ करने लगे। 26 दिसम्बर 1705 को फतेह सिंह और जोरावर सिंह को दीवार में जिंदा चुनवा दिया गया और इस प्रकार दोनों साहिबजादों ने अपने धर्म की खातिर हंसते-हंसते अपने प्राणों की आहुति दे दी। दोनों इतने वीर थे कि दीवार पूरी बन जाने के बाद भी अंदर से इनके जयकारा लगाने की आवाजें आती रही।

कहा जाता है कि माता गुजरी को भी सरहिंद के किले से धक्का देकर मार डाला गया था। गुरु गोबिंद सिंह को जब इस घटनाक्रम के बारे में पता चला तो उन्होंने अपनी माता और छोटे साहिबजादों की शहादत से दुखी होने और मुगलों के अत्याचारों के समक्ष घुटने टेकने के बजाय औरंगजेब को एक जफरनामा (विजय पत्र) लिखा, जिसमें उन्होंने औरंगजेब को स्पष्ट चेतावनी दी कि तुम्हारे साम्राज्य को समाप्त करने के लिए खालसा पंथ तैयार हो चुका है। गुरु गोबिंद सिंह के सबसे बड़े

बेटे थे अजीत सिंह, जिन्होंने चमकौर के युद्ध में केवल 17 साल की आयु में ही मुगल फौज के छक्के छुड़ा दिए थे। तीर खत्म होने पर उन्होंने तलवार निकालकर दुश्मनों से युद्ध किया लेकिन युद्ध के दौरान तलवार टूट जाने पर वे वीरगति को प्राप्त हुए। उनकी शहादत के बाद गुरु जी के दूसरे बेटे जुझार सिंह ने रणभूमि में मोर्चा संभाला और अद्भुत वीरता का प्रदर्शन करते हुए वीरगति को प्राप्त हुए। खेलने-कूदने की छोटी सी उम्र में गुरु गोबिंद सिंह के साहिबजादों का बलिदान आज की युवा पीढ़ी को अपने देश और धर्म से प्रेम करने और इनकी रक्षा के लिए कुछ भी कर गुजरने को तत्पर रहने का संदेश देता है।

हिजाब विवाद : क्रिया से खतरनाक प्रतिक्रिया

निर्मल रानी

देश में पिछले दिनों उस समय हिजाब को लेकर फिर एक बहस छिड़ गयी जबकि बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने गत 15 दिसंबर को पटना में एक सरकारी कार्यक्रम में नव नियुक्त आयुष डॉक्टरों को नियुक्ति पत्र वितरित करते समय एक मुस्लिम महिला डॉक्टर नुसरत परवीन जोकि चेहरा ढंकने वाला हिजाब पहने हुई थीं, का हिजाब सार्वजनिक मंच से उसके चेहरे से खींच कर उतारने की कोशिश की। उस समय डॉक्टर नुसरत परवीन स्टेज पर मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के हाथों नियुक्ति पत्र ग्रहण करने हेतु आमंत्रित की गयी थी। इस घटना ने वहां मौजूद सभी लोगों को स्तब्ध कर दिया। इस घटना से संबंधित वायरल वीडीओ में देखा जा सकता है कि घटना के समय जहाँ डॉक्टर नुसरत असहज दिखीं वहीं उसी मंच पर मौजूद बिहार के उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी भी न केवल घटना से हतप्रभ नजर आये बल्कि उन्होंने नीतीश की ओर हाथ बढ़ाते हुये उन्हें हिजाब खींचने से रोकने की कोशिश भी की। जबकि उसी मंच पर मौजूद कुछ लोग हंसते हुये भी दिखायी दिये। इस घटना से एक बात तो साबित हो ही गयी कि नितीश कुमार जैसे अनुभवी राजनेता लगभग 75 वर्ष की आयु तक पहुँचने के बाद अपना मानसिक संतुलन खो चुके हैं। इसी वजह से वे पहले भी महिलाओं को लेकर की गयी एक अत्यंत अभद्र टिप्पणी के लिये आलोचना का पात्र बन चुके हैं। कभी सार्वजनिक मंचों पर उनकी बेतुकी बातें व उनकी असामान्य हरकतें भी यही संकेत देती कि अब वे उम्र के उस पड़ाव पर पहुंच चुके हैं जहां उन्हें सार्वजनिक सक्रिय राजनैतिक जीवन से सन्यास ले लेना चाहिये।

परन्तु इस घटना के बाद जिस तरह से इसे परिभाषित करने की कोशिश की गयी वह और भी हैरान करने वाली बात थी। हिजाब खींचने की बहस को नितीश कुमार की मनोदशा से जोड़कर देखने के बजाये हिजाब धारण करने न करने को लेकर ही बहस छिड़ गयी। इस्लाम व मुस्लिम विरोध की राजनीति पर अपनी दुकानें चलाने वाले कुछ नेता तो बेशर्मी की सभी हदें पार करते हुये नितीश कुमार के बचाव में उतर आये। कांग्रेस,आर जे डी व अन्य कई विपक्षी दलों ने इसे महिलाओं और मुस्लिम समुदाय का अपमान बताया। किसी ने नितीश से मुआफी की मांग की तो किसी ने इस्तीफा माँगा। जबकि कुछ ने नीतीश की मानसिक स्थिति पर भी सवाल उठाए। परन्तु इस विषय पर सबसे घटिया,ओछी अपमानजनक प्रतिक्रिया देने वाले दो नेता ऐसे भी हैं जो केंद्र व उत्तर प्रदेश सरकार के मंत्री जैसे संवैधानिक पदों पर बैठकर इस मुद्दे पर जहर उगल रहे हैं तथा अपनी अशिष्ट शब्दावली से देश की संवैधानिक मयार्दाओं का मजाक उड़ा रहे हैं। इनमें नितीश कुमार के हिजाब विवाद पर अपनी पहली प्रतिक्रिया संसद भवन में देने वाले केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने नीतीश कुमार का खुलकर बचाव करते हुये कहा कि नितीश ने कुछ भी गलत नहीं किया है। नियुक्ति पत्र लेने आए व्यक्ति को चेहरा दिखाना चाहिए। क्या भारत कोई इस्लामिक देश है? एयरपोर्ट, पासपोर्ट या वोटिंग के समय चेहरा दिखाना पड़ता है, तो यहां क्यों नहीं? जब उनसे सवाल किया गया कि खबर है कि महिला डॉक्टर नुसरत परवीन के नौकरी छोड़ने की खबर है इस पर गिरिराज सिंह गुस्से में यह कहते सुनाई दिये कि नौकरी करे या जहन्नुम में जाए। उनका यह बयान सबसे ज्यादा विवादित रहा और इसे सांप्रदायिक व अपमानजनक बयान के रूप में देखा गया।

ऐसा ही निम्नस्तरीय बयान उत्तर प्रदेश सरकार में मत्स्य पालन मंत्री संजय निषाद द्वारा दिया गया। उन्होंने भी नीतीश कुमार का समर्थन करते हुये कहा कि अरे वो भी तो आदमी हैं न... नकाब छू दिया तो इतना बवाल? कहीं और छू देते तो क्या हो जाता? संजय निषाद के इस बयान को भी महिला गरिमा को आहत करने की नजरों से देखा गया। जे डी यू के नेता व बिहार के अल्पसंख्यक मंत्री जमा खान ने नितीश के प्रति अपनी वफादारी का सुबूत देते हुये यह कहा कि यह पिता जैसा स्नेह था। तो कुछ मुस्लिम व महिला संगठनों द्वारा इस मामले में एफ आई आर दर्ज कराने व कई जगह नितीश के विरुद्ध प्रदर्शन करने व उनका पुतला जलाने की भी खबरें हैं। परन्तु सबसे बड़ी चिंता का विषय तो यही है कि इस घटना को लेकर नितीश के मानसिक स्वास्थ पर चर्चा होने के बजाये जिसतरह हिजाब पर ही बहस छेड़ दी गयी और वह भी अपने कुतर्कों के द्वारा, इससे यह साबित होता है कि साम्प्रदायिकता की राजनीति करने वाले मुस्लिम विरोध या इस्लामी प्रतीकों के विरोध का कोई भी अवसर गंवाना नहीं चाहते। अन्यथा किसी केंद्रीय मंत्री के इस बेहूदे कुतर्क का क्या अर्थ कि एयरपोर्ट, पासपोर्ट या वोटिंग के समय चेहरा दिखाना पड़ता है, तो यहां क्यों नहीं? संविधान की शपथ लेने वाले इस केंद्रीय मंत्री गिरिराज को पता नहीं कि एयरपोर्ट, पासपोर्ट या वोटिंग के समय महिला सुरक्षा कर्मियों द्वारा किसी महिला की स्वेच्छा से उसके अपने हाथों से हिजाब या पर्दा हटाने को कहा जाता है न कि नितीश कुमार की तरह बदतमीजी से किसी के चेहरे से हिजाब खींचा जाता है? ऊपर से पीड़िता को ही यह कहना कि वह नौकरी करे या जहन्नुम में जाए, इस तरह की शब्दावली देश का एक केंद्रीय मंत्री इस्तेमाल कर रहा है?

बुर्का पर्दा या हिजाब को लेकर खुद विश्व मुस्लिम जगत में ही बड़ा घमासान है। दुनिया के कई अलग अलग इस्लामी देश अलग अलग तरह के परदे या हिजाब की पैरवी करते रहे हैं। जबकि विश्व का एक बड़ा उदारवादी व प्रगतिशील वर्ग ऐसा भी है जो इस तरह की बंदिशों को गैर जरूरी समझता है। कोई इसे इस्लामिक व शरिया से जुड़ी व्यवस्था बताता है तो कोई इसे सामाजिक या भौगोलिक जरूरतों का हिस्सा बताता है। कई महिलायें स्वयं इसका विरोध करती हैं तो कई इसे अपनी इस्मत से जोड़कर देखती हैं। परन्तु यहाँ बहस इन विषयों पर नहीं होनी चाहिये बल्कि बहस का विषय नितीश कुमार द्वारा हिजाब को लेकर की गयी उनकी अभद्र क्रिया होनी चाहिये। और इस क्रिया से भी खतरनाक उन प्रतिक्रियाओं पर चर्चा होनी चाहिये जोकि उच्च संवैधानिक पदों पर बैठे मंत्री स्तर के लोगों द्वारा व्यक्त की गयी हैं।

अब नेल्स पर सजाएं जूलरी

अब से कुछ समय पहले तक लड़कियों के बीच नेल आर्ट बहुत पॉप्युलर था लेकिन अब उसकी जगह नेल जूलरी ने ली है. शादियों के इस मौसम में आप नेल जूलरी पहनकर सबसे अलग दिख सकती है.

क्या है नेल जूलरी ?

नेल जूलरी से आप अपने साधारण से दिखने वाले नाखूनों को अट्रैक्टिव बना सकती है. यह पूरी प्रक्रिया कम्प्यूटराइज्ड है, जिनमें नेल्स की ग्रोथ और शेप को ध्यान में रखकर ही इन्हें तैयार किया जाता है. इसके लिए कई तरह की जूलरी बाजार में आ रही है. इसलिए आप अपनी पसंद की जूलरी खरीदकर नाखून सवार सकता है. इसके लियो कॉपर, सिल्वर, गोल्ड, प्रीशस व सेमी प्रीशस स्टोन स्वारोवस्की और डायमंड का इस्तेमाल किया जाता है. अगर नाखूनों को कैजुअल ड्रेस के मुताबिक सजाना है तो आपके लिये मल्टी कलर स्टोन के ऑप्शन पर जाना बेहतर होगा. ये स्टोन्स आपकी हर तरह की ड्रेस से मैच हो जाएगें. अगर नेल्स को किसी खास फंक्शन के लिये डिजाइन करवा रहे हैं तो अपनी ड्रेस में इस्तेमाल होने वाले वर्क को भी आप इपने नेल्स पर डिजाइन करवा सकती हैं.

रिंग सेरेमनी के लिये नेल जूलरी डिजाइन करवाना चाहें, तो नाखूनों को रिंग से मैच करती जूलरी से सजाया जा सकता है. जिनके नाखून छोटे हैं, वे सिंथेटिक और एक्रेलिक नाखूनों से अपने नाखून बढ़वा भी सकती है. जूलरी लगाने से पहले ग्लिटर लगाकर इनकी खूबसूरती को बढ़ाया जा सकता है. ब्यूटी एक्सपर्ट भारती तनेजा बताती है, जूलरी डिजाइन करने के लिये किसी भी तरह की जूलरी का इस्तेमाल कर सकते है. लेकिन नाखून को खास फोकस करने के लिए डैंग्लर्स (लटकी हुई) जूलरी ज्यादा अच्छी लगती है.

कैरी करना आसान

इसे करवाने से पहले नाखूनों की बनावट पर ध्यान दिया जाता है. मेकअप और हेयर स्टाइलिस्ट आश्मीन कहती है कि नेल हार्ड हैं, तो सीधे नेल जूलरी की जा सकती है. लेकिन अगर सॉफ्ट हैं. तो पहले नेल को हार्ड किया जाता है उसके बाद उस पर जूलरी फिल की जाती है. नेल्स आर्डिफिशल हों, तो नाखून ज्यादा उभरकर आते है. इसके ऊपर नेल लगा दिया जाता है. जूलरी लगाने का तरीका सबसे पहले नाखूनों तो थीम के मुताबिक पेंट किया जाता है. उसके बाद नाखून के जिस हिस्से पर जूलरी लगानी है, वहां ड्रिलिंग की जाती है. जूलरी के साइज के मुताबिक ड्रिल किया जाता है. और फिर उस जगह पर जूलरी को फिल कर दिया जाता है. भारती कहती है इसमें ड्रीलिंग करने की सही तकनीक आनी बेहद जरूरी है, वरना जूलरी लंबे समय तक नहीं टिकेगी.

इसमें जिस जगह पर ड्रिलिंग की जाती हैं. वहां स्टोन को सीलर की मदद से चिपका दिया जाता हैं. इसमें स्पेशल गोल्डन तारों का इस्तेमाल किया जाता है.

बजट में समाए

नेल जूलरी करवाते समय आप अपने बजट के मुताबिक जैसा स्टोन चाहे इस्तेमाल कर सकती है. इन दिनों रूबी, नीलम, पन्ना आदि खूब ड्रेड में है.

जिंदादिली से जिए

- खुद पर यकीन करना सीखें। कभी भी इन भावनाओं को मन में न आने दें कि कोई काम ठीक से नहीं होता या मैं अकेली हूं और कैसे इतने कामों को पूरा कर पाऊंगी।
- अकेली हैं, इसलिए कामों को आधाअधूरा कर दूसरों को अपनी आलोचना करने का मौका न दें। इस से आप का आत्मबल टूटेगा।
- टाइम मैनजमेंट के अनुसार अपने निर्धारित कार्यों को समय पर पूरा कर अपनी लेटलतीफी या थकेली वाली इमेज को बदल लें।
- जहां तक हो सके अपने सारे काम खुद करें। आत्मनिर्भर बनें। इस से आप में आत्मविश्वास बना रहेगा और आप स्वावलंबी बनेंगी।

खरीदारी के समय सावधानी बरतें

- अगर पैकेट फूला हुआ है तो इसका अर्थ है कि इसमें पैक की हुई सामग्री सुरक्षित तापमान पर न रखने के कारण खराब हो रही है। मगर आजकल नाइट्रोजन से भरे चिप्स के पैकेट बाजार में मिल रहे हैं, जो सुरक्षित है।
- फूले हुए या चिपके हुए पैकेटों की डब्बाबंद चीजें नहीं खरीदनी चाहिए क्योंकि इसमें छोटे सूराख होने की संभावना होती है, जिससे जीवाणु घुस कर खाद्यपदार्थ को खराब कर देते हैं।
- जब भी डेयरी उत्पाद जैसे दूध, दही, चीज, पनीर और मक्खन खरीदें तो परख लें कि वह ठंडे तापक्रम यानी फ्रिज में रखा हुआ है या नहीं।
- फ्रीजर में रखी हुई चीजें जैसे कटी हुई सब्जियां, पनीर, या मांस के पैकेटों में यदि बर्फ के ढेले बने हुए हों तो इस का अर्थ है कि इसे पिघलने के बाद फिर से फ्रीजर में रखा गया है। यह पानी खाद्यपदार्थ के अंदर से आता है इससे उत्पाद की गुणवत्ता में फर्क आता है।
- पैकेट फटा हुआ हो या सील ठीक से न लगी हो तो खाद्यपदार्थ के गुणों में कमी आती है।
- डब्बाबंद जूस, मसाले, सौफ्ट ड्रिंक्स वगैरह का उपयोग करने का समय खत्म होने वाला हो तो उन्हें न खरीदें।

ठीक से परख करें

- ट्रांसपेरेंट प्लास्टिक के पैकेट में पैक किए हुए सामान्य में फफूंद की जांच करना आसान होता है। उस में हरे रंग की फफूंद आसानी से देखी जा सकती है।
- बेक किए हुए उत्पाद जैसे बिस्कुट, रस्क में चूरे की मात्रा और फफूंद की जांच करनी चाहिए।
- उन्हीं पैक की हुई चीजों को खरीदें जिन पर उन के सही भंडारण का तरीका और उपयोग में लाई गई सामग्री भार के अनुसार ज्यादा से कम के क्रम में लिखी हो।
- प्रत्येक पैकेट पर निर्माता और पैक करने वाली कंपनी का पता लिखा होना चाहिए।
- उत्पाद के शाकाहारी या मांसाहारी होने का उल्लेख पैकेट पर जरूर होना चाहिए।

सावधानी रखें

- जल्द खराब होने वाली खानेवाली की चीजें, जितनी जरूरत हो उतनी ही खरीदें।

शीत ऋतु में....

शीत ऋतु में शीत से बचकर रहने के लिए आपको विशेष सावधानी बरतनी चाहिए। सीत से बचाव बहुत जरूरी है। इन दिनों त्वचा में खुश्की आ जाना आम बात हैं। इन कोहरे व ठंड में जब भी घर से निकलें, मॉइश्चराइजर का प्रयोग अवश्य करें ताकि त्वचा में खुश्की न रहे। इस ऋतु में खान-पान का भी ध्यान रखकर स्वास्थ्य व सौंदर्य को बरकरार रखा जा सकता है।

- पर्याप्त पानी का सेवन करें।
- सर्दी का असर होने पर गुनगुने पानी का सेवन लाभकारी है।
- नाभि पर सरसों का तेल प्रतिदिन लगाने से खुश्की से बचा जा सकता है। होंठ भी नहीं फटेंगे।
- होंठों का सौंदर्य बनाए रखने के लिए दूध की मलाई का प्रयोग कर सकते हैं।
- इन दिनों ब्याह-शादी में कोल्ड ड्रिंक्स व आईसक्रीम का चलन आम है, इनके सेवन में सावधानी बरतें।
- दिन में सोने की अनदेखी करें।
- शरीर पर सप्ताह में एक बार तेल मालिश जरूर करें।
- प्रात: कालीन भ्रमण के समय पैरों में जूते पहने व सिर जरूर ढंक कर रखें।
- सांस के रोगी सर्दी में घूमने से बचें।
- नहाने में गुनगुने पानी का प्रयोग करें तो ज्यादा अच्छा रहेगा।
- यदि आपके कमरे में घूप न आती हो तो सप्ताह में एक-दो बार गर्म कपड़ों (रजाई-गद्दों) को धुप में रखते रहें।
- खानपान का ध्यान रखें।
- गैर-मौसमी खान-पान की अनदेखी करें।
- ड्राईफ्रट्स का सेवन लाभकारी है।
- गाजर और टमाटर का भरपूर सेवन स्वास्थ्य व सौंदर्य में वृद्धि करेगा।

मिर्ची-कचोरी चाट

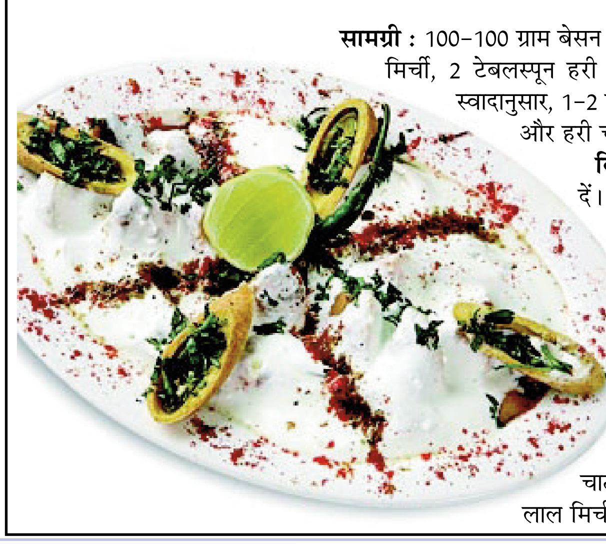

सामग्री : 100-100 ग्राम बेसन और चने की दाल, चुटकीभर सोडा, 12 बड़ी मिर्ची, 2 टेबलस्पून हरी धनिया, पुदीना, हरी मिर्च का पेस्ट, नमक स्वादानुसार, 1-2 टीस्पून लाल मिर्च पाउडर, चाट मसाला, मीठी और हरी चटनी, थोड़ा-सा दही।

विधि : चने की दाल को घंटे भर के लिए भिगों दें। फिर मिक्सर में पीसकर नमक व हरी मिर्च मिलाकर इसकी कचोरी बना लें। इसे धीमी आंच पर अधपका तलें। फिर दोबारा तेज आंच पर तलें। मिर्ची को बेसन के घोल में डुबोकर अधपका तलकर निकाल लें। फिर दोबारा तेज आंच पर तल लें। मिर्ची के तीन टुरड़े कर लें, प्रत्येक कचोरी के दो टुकड़े कर लें। प्लेट में कचोरी और मिर्ची को सजाकर मीठी चटनी, हरी चटनी और चाट मसाला डालें। फिर ऊपर से दही, हरी धनिया, लाल मिर्च पाउडर और चाट मसाला डालकर सर्व करें।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ)
जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। शुभ कार्यों की प्रवृत्ति बनेगी और शुभ समाचार भी मिलेंगे। लाभकारी गतिविधियों में सक्रियता रहेगी। कुछ एकाग्रता की प्रवृत्ति बनेगी। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। योग्यताएं सम्मान दिलायेगी। शुभांक-3-5-7

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो)
श्रेष्ठजनों की सहानुभूतियां होगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। परिवारजन का सहयोग व समन्वय काम को बनाना आसान करेगा। अपना काम दूसरों के सहयोग से पूरा होगा। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। विद्यार्थियों को लाभ। शुभांक-3-5-6

मिथुन (का की कू घ ड छ के को हा)
समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। महत्त्वपूर्ण कार्यों को आज ही निबटा लें उसके बाद समय व्ययकारी सिद्ध होगा। शुभांक-2-4-6

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो)
परिवारजन का सहयोग व समन्वय काम को बनाना आसान करेगा। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूतियां होगी। संतान की उन्नति के योग हैं। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। शुभांक-3-6-7

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे)
जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। धार्मिक कार्य में समय और धन व्यय होगा। हित के काम में आ रही बाधा मध्याह्न पश्चात् दूर हो जाएगी। अपने काम आसानी से बनते चले जाएंगे। संतान पक्ष की समस्या समाप्त होगी। महत्त्वपूर्ण निर्णय के लिए दूरदर्शिता से काम लें। स्वास्थ्य नरम होगा। शुभांक-3-6-8

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो)
व्यापार में वृद्धि होगी। यश-प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। स्वास्थ्य की ओर विशेष ध्यान रहें। नौकरी में सहयोगियों का सहयोग प्राप्त होगा। शत्रुपक्ष पर आप हावी रहेंगे। पारिवारिक परेशानी बढ़ेगी। कुछ प्रतिकूल गोचर का क्षोभ दिन-भर रहेगा। पुराने मित्र से मिलन होगा। शुभांक-6-7-8

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते)
पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। खान-पान में सावधानी रखें। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। माता पक्ष से विशेष लाभ होगा। रुपए पैसों की सुविधा नहीं मिल पाएगी। धार्मिक कार्य में समय और धन व्यय होगा। शुभांक-1-4-6

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू)
महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। सफलता मिलेगी। पुराने मित्र के कारण कार्य बाधा हटेगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। अर्थपक्ष मजबूत रहेगा। नौकरी में सावधानीपूर्वक कार्य करें। कर्ज देने से बचें। शुभांक-4-7-9

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे)
स्वास्थ्य का पाया कमजोर बना रहेगा। यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। नवीन जिम्मेदारी बढ़ने के आसार रहेंगे। यात्रा शुभ रहेगी। एकाकी वृत्ति त्यागें। शुभांक-5-7-9

मकर (भे जा जी खी खू खे खो गा गी)
अपने काम को प्राथमिकता से करें। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध हो रहे हैं। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। सभा-गोष्ठियों में मान-सम्मान बढ़ेगा। अर्थपक्ष मजबूत रहेगा। आध्यात्मिक रुचि बनेगी। धार्मिक यात्रा का योग। शुभांक-4-7-9

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा)
कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। यार दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। किसी कार्य विशेष के लिए यात्रा आवश्यक होगी। शुभांक-4-6-9

मीन (दी दू थ झ ज दे दो चा ची)
शंकाओं के कारण मनस्ताप भी पैदा हो सकते हैं। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। आलस्य का त्याग करें। काम पर पैनी नजर रखिए। सब्र का फल मीठा होता है अत:धैर्य रखें व अच्छे समय इन्तजार करें। वैचारिक द्वन्द्व और असंतोष बना रहेगा। आध्यात्मिक रुचि बनेगी। शुभांक-2-5-7

काकुरो पहेली - 1938

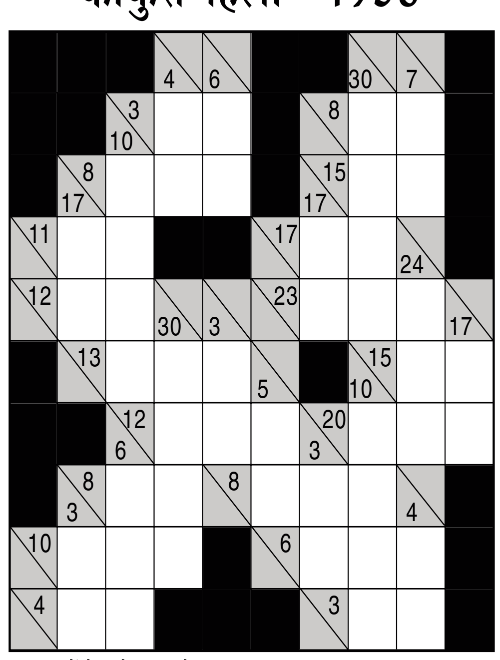

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए.किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणत:

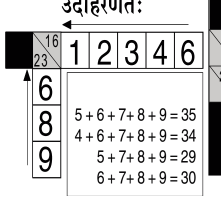

5+6+7+8+9=35
4+6+7+8+9=34
5+7+8+9=29
6+7+8+9=30

काकुरो - 1937 का हल

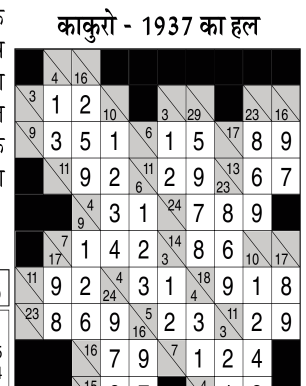

लॉफिंग ज़ोन

प्रेमिका : मेरे होंठ गुलाब की पंखुड़ी जैसे हैं ना।
प्रेमी : हाँ।
प्रेमिका : मेरी आँखें कमल के फूल जैसी हैं ना?
प्रेमी : हाँ।
प्रेमिका : मेरी आवाज कोयल जैसी है ना?
प्रेमी : हाँ।
प्रेमिका : मेरी चाल मोरनी जैसी है ना?
प्रेमी : हाँ।
प्रेमिका : ओह! तुम कितनी अच्छी बातें करते हो।

एक दिलफेंक आशिक ने एक युवती को पकड़ा और सरेआम किस कर दिया।
युवती बोली- तुमने ये क्या किया?
युवक- तो इसे कहते हैं डायरेक्ट मार्केटिंग।
युवती ने युवक का कॉलर जोर से पकड़ा और खींचकर एक जोर का चाँटा रसीद कर दिया।
युवक- अब ये क्या था?
युवती- इसे कहते हैं कस्टमर फीडबैक।

फिल्म वर्ग पहेली- 1938

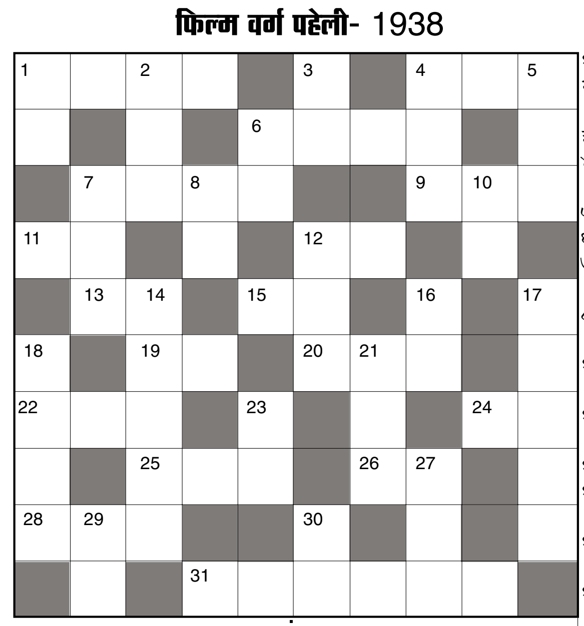

बायें से दायें:-

१. अमिताभ, सलमान, हेमा, महिमा की फिल्म-४
४. बी.आर. चोपड़ा की फिल्म 'निकाह' की नायिका कौन थी-३
६. अशोककुमार, संजीवकुमार, सुमिता सान्याल की फिल्म-४
७. फिल्म 'चाँद का टुकड़ा' में श्रीदेवी के साथ नायक कौन था-४
९. अयूब खान, आयशा जुल्का की 'ओ सरफि री ओ' गीत वाली फिल्म-३
११. 'अंख लड़ती है तो लड़ने दे' गीत वाली संजयदत्त, मनीषा रवीना की फिल्म-२
१२. अर्जुन रामपाल, जायेदखान, अमीषा की 'मैं इश्क उसका' गीत वाली फिल्म-२
१३. 'बड़े नाजुक दौर से' गीत वाली अभिषेक, भूमिका चावला की फिल्म-२
१५. जॉन अब्राहम, उदिता गोस्वामी की 'अपनी चाहतों पे' गीत वाली फिल्म-२
१९. 'एरी रे एरी क्या है पहेली' गीत वाली ऋतिक, जैकी, करीना की फिल्म-२
२०. अक्षय, सुनील शेट्टी, करिश्मा, सोनाली की 'तेरा ये देख के' गीत वाली फिल्म-३
२२. फिल्म 'पूरब और पश्चिम' का निर्माता निर्देशक, नायक कौन था-३
२४. सुनीलदत्त, वहीदा, आशा पारेख की 'इतना ना मुझसे तू प्यार बढ़ा' गीत वाली फिल्म-२
२५. 'चप्पा चप्पा चरखा' गीत वाली चंद्रचूड़सिंह, अरशद वारसी, रवि गोसाई, तब्बू की फिल्म-३
२६. 'मिलती है जिंदगी में' गीत वाली फिल्म 'आँखें' में धर्मेन्द्र के साथ नायिका कौन थी-२
२८. फिल्म 'राजाजी' में गोविंदा के साथ नायिका कौन थी-३
३१. अमिताभ, शशि, स्मिता की 'आज रपट जायें तो' गीत वाली फिल्म-३,३

ऊपर से नीचे:-

१. संजयदत्त, इंद्रकुमार, मनीषा की फिल्म-२
२. बॉबी देओल, रानी की 'मिलने से डरता है दिल' गीत वाली फिल्म-३
३. 'गुड मार्निंग इंडिया' गीत वाली फिल्म-२
४. कमल हासन, श्रीदेवी की 'ऐ जिंदगी गले गला ले' गीत वाली फिल्म-३
५. राजेश खन्ना, शर्मिला टैगोर की फिल्म-३
६. 'दिल में छुपा के प्यार का' गीतवाली फिल्म-२
७. 'जो तुमको हो पसंद' गीत वाली राजेश खन्ना, शर्मिला टैगोर की फिल्म-३
८. देव आनंद, माला सिन्हा की 'जारे जारे उड़ जारे पंछी' गीत वाली फिल्म-२
१०. 'भैया मेरे पापा को' गीत वाली मनोज बाजपेयी, रवीना टंडन की फिल्म-२
१२. अजय, मास्टर सत्यजीत, अलका की 'एक तेरा साथ हमको' गीत वाली फिल्म-३
१४. 'चोरों को सारे नजर' गीत वाली फिल्म-२,३
१६. नाना, अजय, फरदीन, रेखा, उर्मिला की 'ये सर्द आहें मेरी' गीत वाली फिल्म-२
१७. 'आज उनसे पहली मुलाकात होगी' गीत वाली राकेश रोशन, हेमा की फिल्म-३,२
१८. राकेश रोशन, जयाप्रदा की 'तुम संग प्रीत लगाई सजना' गीत वाली फिल्म-४
२१. 'तुम्हे जिंदगी के उजाले मुबारक' गीत वाली धर्मेन्द्र, मीना कुमारी की फिल्म-३
२३. प्रशांत, ऐश्वर्या राय की फिल्म-२
२७. 'मैं राजू दीवाना' गीत वाली फिल्म-३
२९. 'शोले' में धर्मेन्द्र के किरदार का नाम ?-२
३०. अमिताभ वाली संजय लीला की फिल्म जिसमें रानी मुखर्जी मूक-बधिर बनी है-२

फिल्म वर्ग पहेली- 1937

ह	ल	च	ल		जी	व	न	मृ	त्यु
व		मे		भू	त			त्यु	
स	हे	ली		मि		खा	न	दा	न
	ग		शि	का	र		सी	ता	
धू	म		वा		क्ष		ब		बे
प		खे		ता	क	त			ता
	गो	ल	मा	ल		ला	ट	सा	ब
पा	पी		शू		जो	श		या	
की		शं	क	र			घा		स्व
जा	नू			ज	मा	न	त		र्ग

सूडोकु -1938

6					7			
		8	2				7	5
	4			3				6
	7	1			2		5	
8				4				3
	2		8			9	6	
2				8			3	
4	3				9	8		
			3					9

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -1937 का हल

7	4	6	9	1	5	8	3	2
1	5	2	8	3	7	4	6	9
9	3	8	2	6	4	7	1	5
8	6	4	7	9	1	5	2	3
5	2	7	3	4	6	9	8	1
3	9	1	5	8	2	6	7	4
2	7	9	1	5	8	3	4	6
6	1	5	4	7	3	2	9	8
4	8	3	6	2	9	1	5	7

शब्द पहेली - 1938

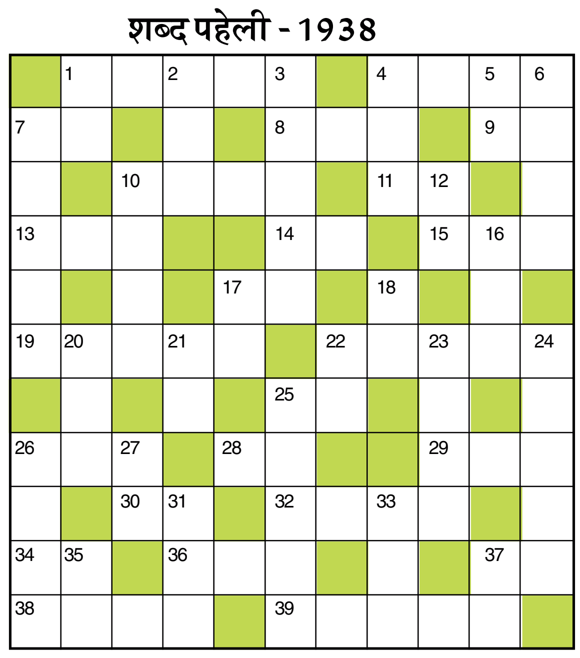

बाएँ से दाएँ

1.दयालु.उदार-5
4.गगन,आकाश-4
7.सरिता-2
8.चोगा,गाऊन-3
9.छुट्टी,अवकाश-2
10.आबे हयात,काबा कूप-4
11.रिहा-2
13.खाना,भोजन करना-3
14.जिद-2
15.हिम्मत,बल-3
17.कारागार-2
19.रइसे आजम,सूरी-5
22.दुत्कारना,डांटना-5
25.सराबोर-2
26.भोर,सवेरा-3
28.मूल्य,कीमत-2
29.महीन,बहुत छोटा-3
30.फूंक,दम,सुट्टा -2
32.झंकार,प्रतिध्वनि-4
34.उष्णता,ज्वर-2
36.ओट,चिलमन-3
37.छोटा टुकड़ा-2
38.सराबोर,सना हुआ-4
39.निर्माता,रचना करने वाला-5

ऊपर से नीचे

1.कैदी,बंधक-2
2.मुलायम-3
3.यात्री पोत,तैरता होटल-5
4.उर्दू में अभिवादन-3
5.पिटाई,चोट-2
6.नाजुकता-4
7.नया जीवन-5
10.मर्यादा-4
12.खाली,रिक्त-2
16.लाईन,पंक्ति-3
17.गर्मी का महीना-2
18.उदर-2
20.दीनहीन,दरिद्र-3
21.लश्कर,फौज-2
22.नष्ट,अद्वैतभाव-2
23.व्यवसाय,धंधा-4
24.नाम रखना -2,3
25.होशियार-5
26.सुर आलाप-2,2
27.अधिकार-2
31.प्रतिज्ञा-3
33.आकांक्षा,अभिलाषा-3
35.राह,मार्ग-2
37.टैक्स,हाथ-2

शब्द पहेली - 1937 का हल

	खा	दि	म				र	ह	ना	
दा	द		हा	ति	म	ता	ई		क	प
न			न	ल		र	स			ना
व	च	न		स्म	र	ण		व	रा	ह
	क	ल	म		ण		नी	र	ज	
	ना		री	स		जा	ल		कु	
	चू	स	ना		प		म	हि	मा	
च	र	खा		ग	रि	मा		ना	र	द
र			त	म		य	म			ली
म	स्त		स	ला	ह	का	र		क	ल
	र	सी	ला				जी	तें	द्र	

केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल खट्टर ने अटल बिहारी वाजपेयी की जयंती पर पुष्पांजलि अर्पित की

एजेंसी

करनाल। केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल खट्टर ने अटल बिहारी वाजपेयी की जयंती पर उन्हें पुष्पांजलि अर्पित की।केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल खट्टर ने अटल बिहारी वाजपेयी की जयंती पर कहा, '...एक बार जब अटल जी की राजस्थान में एक मंच से बोलने की बारी आई तब मंच संचालक ने कहा कि एक बहुत बड़े हार से अटल जी का स्वागत करेंगे। अटल जी खड़े होकर जोर से बोले...नहीं...मुझे हार नहीं जीत चाहिए।

राखी गढ़ी में हड़प्पा सभ्यता और हरियाणवी संस्कृति के संगम के गवाह बनेंगे मुख्यमंत्री

हिसार। हजारों साल पुरानी सभ्यता को समेटे राखी गढ़ी देश के गौरव के रूप में विकसित हो गई है। हड़प्पा कालीन सभ्यता और हरियाणवी संस्कृति के संगम से रूबरू होने के लिए प्रदेश के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी राखीगढ़ी महोत्सव में पहुंचेंगे। कार्यक्रम को ओर ज्यादा आकर्षक बनाने लिए सरकार की तरफ से अलग अंदाज से तैयारियां की जा रही हैं। कार्यक्रम में देश विदेश से पर्यटकों के साथ-साथ पुरातत्वविद भी शिरकत करने पहुंचेंगे। पहली बार म्यूजियम से सभी टीलों को एक दूसरे से जोड़ दिया गया है ताकि पर्यटकों को किसी प्रकार की परेशानी से सामना ना करना पड़े। इससे पहले म्यूजियम व टीलों को देखने के लिए अलग अलग रास्तों से जाना पड़ता था। अब यहां आने वाले पर्यटक म्यूजियम से सभी टीलों पर घूमने के लिए जा सकते हैं। प्रदेश के स्कूलों के कलां और इतिहास के प्रोफेसर राखीगढ़ी में हजारों साल पुरानी सभ्यता से रूबरू हो रहे हैं ताकि वो एक साथ मिलकर हड़प्पन सभ्यता और हरियाणवी संस्कृति के संगम को दुनिया के सामने ला सके। राखीगढ़ी में ही यह संगम देखने को मिल सकता है। हजारों साल पुरानी सभ्यता की धरोहर और राखीगढ़ी के ग्रामीण आज भी हड़प्पा और हरियाणवी संस्कृति की जीती जागती मिशाल है।

प्रदेश के थाना प्रभारी हर महीने करेंगे क्राइम मीटिंग

चंडीगढ़। हरियाणा में बढ़ रही अपराधिक घटनाओं के मद्देनजर प्रदेश के सभी पुलिस थानों में अब मंथली क्राइम रिव्यू मीटिंग होगी। इस बैठक में एक माह के दौरान हुई अपराधिक घटनाओं तथा उनमें पुलिस द्वारा की गई कार्रवाई की रिपोर्ट तैयार करके मुख्यालय को भेजी जाएगी। इसके लिए जांच अधिकारियों की जवाबदेही तय की जाए। केस की जांच पर रिपोर्ट ली जाए। हरियाणा राज्य प्रवर्तन ब्यूरो के अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक नवदीप सिंह विर्क ने ये निर्देश जारी किए हैं। जांच अधिकारियों और थाना प्रभारियों को संबंधित विभागों के साथ कोआर्डिनेशन मजबूत करने और समय-समय पर विशेष अभियान चलाने के भी निर्देश दिए गए हैं। उन्होंने कहा कि अवैध खनन को रोका जाना चाहिए क्योंकि अवैध खनन और अवैध शराब की बिक्री दोनों से सरकारी खजाने को काफी नुकसान होता है। रिव्यू मीटिंग में उन्होंने 2025 के प्रवर्तन आंकड़ों को साझा करते हुए कहा कि खनन क्षेत्र में ब्यूरो ने 6697 स्थलों और 2559 वाहनों की जांच की 1250 मामले दर्ज किए 1263 आरोपितों को गिरफ्तार किया और 1095 मामलों का निपटारा किया। कुल 18.86 करोड़ रुपये का जुर्माना लगाया गया, जिसमें से 8.64 करोड़ रुपये वसूल किए गए। आबकारी एवं कराधान विभाग की भूमिका पर प्रकाश डालते हुए उन्होंने कहा कि विभाग लाइसेंस धारकों द्वारा शराब की बिक्री पर निगरानी रखता है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि अवैध भारतीय या विदेशी शराब की बिक्री न हो।

ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य और पेयजल सुविधाओं को मिली मजबूतीः कादयान

सोनीपत। गन्नौर विधायक देवेंद्र कादियान ने लगभग 66 लाख रुपए की लागत से पूर्ण और आरंभ किए गए विकास कार्यों का शिलान्यास एवं उद्घाटन किया। इन कार्यों का उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं और पेयजल आपूर्ति को सुदृढ़ करना है। विधायक ने गांव बली कुतुबपुर में बनने वाले उप स्वास्थ्य केंद्र के निर्माण कार्य का शिलान्यास किया। इस परियोजना पर लगभग 53.69 लाख रुपए की लागत आएगी। उप स्वास्थ्य केंद्र के निर्माण से गांव और आसपास के क्षेत्रों के लोगों को प्राथमिक स्वास्थ्य सुविधाएं अपने ही गांव में उपलब्ध होंगी। इससे मरीजों को उपचार के लिए दूर-दराज के अस्पतालों में जाने की आवश्यकता नहीं पड़ेगी और समय व धन की बचत होगी। इसके बाद विधायक ने गांव पुरखास में राजकीय विद्यालय के पास लगभग 12 लाख रुपए की लागत से स्थापित जल नलकूप का उद्घाटन किया। इस नलकूप के माध्यम से करीब एक हजार घरों को स्वच्छ पेयजल की आपूर्ति की जाएगी। जलापूर्ति व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए गांव में नई पाइपलाइन भी बिछाई गई है।

सीएम ने अटल जनसेवा को समर्पित दौड़ को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया

एजेंसी

पंचकूला। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने पंचकूला के सेक्टर-5 स्थित यवनिका पार्क से हरियाणा पुलिस के बैच संख्या-93 के जवानों द्वारा आयोजित अटल जनसेवा को समर्पित दौड़ को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कहा कि भारत रत्न, पूर्व प्रधानमंत्री श्रद्धेय अटल बिहारी वाजपेयी की जयंती की स्मृति में आयोजित यह दौड़ एकता, अनुशासन और राष्ट्रसेवा की भावना का प्रेरणास्पद प्रतीक है। उन्होंने बताया कि आज सायं केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह भारतीय पुलिस के इतिहास के सबसे बड़े पुलिस पासिंग-आउट बैच को सामूहिक शपथ दिलवाएंगे। इस ऐतिहासिक बैच में कुल 5,061 जवान शामिल हैं, जिनमें 4,191 पुरुष एवं 870 महिला जवान हैं। इस प्रकार, इस बैच में 20.75 प्रतिशत महिला भागीदारी सुनिश्चित हुई है, जो महिला सशक्तिकरण की दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। उन्होंने कहा कि वर्ष 2014 में हरियाणा पुलिस में महिलाओं की भागीदारी मात्र 3 प्रतिशत थी, जो आज बढ़कर 10 प्रतिशत से अधिक हो चुकी है। राज्य सरकार ने इसे आगामी वर्षों में 25 प्रतिशत तक ले जाने का लक्ष्य निर्धारित किया है। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने यह भी कहा कि प्रदेश में नशे के विरुद्ध चलाए जा रहे व्यापक अभियान में हरियाणा पुलिस की भूमिका अत्यंत सराहनीय रही है। नवप्रशिक्षित जवान इस अभियान के ब्रांड एम्बेसडर के रूप में समाज में जागरूकता फैलाने का कार्य करेंगे। उन्होंने कहा कि यह दौड़ 39 सप्ताह के कठोर प्रशिक्षण की सफल पूर्णता का प्रमाण है तथा पुलिसिंग और कर्मयोगी पाठ्यक्रम के उन मूल्यों को व्यवहार में उतारने की शुरुआत है, जिन्हें जवानों ने प्रशिक्षण के दौरान आत्मसात किया है। इस दौड़ में ग्रामीण पृष्ठभूमि से आए 4,252 जवान तथा शहरी पृष्ठभूमि के 809 जवान एक साथ कदमताल कर रहे हैं, जो पूरे हरियाणा की सामाजिक एकता और समरसता का सशक्त संदेश देता है।

मुख्यमंत्री ने बताया कि इस बैच की एक और उल्लेखनीय विशेषता यह है कि लगभग 85 प्रतिशत जवान स्नातक एवं स्नातकोत्तर हैं। इनमें से 2,390 जवान (50 प्रतिशत से अधिक) 26 वर्ष से कम आयु के हैं, जो हरियाणा पुलिस में नई ऊर्जा, आधुनिक दृष्टिकोण और कार्यकुशलता का संचार करेंगे।

मुख्यमंत्री ने आदमपुर के विकास के लिए जारी की करोड़ों की राशि : कुलदीप बिश्नोई

एजेंसी

हिसार। भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता एवं पूर्व सांसद कुलदीप बिश्नोई ने कहा है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एवं मुख्यमंत्री नायब सैनी के नेतृत्व में देश, प्रदेश निरंतर प्रगति के पथ पर अग्रसर हैं। उसी राह पर चलते हुए आदमपुर के हमारे विकास के संकल्प को आगे बढ़ाते हुए मुख्यमंत्री ने हल्के के चहुंमुखी विकास के लिए करोड़ों रूपए की राशि अलग-अलग विभागों में जारी की है। कुलदीप बिश्नोई हल्के के गांवों में सामाजिक कार्यक्रमों में शिरकत करने के दौरान ग्रामीणों से बातचीत कर रहे थे। इस दौरान उन्होंने आदमपुर गांव, काबरेल एवं जाखोद में अपनों के सुख-दुख में शिरकत की तथा शादी समारोह में पहुंचकर परिवारों को शुभकामनाएं दीं। कुलदीप बिश्नोई ने कहा कि आदमपुर मंडी में सीवरेज बिछाने का कार्य लगभग पूरा हो चुका है, पीने के पानी की पाईप लाइनें बिछाने का कार्य पूर्ण हो चुका है, बरसाती पानी निकासी के पाइप लाइन बिछाने का कार्य पूरा हो चुका है, एसटीपी का निर्माण कार्य भी पूरा हो चुका है, बाईपास सड़क का निर्माण पूरा हो चुका है, बस स्टेंड चौक से मॉडल टाउन तक सड़क का निर्माण कार्य जारी है, क्रांति चौक से बस स्टेंड चौक तक बनने वाली सड़क का टेंडर हो चुका है। इसी प्रकार हलके के गांवों में ज्यादातर सड़कों का निर्माण कार्य भी पूरा हो चुका है, गांवों में गलियों, चौपालों में कमरे निर्माण, गांवों में खेतों के कच्चे रास्तों का कार्य सहित अन्य विकास कार्य प्रगति पर हैं। उन्होंने कहा कि भव्य बिश्नोई के लगातार प्रयासों और मुख्यमंत्री के सहयोग से आदमपुर विकास के रास्ते पर निरंतर आगे बढ़ रहा है। आगे भी हल्के में विकास कार्यों में कोई कमी नहीं रहने दी जाएगी।

पानीपत में चरस समेत दो नशा तस्कर गिरफ्तार

एजेंसी

पानीपत। पानीपत पुलिस की एंटी नारकोटिक्स सेल टीम ने नशा तस्करी पर कड़ा प्रहार करते हुए कुराड़ गांव में छाजपुर मोड़ पर दो नशा तस्करों को 302 ग्राम चरस के साथ काबू किया। आरोपियों की पहचान उग्राखेड़ी गांव निवासी रविंद्र व कुराड गांव निवासी सुलतान के रूप में हुई है। पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि एंटी नारकोटिक्स सेल पुलिस की एक टीम मंगलवार को गश्त के दौरान बबैल गंदा नाला के पास थी। टीम को तभी गुप्त सूचना मिली की कुराड गांव में छाजपुर मोड़ पर दो युवक मादक पदार्थ लेकर बेचने की फिराक में घूम रहे है। सूचना को पुख्ता मानकर पुलिस टीम ने मौके पर पहुंची। सामने खड़े दो युवक पुलिस टीम को देखकर छाजपुर गांव की तरफ तेज कदमों से चलने लगे। पुलिस टीम ने कुछ कदमों पर ही युवकों को काबू कर पूछताछ की तो युवकों ने अपनी पहचान रविंद्र निवासी उग्राखेड़ी व सुलतान निवासी कुराड के रूप में बताई। पुलिस टीम ने तलाशी ली तो उनके पायजामें व पेंट की जेब से चरस मादक पदार्थ बरामद हुआ। आरोपी रविंद्र के पास से बरामद चरस का वजन करने पर 150 ग्राम व आरोपी सुलतान के कब्जे से बरामद चरस का वजन करने पर 152 ग्राम पाया गया। पूछताछ में आरोपियों ने पुलिस को बताया वह दोनों दोस्त है और करीब डेढ महीना पहले किसी काम से दिल्ली गए थे। वहा मिले एक अज्ञात युवक से 400 ग्राम चरस कम कीमत पर खरीदकर लाए और दो बराबर हिस्सों में बाटकर कुछ चरस नशा करने में खर्च कर दी।

चंडीगढ़ में मेयर चुनाव से पहले आआपा को झटका, 02 पार्षद भाजपा में शामिल

एजेंसी

चंडीगढ़। चंडीगढ़ में मेयर पद के चुनाव को लेकर शुरू हुई सक्रियता ने उस समय नया मोड़ ले लिया जब यहां आम आदमी पार्टी (आआपा) की दो महिला पार्षद भाजपा में शामिल हो गईं। भाजपा को मेयर पद के चुनाव से पहले मजबूती मिली है। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष जितेंद्र पाल मल्होत्रा ने आज पार्टी कार्यालय में वार्ड नंबर 16 से पार्षद पूनम तथा वार्ड नंबर 4 से पार्षद सुमन शर्मा का स्वागत किया। उनके साथ चंडीगढ़ की मेयर हरप्रीत कौर बबला एवं भाजपा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष एवं वर्तमान में हिमाचल प्रदेश के सह प्रभारी संजय टंडन विशेष रूप से उपस्थित रहे। इस अवसर पर मेयर हरप्रीत कौर बबला ने दोनों पार्षदों का पार्टी में स्वागत करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में चंडीगढ़ सहित पूरे देश में विकास की नई दिशा तय हुई है और नए साथियों के जुडने से संगठन और अधिक मजबूत होगा। वहीं, संजय टंडन ने कहा कि भाजपा का निरंतर विस्तार प्रधानमंत्री मोदी की नीतियों पर जनता के बढ़ते विश्वास का प्रमाण है। चंडीगढ़ नगर निगम में कुल 35 पार्षद हैं। मेयर पद के लिए चुनाव में चंडीगढ़ के सांसद का वोट भी मान्य होता है। इसके अलावा 9 पार्षद नॉमिनेटेड होते हैं, जिनके पास मतदान का अधिकार नहीं हैं। ऐसे में 36 वोटों में से भाजपा के पास अब तक 16 और आआपा के पास 13 वोट थे मगर अब 2 पार्षदों के आआपा छोड़ने के बाद भाजपा के पास 18 और आआपा के पास 11 वोट रह गए हैं। कांग्रेस के पास 6 पार्षद और सांसद मनीष तिवारी को मिलाकर कुल 7 वोट हैं। मेयर बनाने के लिए कुल 19 वोट चाहिए। भाजपा के पास अब 18 वोट हो गए हैं। चंडीगढ़ की मौजूदा मेयर हरप्रीत कौर बबला हैं। पिछली बार मेयर पद के लिए कांग्रेस और आम आदमी पार्टी ने मिलकर चुनाव लड़ा था लेकिन दो क्रॉस वोट होने के कारण भाजपा की मेयर बन गईं। सीनियर डिप्टी मेयर और डिप्टी मेयर का पद कांग्रेस को मिला था। इस बार कांग्रेस के हाथ से वह भी खिसकता हुआ दिख रहा है।

भारत सरकार ने अफगानिस्तान,पाकिस्तान व बांग्लादेश के सिख शरणार्थियों को दी भारत की नागरिकता:अमित शाह

- पंचकूला में वीर बाल दिवस समारोह में हुए शामिल
- 1984 के सिख दंगा पीड़ित परिवारों को दिए नौकरी के नियुक्ति पत्र

एजेंसी

चंडीगढ़। गृहमंत्री अमित शाह ने कहा है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली भारत सरकार ने अपने कार्यकाल के दौरान भारत में बतौर शरणार्थी रह रहे अफगानिस्तान, पाकिस्तान, बांग्लादेश के सिखों को भारत की नागरिका प्रदान करने का काम किया है। यही नहीं जम्मू-कश्मीर में अनुच्छेद 370 हटने के बाद एक लाख 16 हजार लोगों को नागरिकता प्रदान की गई है। अमित शाह रात पंचकूला में वीर बाल दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित राज्य स्तरीय समारोह को संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर गृहमंत्री ने चार साहिबजादों को समर्पित एक कॉफी टेबल बुक रीलीज की। वहीं उन्होंने हरियाणा सरकार द्वारा तैयार किए गए विजन 2047 को भी जारी किया। अमित शाह ने 1984 के 121 दंगा पीड़ित परिवारों के बच्चों को सरकारी नौकरियों में नियुक्ति पत्र भी वितरित किए। गृहमंत्री ने किसी राजनीतिक दल का नाम लिए बगैर कहा कि जिस समय देश का विभाजन हुआ तो उस समय करतारपुर साहिब की अनदेखी की गई। मोदी सरकार ने करतारपुर साहिब में कॉरिडोर का निर्माण करके श्रद्धालुओं को पवित्र स्थान के दर्शन करने का अवसर दिया है। उन्होंने कहा कि जब चार साहिबजादों का जिक्र आता है तो मन भावुक भी होता है और सीना गर्व से चौड़ा भी होता है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने नौ जनवरी 2022 को फैसला किया कि हर साल 26 दिसंबर को वीर बाल दिवस के रूप में मनाया जाएगा। तीन साल से प्रत्येक राज्य के स्कूलों में प्रतियोगिताएं होती हैं और करोड़ों बच्चों को चार साहिबजादों का जीवन वृतांत सुनने का अवसर मिलता है। गृहमंत्री ने सिख धर्म को सर्वधर्म का प्रतीक करार देते हुए कहा कि गुरु ग्रंथ साहिब ही एक ऐसा ग्रंथ है, जिसमें केवल गुरुओं की नहीं बल्कि कई महापुरूषों की वाणी का उल्लेख है। नायब सरकार द्वारा 1984 के दंगा पीड़ित परिवारों के बच्चों को नौकरियां प्रदान किए जाने के फैसले की सराहना करते हुए गृहमंत्री ने कहा कि हरियाणा सरकार ने सिखों के घावों पर मरहम लगाने का प्रयास किया है। यही नहीं सिख दंगों के आरोपियों के कसों को दोबारा खोलकर सजा दिलाने का काम भी मोदी सरकार ने किया है।

नशे के खिलाफ व्यापक जागरूकता मुहिम का आगाज

एजेंसी

सिरसा। सिरसा के पुलिस अधीक्षक दीपक सहारण ने कहा कि जिले में नशे की डिमांड को खत्म करने और युवाओं को नई राह दिखाने के लिए सिरसा पुलिस द्वारा नशे के खिलाफ चलाई जा रही मुहिम से प्रभावित होकर नशे के खिलाफ इस लड़ाई में समाजिक संस्थाए आगे आ रही हैं। इसी कड़ी में '' आवाज सिरसा की वेलफेयर संस्था'' ने नशे के खिलाफ व्यापक जागरूकता मुहिम का आगाज किया। एसपी दीपक सहारण ने नशा मुक्ति संदेश वाहन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। पुलिस अधीक्षक ने कहा कि पुलिस प्रशासन नशे की सप्लाई चेन तोडने व नशे की डिमांड खत्म करने के लिए निरंतर कार्य कर रही है, लेकिन नशे जैसी बुराई को जड़ से खत्म करने के लिए सामाजिक संस्थाओं, ग्राम पंचायतों, युवा क्लबों का आगे आना बहुत जरूरी है । आवाज सिरसा की वेलफेयर ट्रस्ट की यह पहल सराहनीय है। जब गांव के सरपंच और ग्रामीण खुद जागरूक होंगे, तभी हम नशे के सौदागरों को मात दे पाएंगे। उन्होंने कहा कि ट्रस्ट के प्रधान सुनील कंबोज के नेतृत्व में यह अभियान जिले के हर घर तक पंहुचकर नशा मुक्ति का संदेश देंगे। इसके अतिरिक्त शहर के आस-पास के क्षेत्रों में एम्बुलेंस सेवाएं शुरू की गई हैं। यह एंबुलेंस नशे से पीड़ित व जरूरतमंद लोगों को तुरंत अस्पताल पहुंचाने में मदद करेगी। पुलिस अधीक्षक दीपक सहारण ने कहा कि यदि हम एकजुट होकर नशे को जड़ से खत्म करने के लिए संकल्प लेंगे तो अवश्य ही हम नशे के खिलाफ चलाई जा रही मुहिम में कामयाब होंगे। उन्होंने कहा कि जिला पुलिस द्वारा चलाए जा रहे इस अभियान से प्रेरित होकर युवा नशा छोडने के लिए आगे आ रहे हैं और स्थानीय प्रशासन के सहयोग से नशे से पीड़ित युवाओं को दवाई दिलाकर उन्हें समाज की मुख्य धारा में लाया जा रहा है।

अटल समृद्धि एवं सुशासन दिवस' विकसित भारत के लिए नए संकल्पों का सूत्रपात : मनोहर लाल

एजेंसी

पानीपत। पानीपत भाजपा कार्यालय में सुशासन दिवस की पूर्व संध्या पर एक जिला स्तरीय कार्यक्रम का आयोजन किया गया । कार्यक्रम में मुख्य अतिथि केंद्रीय ऊर्जा मंत्री मनोहर लाल ने शिरकत की। केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल सहित सभी नेताओं नें भारत रतन अटल बिहारी वाजपाये क़ो भाव भिन्नी श्रद्धांजलि अर्पित की. ऊर्जा मंत्री मनोहर लाल नें कहा की अटल बिहारी वाजपाए जैसे कवि, साहित्य कार, सभी पार्टिओ मे सम्माननीय नेता सदियों मे जन्म लेते है। उन्हेंने कहा की पूरे देशभर में पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी जी की 101वीं जयंती को 'अटल समृद्धि दिवस' और 'सुशासन दिवस' के रूप में मनाया जाता हैं उन्होंने कहा कि अटल पेंशन योजना ने 30 नवंबर 2025 तक 8.45 करोड़ से अधिक ग्राहकों का ऐतिहासिक आंकड़ा पार कर लिया है, जो देश के असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों के लिए वित्तीय सुरक्षा सुनिश्चित कर रहा है उन्होंने कहा कि केंद्र ओर प्रदेश की भाजपा सरकारों ने प्रशासन गांव की ओर अभियान चलाया गया ये अभियान 19 से 25 दिसंबर तक चले 'सुशासन सप्ताह' के दौरान देशभर में 'प्रशासन गाँव की ओर' अभियान के तहत लाखों जन-शिकायतों का निपटारा किया जाएगा और सरकारी सेवाओं को सीधे नागरिकों के द्वार तक पहुंचाया जाएगा। इसके तहत वायु गुणवत्ता निगरानी के साथ स्वच्छ वायु को प्राथमिकता दी जाएगी, 10 वर्षों से अधिक वर्षों तक अच्छा प्रदर्शन करने वाली प्रयोगशालाओं के लिए सुगमता के साथ उत्कृष्टता को प्रोत्साहन, त्वरित और डिजिटल प्रमाणन के लिए सम्पूर्ण ऑनलाइन प्रक्रिया, त्वरित मान्यता और प्रयोगशालाओं को 2 वर्ष के स्थान पर 4 वर्षों के लिए प्रमाणन अवधि तय करने जैसी सुविधाएं मुहैया करवाई जाएंगी ।

गृहमंत्री अमित शाह ने अटल स्मृति रक्तदान शिविर का किया उदघाटन

एजेंसी

चंडीगढ़। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने पंचकूला में आयोजित अटल स्मृति रक्तदान शिविर का उद्घाटन किया। इस अवसर पर हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी भी उनके साथ मौजूद रहे। कार्यक्रम का उद्देश्य जरूरतमंद मरीजों को रक्त उपलब्ध कराना और समाज में रक्तदान के प्रति जागरूकता बढ़ाना था।केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने रक्तदान करने आए रक्तदाताओं का उत्साह बढ़ाते हुए उन्हें फूल देकर और फल भेंट कर सम्मानित किया। रक्तदान एक महान कार्य है, जिससे कई लोगों का जीवन बचाया जा सकता है। रक्तदान शिविर में 211 यूनिट रक्त इक्ट्ठा हुआ। इस रक्तदान शिविर में पीजीआई चंडीगढ़, जीएमसीएच सेक्टर-32 चंडीगढ़, सिविल अस्पताल पंचकूला तथा महर्षि मारकंडेश्वर मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल, सोलन (हिमाचल प्रदेश) से आए डॉक्टरों की टीम और स्टाफ सदस्यों ने अपनी सेवाएं दीं। सभी चिकित्सा टीमों ने रक्तदान की प्रक्रिया को सुरक्षित और व्यवस्थित रूप से संपन्न कराया।

विद्यार्थियों के लिए खेल व शिक्षा संतुलन जरूरीः मनोहर लाल खट्टर

एजेंसी

सोनीपत। मोतीलाल नेहरू खेल विद्यालय, राई में 53वें वार्षिकोत्सव समारोह का आयोजन उत्साह, गरिमा और अनुशासनपूर्ण वातावरण में किया गया। कार्यक्रम में खेल, शिक्षा, योग और सांस्कृतिक प्रस्तुतियों का संतुलित संगम देखने को मिला। मुख्य अतिथि केंद्रीय ऊर्जा, आवास एवं शहरी मामले मंत्री मनोहर लाल ने विभिन्न खेलों और शैक्षणिक गतिविधियों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को पुरस्कार प्रदान कर उनका उत्साहवर्धन किया। उन्होंने विद्यार्थियों के साथ-साथ उनके अभिभावकों को भी शुभकामनाएं दीं। संबोधन में केंद्रीय मंत्री ने कहा कि यह विद्यालय केवल खेल प्रतिभा गढ़ने का केंद्र नहीं, बल्कि संस्कार, अनुशासन और नेतृत्व क्षमता विकसित करने का भी सशक्त मंच है। खेल और शिक्षा को अलग-अलग मानने की पुरानी सोच अब बदल चुकी है। आज आवश्यकता है कि विद्यार्थी दोनों क्षेत्रों में संतुलन बनाकर आगे बढ़ें। खेल न केवल शरीर को सशक्त बनाते हैं, बल्कि मानसिक दृढ़ता, आत्मविश्वास और टीम भावना भी विकसित करते हैं। उन्होंने कहा कि प्रतियोगिताओं के माध्यम से विद्यार्थी जीत और हार–दोनों को स्वीकार करना सीखते हैं। जीत उत्साह देती है, जबकि हार भविष्य की तैयारी का आधार बनती है। यही जीवन का वास्तविक प्रशिक्षण है। कार्यक्रम में हरियाणा खेल विश्वविद्यालय राई के कुलपति अशोक कुमार ने कहा कि खेल विद्यालय और खेल विश्वविद्यालय को खेलों की आईआईटी के रूप में विकसित करने का लक्ष्य है। यहां से ऐसे खिलाड़ी तैयार किए जाएंगे जो अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रदेश और देश का नाम रोशन करेंगे। उन्होंने विद्यालय प्रबंधन, शिक्षकों और कर्मचारियों को सफल आयोजन के लिए बधाई दी। वार्षिकोत्सव में विद्यार्थियों को विभिन्न श्रेणियों में सम्मानित किया गया। सोनाली अहलावत को सर्वश्रेष्ठ समग्र प्रदर्शन के लिए राज्यपाल पदक प्रदान किया गया। सर्वश्रेष्ठ हाउस के लिए इंद्र हाउस को अर्जुन ट्रॉफी से सम्मानित किया गया। अंतर-हाउस सह-पाठ्यक्रम गतिविधियों में जूनियर वर्ग से सूर्या हाउस और सीनियर वर्ग से वरुणा हाउस को ट्रॉफी मिली। अंतर-हाउस शैक्षणिक प्रतियोगिता में जूनियर और सीनियर दोनों वर्गों में अर्जुन हाउस विजेता रहा। अंतर-हाउस खेल प्रतियोगिताओं में जूनियर वर्ग से इंद्र हाउस और सीनियर वर्ग से वरुण हाउस को ट्रॉफी प्रदान की गई। समारोह में राई विधायक कृष्णा गहलावत, गन्नौर विधायक देवेंद्र कादियान, मेयर राजीव जैन, उपायुक्त सुशील सारवान, जिला परिषद अध्यक्ष मोनिका दहिया,चेयरमैन निशांत छौक्कर सहित अनेक जनप्रतिनिधि, शिक्षाविद् और नागरिक उपस्थित रहे। कार्यक्रमने विद्यार्थियों में नई ऊर्जा और लक्ष्य के प्रति प्रतिबद्धता का संचार किया।

सहकारिता मंत्रालय देश में लॉन्च करेगा भारत टैक्सी : अमित शाह

एजेंसी

चंडीगढ़। केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने कहा कि देश में कई कंपनियां टैक्सी परिचालन का काम करती हैं, लेकिन उनमें मुनाफा ड्राइवर के पास नहीं, बल्कि मालिक के पास जाता है। सहकारिता मंत्रालय के तहत बहुत जल्द 'भारत टैक्सी' लॉन्च करेंगे, जिसका एक-एक आना मुनाफा हमारे ड्राइवर भाइयों के पास जाएगा। इससे हमारे ड्राइवर भाइयों के लिए रोजगार की कई नई संभावनाएं खुलेंगी। पंचकूला में कृषक भारती कोऑपरेटिव लिमिटेड (कृभको) द्वारा 'सतत कृषि में सहकारिता की भूमिका' विषय पर आयोजित सहकारी सम्मेलन को संबोधित करते हुए सहकारिता मंत्री ने कहा कि भारत टैक्सी में चालकों को बीमा की व्यवस्था मिलेगी, उनकी टैक्सी पर एडवर्टाइजमेंट की व्यवस्था होगी और सारा मुनाफा उनके पास ही जाएगा। इससे ग्राहक की सुविधा भी बढ़ेगी और टैक्सी ड्राइवर भी समृद्ध होगा। उन्होंने कहा कि 'भारत' सहकारिता टैक्सी जल्द ही लांच होने वाली है। शाह ने विश्वास जताया कि देखते-देखते यह भारत की नंबर 1 टैक्सी परिचालन कंपनी बन जाएगी। उन्होंने कहा कि भारत में सहकारिता आंदोलन लगभग 125 साल पुराना है, लेकिन मोदी जी ने जो इनिशिएटिव लिया है, उससे यह आंदोलन नई बुलंदियों पर पहुंचेगा। अमित शाह ने कहा अंतरराष्ट्रीय सहकारिता वर्ष के अवसर पर कृभको द्वारा आयोजित इस सेमिनार में मिल्क चिलिंग सेंटर, हैफेड का आटा मिल, रू-पे प्लेटिनम कार्ड, मॉडल पैक्स का पंजीकरण और सहकारिता वर्ष का पोर्टल, जो पूरे देश की सहकारिता से जुड़ी सूचनाएं सहकारिता से जुड़े सभी किसानों तक पहुंचाएगा, का लोकार्पण किया

NAME CHANGE

I hitherto known as SHIV RAJ VERMA S/o KAYAM SINGH, R/o Tumarguddi, PO: Tummarguddi, Dist: Belagavi, Karnataka-590016, have changed my name and shall hereafter be known as ARUN.

महामना मालवीय की जयंती पर उपराष्ट्रपति, प्रधानमंत्री व अन्य ने दी श्रद्धांजलि

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतरत्न महामना पंडित मदन मोहन मालवीय की 164वीं जयंती पर उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, गृहमंत्री अमित शाह, केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी और भाजपा कार्यकारी अध्यक्ष नितिन नबीन समेत तमाम नेताओं ने एक्स पर उन्हें श्रद्धासुमन अर्पित किए। इन नेताओं ने मालवीय के शिक्षा, पत्रकारिता, समाज सुधार और स्वराज आंदोलन में योगदान को प्रेरणास्रोत बताया। उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन ने कहा कि महामना का ज्ञान, सामाजिक सुधार और नैतिक नेतृत्व हमें याद दिलाता है कि वास्तविक प्रगति प्रबुद्ध मस्तिष्क और करुणामय हृदय से शुरू होती है। उनके आदर्श पीढ़ियों का मार्ग आलोकित करते रहेंगे। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि मालवीय जी ने गुलामी की जंजीरें तोड़ने के लिए समाज सुधार के साथ राष्ट्रीय चेतना जागृत की। मातृभूमि की सेवा में समर्पित महामना का शिक्षा जगत में अतुलनीय योगदान कभी भुलाया नहीं जा सकता। गृहमंत्री अमित शाह ने कहा कि बीएचयू की स्थापना से मालवीय जी ने आधुनिक शिक्षा को भारतीय सांस्कृतिक मूल्यों से जोड़ा और प्रेस को राष्ट्रनिर्माण का माध्यम बनाया। अस्पृश्यता उन्मूलन और किसान हित में उनका संकल्प चिरस्मरणीय है। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने कहा कि बीएचयू के संस्थापक मालवीय जी ने शिक्षा को राष्ट्र की शक्ति बनाया। उनकी जयंती पर उन्हें विनम्र अभिवादन। उनका योगदान आधुनिक भारत की शैक्षणिक नींव का आधार है।

कुटुम्ब प्रबोधन से ही परिवार से लेकर देश के उत्थान तक की यात्रा संभव : स्वान्त रंजन जी

झांसी। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के स्थापना के 100 वर्ष पूर्ण होने पर शताब्दी वर्ष के उपलक्ष्य में आयोजित विविध कार्यक्रमों की श्रृंखला के तहत 1 दिसंबर से 31 दिसंबर तक चलने वाला व्यापक गृह संपर्क अभियान झांसी महानगर की प्रत्येक नगर, बस्ती एवं खण्ड के मण्डलों में चल रहा है। पिछले 24 दिनों में महानगर में करीब 618 टोलियों ने करीब 90 हजार परिवारों तक पहुंचकर संघ के उद्देश्य व राष्ट्रहित को जन जन तक पहुंचाने का कार्य किया। इस दौरान विशेष गृह सम्पर्क अभियान भी चलाया जा रहा है। इसके तहत विभिन्न दायित्वधारी स्वयंसेवक आकर समाज के विशिष्ट लोगों से संपर्क करते हुए उन्हें पंच परिवर्तन के प्रति जागरूक कर रहे हैं। झांसी महानगर प्रचार प्रमुख जितेंद्र जी ने बताया कि स्वान्त रंजन जी (अखिल भारतीय प्रचारक प्रमुख) ने शताब्दी वर्ष विशेष संपर्क योजनान्तर्गत प्रवास के क्रम में झांसी महानगर में कुलपति रानी लक्ष्मीबाई केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय डॉ. एके सिंह, निदेशक आईजीएफआरआई, निदेशक बीआईईटी तथा प्राचार्य - महारानी लक्ष्मीबाई मेडिकल कॉलेज से संपर्क किया।

भारत ने थाईलैंड-कंबोडिया विवादित क्षेत्र में देव प्रतिमा को गिराए जाने की खबरों पर गंभीर चिंता जताई

नई दिल्ली। भारत ने थाईलैंड-कंबोडिया सीमा विवाद से प्रभावित क्षेत्र में हाल ही में निर्मित एक हिंदू भगवान विष्णु की प्रतिमा को गिराए जाने की खबरों पर गंभीर चिंता व्यक्त की है। मीडिया के सवालों के जवाब में विदेश मंत्रालय के आधिकारिक प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा कि इस तरह की घटनाएं विश्वभर में करोड़ों श्रद्धालुओं की भावनाओं को आहत करती हैं और इन्हें किसी भी परिस्थिति में स्वीकार नहीं किया जा सकता।उन्होंने कहा कि हिंदू और बौद्ध देवताओं को पूरे क्षेत्र में गहरी श्रद्धा के साथ पूजा जाता है और यह साझा सभ्यतागत विरासत का अभिन्न हिस्सा हैं। क्षेत्रीय या सीमा संबंधी दावों के बावजूद, धार्मिक प्रतीकों के प्रति अनादर निंदनीय है। भारत ने दोनों पक्षों से संयम बरतने का आह्वान करते हुए कहा कि संवाद और कूटनीति के रास्ते पर लौटना ही शांति का एकमात्र समाधान है। बयान में यह भी कहा गया कि शांति बहाली से ही जान-माल के नुकसान और सांस्कृतिक धरोहर को होने वाली क्षति को रोका जा सकता है।

उप्र के शाहजहांपुर में ट्रेन की चपेट में आने से पांच लोगों की मौत

शाहजहांपुर। उत्तर प्रदेश के जनपद शाहजहांपुर के रोजा क्षेत्र में शाम ट्रेन की चपेट में आने से पांच लोगों की मौत हो गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पुलिस अधीक्षक राजेश द्विवेदी ने घटना स्थल पर पहुंच कर मौका मुआयना किया।

उन्होंने बताया कि बुधवार देर शाम रोजा रेलवे स्टेशन आउटर के पास रेलवे ट्रेक पार करते वक्त बाइक सवार पांच लोगों की गरीबरथ एक्सप्रेस ट्रेन की चपेट में आ जाने से मौत हो गई। घटना के बाद रेलवे ट्रेक पर क्षत विक्षिप्त शवों के अवशेष फैल गए। घटना के बाद कुछ देर के लिए रेलवे यातयात प्रभावित हो गया। सूचना पर रोजा पुलिस और जीआरपी मौके पर पहुंची और शवों को ट्रैक से हटवाकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस अधीक्षक ने बताया कि मृतकों की पहचान लखीमपुर खीरी के उचौलिया थाना क्षेत्र के बनकागांव निवासी हरिओम (26), निगोही थाना क्षेत्र निवासी उनके साढ़ू सेठपाल (32), सेठपाल की पत्नी पूजा (26) और उनका डेढ़ साल का बेटा सूर्या डेढ़ वर्ष व पुत्री निधि (4) के रूप में हुई है।

प्रधानमंत्री मोदी क्रिसमस पर दिल्ली के चर्च में प्रार्थना सभा में शामिल हुए, शांति और सद्भाव का दिया संदेश

एजेंसी

नई दिल्ली । प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने क्रिसमस के अवसर पर 'कैथेड्रल चर्च ऑफ द रिडेम्पशन' में आयोजित क्रिसमस प्रार्थना सभा में हिस्सा लिया। इस सभा में दिल्ली और उत्तर भारत के अलग-अलग क्षेत्रों से आए बड़ी संख्या में ईसाई समुदाय के लोग शामिल हुए। सभा में प्रार्थनाएं, क्रिसमस कैरोल्स और भजन गाए गए। दिल्ली के बिशप राइट रेवरेंड डॉ. पॉल स्वरूप ने प्रधानमंत्री मोदी के लिए विशेष प्रार्थना की। इस अवसर पर पीएम नरेंद्र मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर लिखा, 'दिल्ली में 'कैथेड्रल चर्च ऑफ द रिडेम्पशन' में क्रिसमस की सुबह की प्रार्थना सभा में शामिल हुआ। सभा में प्यार, शांति और दया का हमेशा रहने वाला संदेश दिखा। क्रिसमस की भावना हमारे समाज में मेलजोल और अच्छाई की भावना जगाए। '

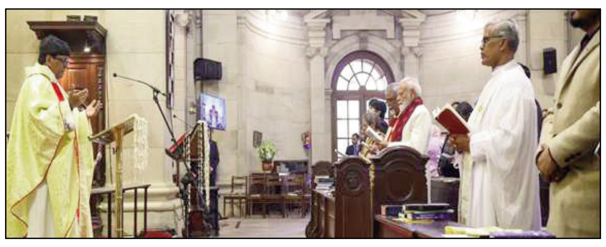

प्रधानमंत्री मोदी ने 'कैथेड्रल चर्च ऑफ द रिडेम्पशन' में क्रिसमस की सुबह की प्रार्थना सभा की कुछ तस्वीरें भी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर शेयर कीं। उन्होंने एक अन्य पोस्ट में वीडियो भी शेयर किया और लिखा, 'क्रिसमस नई उम्मीद, प्यार और दयालुता के लिए एक जैसा वादा लाए। 'कैथेड्रल चर्च ऑफ द रिडेम्पशन' में क्रिसमस की सुबह की प्रार्थना सभा के कुछ खास पल यहां हैं। ' पिछले कुछ सालों में प्रधानमंत्री मोदी ईसाई समुदाय से जुड़े कार्यक्रमों में नियमित रूप से शिरकत करते रहे हैं। ईस्टर 2023 के अवसर पर प्रधानमंत्री मोदी ने दिल्ली के 'सेक्रेड हार्ट कैथेड्रल' में ईस्टर कार्यक्रम में भाग लिया और वहां प्रार्थना सभा में शामिल हुए। क्रिसमस 2023 पर उन्होंने अपने आवास पर ईसाई समुदाय के प्रमुख सदस्यों के साथ एक विशेष कार्यक्रम की मेजबानी की। 2024 में पीएम मोदी ने केंद्रीय मंत्री जॉर्ज कुरियन के आवास पर क्रिसमस डिनर में हिस्सा लिया। इसके अलावा, कैथोलिक बिशप्स कॉन्फ्रेंस ऑफ इंडिया (सीबीसीआई) की ओर से आयोजित कार्यक्रम में भी पीएम मोदी शामिल हुए थे। दुनिया भर में क्रिसमस मनाया जा रहा है, जो प्रभु यीशु मसीह के जन्म का प्रतीक है। भारत में अलग-अलग धर्मों के लोग भी इस त्योहार को मिल-जुलकर मनाते हैं।

तमिलनाडु में तिरुचिरापल्ली नेशनल हाइवे पर हुए हादसे में घायल दो लोगों ने तोड़ा दम, अब तक नौ की मौत

एजेंसी

कदालूर (तमिलनाडु)। तमिलनाडु में तिरुचिरापल्ली-चेन्नई राष्ट्रीय राजमार्ग पर रात को हुए सड़क हादसे में सात लोगों की जान चली गई। यह हादसा टायर फटने से अनियंत्रित हुई तमिलनाडु राज्य एक्सप्रेस ट्रांसपोर्ट कॉर्पोरेशन की बस के दो कारों से टकराने की वजह से हुई। अस्पताल में भर्ती कराए गए घायलों में से दो और लोगों के दम तोड़ देने से मृतकों की संख्या बढ़कर नौ हो गई। मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने दुर्घटना में मारे गए व्यक्तियों के परिवारों और उनके संबंधियों के प्रति अपनी गहरी संवेदना व्यक्त की है। उन्होंने हर मृतक के परिवार को तीन लाख रुपये और गंभीर रूप से घायल लोगों को एक-एक लाख रुपये मुख्यमंत्री सार्वजनिक राहत निधि से देने का भी आदेश दिया है। पुलिस के अनुसार, राहत और बचाव कार्य के दौरान सात लोग मौके पर ही मृत मिले। गंभीर रूप से घायल छह लोगों को उपचार के लिए पेरम्बलूर सरकारी अस्पताल भेजा गया। वहां दो लोगों ने दम तोड़ दिया ।बाकी चार लोगों की हालत गंभीर बनी हुई है। मृतकों में कार सवार उद्यमी राजरत्नम (67), उनकी पत्नी राजेश्वरी (57), कारचालक जयकुमार (30) के रूप में हुई है। दूसरी कार के हताहत लोगों की भी पहचान हो गई है। उनमें तिरुची के तिरुवारंपथ कत्तूर के मोहम्मद फारूक (45), उनकी पत्नी रिबाना (33), उनकी बेटी ताज्बिर्का (10) और बेटा अब्दुल पाठा (सात) हैं। अस्पताल में दम तोड़ने वालों में पुडुकोत्तई के कालिप नगर के सिराजुद्दीन की पत्नी गुरजिस फातिमा (32) और उनका बेटा अजिज अहमद (तीन) हैं।

राजस्थान में कड़ाके की सर्दी, 2 दिन शीतलहर का अलर्ट; 4 शहरों में पारा 5 डिग्री से नीचे, सिरोही सबसे ठंडा

एजेंसी

जयपुर। राजस्थान में एक बार फिर कड़ाके की सर्दी का असर तेज हो गया है। उत्तर भारत से पश्चिमी विक्षोभ के प्रभाव के खत्म होने के बाद ठंडी उत्तरी हवाओं के चलने से प्रदेश के कई जिलों में तापमान तेजी से गिरा है। बुधवार को शेखावाटी क्षेत्र सहित कई जिलों में सुबह-शाम तेज ठंड महसूस की गई। चार शहरों में न्यूनतम तापमान 5 डिग्री सेल्सियस से नीचे चला गया, जबकि सिरोही प्रदेश का सबसे ठंडा जिला रहा।

मौसम विभाग के अनुसार, अगले दो दिनों तक चूरू, झुंझुनूं, सीकर और नागौर जिलों में शीतलहर (कोल्ड-वेव) का अलर्ट जारी किया गया है। हालांकि, बुधवार को घने कोहरे से कुछ राहत रही और अधिकांश जिलों में आसमान साफ रहा, जिससे दिन में तेज धूप देखने को मिली। शेखावाटी अंचल में कड़ाके की ठंड के चलते खेतों में ओस की बूंदें जम गईं। कोटा सहित कई जिलों में फसलों पर जमी ओस साफ नजर आई। सबसे कम तापमान दर्जपिछले 24 घंटों में फतेहपुर में न्यूनतम तापमान 2.6 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। इसके अलावा–नागौरः 3.4एष्ट, माउंट आबूः 4.0एष्ट, सीकरः 5.0एष्ट,

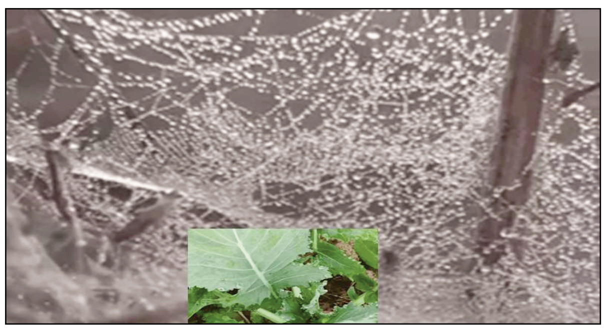

लूणकरणसरः 5.4एष्ट, चूरूः 5.8एष्ट, झुंझुनूं व पालीः 6.8एष्ट, करौलीः 6.9एष्ट, पिलानीः 7.2एष्ट, दौसाः 8.1एष्ट, बीकानेर व जैसलमेरः 8.8एष्ट, अलवरः 8.6एष्ट, सिरोहीः 9.3एष्ट। दिन का तापमान भी गिरा : प्रदेश के सभी शहरों में अधिकतम तापमान 30 डिग्री से नीचे दर्ज किया गया। सबसे ठंडा दिन सिरोही में रहा, जहां अधिकतम तापमान 19.5 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड हुआ।अन्य शहरों में अधिकतम तापमान इस प्रकार रहा– बारां 22.6, करौली 22.7, जयपुर 22.3, अलवर 22, झुंझुनूं 22.8, दौसा 23.8, गंगानगर 23.5, चूरू 23.6, बीकानेर 23.8, कोटा 23.3, अजमेर 24.3, भीलवाड़ा 24.4, पिलानी 24.8, नागौर 24.4 और पाली 24.9 डिग्री सेल्सियस।

मौसम केंद्र जयपुर के निदेशक राधेश्याम शर्मा के अनुसार, अगले दो दिन प्रदेश में सर्द हवाओं का असर और बढ़ेगा, जिससे तापमान में 2 से 4 डिग्री तक और गिरावट आ सकती है। हालांकि, अगले एक सप्ताह तक मौसम शुष्क रहने की संभावना है।

उन्नाव रेप केस : पूर्व विधायक कुलदीप सेंगर की जमानत के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में याचिका

एजेंसी

नई दिल्ली । उन्नाव रेप केस में दोषी ठहराए गए पूर्व भाजपा विधायक कुलदीप सेंगर की जमानत के बाद से देश में फिर से विरोध शुरू हो गया है। दिल्ली हाईकोर्ट की डिवीजन बेंच ने सेंगर को जमानत दे दी थी, जिसके बाद से पूरे देश में प्रतिक्रिया देखने को मिली। इस फैसले के खिलाफ अब सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की गई है। यह याचिका वकील अंजले पटेल ने दायर की है। उन्होंने सुप्रीम कोर्ट से मांग की है कि कुलदीप सेंगर को दी गई जमानत को रद्द किया जाए। हालांकि, अंजले पटेल इस मामले में कोई पक्षकार नहीं हैं। वहीं, इस मामले में जुड़े असली पक्षकार सीबीआई और पीड़िता का परिवार पहले ही हाईकोर्ट के फैसले को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती देने की बात कर चुके हैं। सीबीआई ने हाईकोर्ट के फैसले का गहन अध्ययन कर लिया है और अब सुप्रीम कोर्ट में इसे चुनौती देने की तैयारी कर रही है। वहीं, पीड़िता का परिवार भी सेंगर की जमानत को लेकर चिंतित है। उनका कहना है कि सेंगर के बाहर आने से उनकी सुरक्षा को गंभीर खतरा हो सकता है।

गौरतलब है कि उन्नाव दुष्कर्म मामला साल 2017 में सामने आया था और पूरे देश को झकझोर कर रख दिया था। यह मामला एक नाबालिग लड़की के साथ हुए दुष्कर्म से जुड़ा था। लंबी कानूनी लड़ाई के बाद साल 2019 में कुलदीप सेंगर को दोषी ठहराया गया और उसे उम्रकैद की सजा सुनाई गई थी। वहीं, अब दिल्ली हाईकोर्ट ने मामले में कुलदीप सेंगर को जमानत दे दी है। इस फैसले के बाद कई संगठनों और आम जनता ने इसे गंभीर चिंता का विषय बताया है।

वहीं, अब दिल्ली हाईकोर्ट के

फैसले के खिलाफ वकील अंजले पटेल ने सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया है। हालांकि, सीबीआई या पीड़िता के परिवार की तरफ से सुप्रीम कोर्ट में पीआईएल दाखिल करने को लेकर अभी तक कोई जानकारी सामने नहीं आई है।

एनसीआर में तेज हवा का असर, वायु गुणवत्ता में सुधार; दिल्ली-नोएडा-गाजियाबाद ऑरेंज जोन में पहुंचे

एजेंसरी

नोएडा । राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) में तेज हवा चलने का साफ असर वायु गुणवत्ता पर देखने को मिला है। लंबे समय बाद दिल्ली, नोएडा और गाजियाबाद के कई इलाकों में एयर क्वालिटी इंडेक्स (एक्यूआई) में सुधार दर्ज किया गया और क्षेत्र ऑरेंज जोन में पहुंच गया। 25 दिसंबर की सुबह लोगों को घनी धुंध का सामना नहीं करना पड़ा, जिससे आम जनजीवन को बड़ी राहत मिली। मौसम विभाग और स्थानीय मौसम रिपोर्ट के अनुसार 25 दिसंबर को अधिकतम तापमान लगभग 22 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। वहीं 26 और 27 दिसंबर के लिए तापमान 20 से 6 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने का अनुमान है। इन दोनों दिनों में सुबह और दोपहर के समय 'डेंस फॉग' की संभावना जताई गई है। 27 दिसंबर को आर्द्रता 75 से 100 प्रतिशत तक रहने

का अनुमान है। अगर वायु गुणवत्ता की बात करें तो दिल्ली के कई निगरानी केंद्रों पर एक्यूआई ऑरेंज जोन में दर्ज किया गया। नरेला (डीपीसीसी) में एक्यूआई 245, नेहरू नगर 275, नॉर्थ कैंपस डीयू 201, एनएसआईटी द्वारका 279, ओखला फेज-2 में 222, पटपड़गंज 227, पंजाबी बाग 235, पूसा 250, आर.के. पुरम 227 और रोहिणी 259 दर्ज किया गया।

ये आंकड़े दर्शाते हैं कि भले ही प्रदूषण पूरी तरह खत्म नहीं हुआ है, लेकिन पहले की तुलना में स्थिति में स्पष्ट सुधार हुआ है। नोएडा में भी हवा की गुणवत्ता में सुधार देखने को मिला। सेक्टर-125 में एक्यूआई 225, सेक्टर-62 में 216, सेक्टर-1 में 252 और सेक्टर-116 में 206 दर्ज किया गया। गाजियाबाद के इलाकों में इंदिरापुरम में एक्यूआई 212, लोनी में 262, संजय नगर में 243 और वसुंधरा में 265 रहा। इन सभी क्षेत्रों में एक्यूआई ऑरेंज जोन की श्रेणी में दर्ज हुआ है।तेज हवा के चलते प्रदूषक कणों का फैलाव हुआ, जिससे स्मॉग की परत पतली हुई और दृश्यता बेहतर हुई। इसका सीधा फायदा यह हुआ कि ग्रैप-4 की सख्त पाबंदियां हटाई गईं। इसके बाद निर्माण कार्य, औद्योगिक गतिविधियों और अन्य जरूरी कामों में लोगों को राहत मिली है।हालांकि विशेषज्ञों का कहना है कि यह सुधार अस्थायी हो सकता है। आने वाले दिनों में यदि हवा की गति कम हुई और धुंध या कोहरा बढ़ा तो प्रदूषण का स्तर फिर से बढ़ सकता है। इसलिए लोगों को सतर्क रहने, स्वास्थ्य का ध्यान रखने और प्रदूषण नियंत्रण के नियमों का पालन करने की सलाह दी गई है।

असम के खेरोनी में सुरक्षा व्यवस्था को लेकर सेना-कमांडो ने किया फ्लैग मार्च

एजेंसी

कार्बी आंगलोंग (असम)। असम में कार्बी आंगलोंग जिले के खेरोनी क्षेत्र में कानून-व्यवस्था की स्थिति को नियंत्रण में रखने और किसी भी अप्रिय घटना को रोकने के उद्देश्य से सेना एवं कमांडो ने बुधवार रात पूरे इलाके में फ्लैग मार्च किया। सुरक्षा बलों की इस कार्रवाई का मकसद आम लोगों में विश्वास बहाल करना और शांति व्यवस्था सुनिश्चित करना बताया गया है। सूत्रों के अनुसार, फ्लैग मार्च के दौरान संवेदनशील इलाकों, बाजार क्षेत्रों और प्रमुख सड़कों को कवर किया गया। हाल के दिनों में उत्पन्न तनावपूर्ण हालात को देखते हुए प्रशासन ने एहतियातन सुरक्षा व्यवस्था को और सख्त किया है। अधिकारियों ने बताया कि रात के समय किसी भी प्रकार की अप्रिय घटना न हो, इसके लिए विशेष सतर्कता बरती जा रही है। रात में गश्त तेज कर दी गई है और सेना-कमांडो बलों को रणनीतिक स्थानों पर तैनात किया गया है।

पूरे क्षेत्र की लगातार निगरानी की जा रही है। जिला प्रशासन और पुलिस ने आम जनता से शांति बनाए रखने और सुरक्षा बलों के साथ सहयोग करने की अपील की है। साथ ही यह भी चेतावनी दी गई है कि कानून-व्यवस्था या सामाजिक सौहार्द बिगाड़ने की कोशिश करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

मिथुन चक्रवर्ती के 'बंगाल को बांग्लादेश न बनने दें' बयान पर सियासी घमासान, कांग्रेस-लेफ्ट ने किया पलटवार

एजेंसी

नई दिल्ली । भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेता मिथुन चक्रवर्ती ने पश्चिम बंगाल के मतदाताओं से टीएमसी के खिलाफ वोट करने की अपील करते हुए बयान दिया कि 'बंगाल को बांग्लादेश न बनने दें'। हालांकि, उनके बयान पर राजनीति शुरू हो चुकी है। इसी क्रम में कांग्रेस और लेफ्ट पार्टियों ने मिथुन चक्रवर्ती के बयान पर पलटवार किया है। कांग्रेस प्रवक्ता सुरेंद्र राजपूत ने कहा कि मिथुन चक्रवर्ती का मानसिक संतुलन खत्म हो चुका है। उन्होंने आईएएनएस से बातचीत में कहा, 'भारतीय जनता पार्टी ने उनको राज्यसभा नहीं दी, लोकसभा नहीं दी, इसलिए वो मानसिक संतुलन खोए हुए व्यक्ति की तरह बात कर रहे हैं। देशद्रोह की बात कर रहे हैं, बंगला भाषियों को बांग्लादेशी कहने का काम कर रहे हैं, बंगला भाषियों में हिंदू-मुसलमान करने का काम कर रहे हैं। ऐसे व्यक्ति की जगह या तो पागलखाने में होनी चाहिए या जेल में होनी चाहिए।' वहीं, मिथुन चक्रवर्ती के बयान पर सीपीआईएम के नेता हन्नान मोल्लाह ने कहा, 'पिछले 15 सालों से भाजपा और ममता बनर्जी

के बीच बहुत करीबी रिश्ता रहा है। इसलिए वे खुलेआम एक-दूसरे से लड़ेंगे, एक-दूसरे को गाली देंगे, लेकिन उनका मुख्य टारगेट यह है कि वे मिलकर लेफ्ट को खत्म करना चाहते हैं। ' इससे पहले, भाजपा नेता मिथुन चक्रवर्ती ने हुगली में बयान दिया कि वे पश्चिम बंगाल को बांग्लादेश नहीं बनने देंगे। उन्होंने कहा, 'कुछ लोगों का मानना ??है कि अगर पश्चिम बंगाल बांग्लादेश बन भी जाए तो भी सत्ता में रहना ठीक रहेगा, लेकिन यह सपना पूरा नहीं होगा। हमारे जैसे लोग हैं जो खून की आखिरी बूंद तक लड़ेंगे।

' मिथुन चक्रवर्ती ने लेफ्ट, कांग्रेस और तृणमूल कांग्रेस के हिंदू समर्थकों से ममता बनर्जी के खिलाफ एकजुट होने की अपील की। उन्होंने कहा, 'आप मेरे भाई-बहन हैं। मैं कम्युनिस्ट पार्टी और कांग्रेस के हिंदुओं से एकजुट होने का अनुरोध कर रहा हूं। मैं तृणमूल के हिंदुओं से भी कहूंगा, आइए एकजुट हों और इस सरकार के खिलाफ वोट करें। '

वेंकैया नायडू बने अटल स्मृति न्यास सोसायटी के अध्यक्ष

एजेंसी

नई दिल्ली। अटल स्मृति न्यास सोसायटी की एक महत्वपूर्ण बैठक में पूर्व उपराष्ट्रपति एम. वेंकैया नायडू को सोसायटी का अध्यक्ष निर्वाचित करने का निर्णय लिया गया। वे हाल ही में दिवंगत हुए विजय कुमार मल्होत्रा का स्थान लेंगे। बैठक नायडू के आधिकारिक आवास 1 त्यागराज मार्ग पर आयोजित हुई। न्यास के वरिष्ठ संस्थापक सदस्य रामबहादुर राय ने अन्य सदस्यों से परामर्श के बाद नायडू के नाम का प्रस्ताव रखा। बैठक में भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा, महासचिव अरुण सिंह तथा केंद्रीय कार्यालय सचिव महेंद्र पांडेय भी उपस्थित रहे। निर्णय लिया गया कि अध्यक्ष के रूप में नायडू, न्यास के कार्यों के संचालन के लिए गवर्निंग बॉडी और कार्यकारी समिति का गठन करेंगे। बैठक में न्यास की अब तक की गतिविधियों की जानकारी दी गई और यह तय किया गया कि देशभर में अटल बिहारी वाजपेयी के जीवन और विचारों को संरक्षित व प्रसारित करने के लिए नियमित कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी में टीचर की गोली मारकर हत्या, जांच में जुटी पुलिस

एजेंसी

अलीगढ़ । उत्तर प्रदेश में अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी कैंपस में एक 43 साल के शिक्षक की गोली मारकर हत्या कर दी गई। इस वारदात के बाद कैंपस में दहशत का माहौल है। मृतक की पहचान अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी के पूर्व छात्र राव दानिश के रूप में हुई है। वह पिछले 11 सालों से यूनिवर्सिटी कैंपस में एबीके हाई स्कूल में टीचर के तौर पर काम कर रहे थे। शुरुआती जानकारी के मुताबिक, बुधवार रात राव दानिश अपने दो साथियों के साथ रोज की तरह शाम की सैर के लिए निकले थे, तभी यह घटना हुई। रात करीब 8.50 बजे, स्कूटर सवार दो लोगों ने कथित तौर पर उन्हें रोका और बंदूक की नोक पर धमकी दी। इसके बाद दानिश को तीन गोलियां मारी गईं, जिनमें से दो सिर में लगीं।

रिपोर्ट्स के मुताबिक, अपनी रोज की आदत के अनुसार, टीचर राव दानिश हिलाल रात के खाने के बाद एएमयू कैंपस के अंदर शाम की सैर के लिए गए थे।

जब वह मौलाना आजाद लाइब्रेरी के पीछे बनी कैंटीन के पास पहुंचे, तो मोटरसाइकिल पर

सवार दो नकाबपोश हमलावरों ने उन्हें निशाना बनाया और गोलियां चला दीं। सीनियर सुपरिटेंडेंट ऑफ पुलिस (एसएसपी) नीरज जादौन ने पुष्टि की कि दोनों हमलावरों ने पीड़ित पर गोली चलाई। गोली लगने के बाद दानिश को जवाहरलाल नेहरू मेडिकल कॉलेज ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। गोलीबारी यूनिवर्सिटी की सेंट्रल लाइब्रेरी के पास हुई, यह इलाका शाम के समय आमतौर पर काफी भीड़भाड़ वाला रहता है। घटना की पुष्टि करते हुए एएमयू के प्रॉक्टर मोहम्मद वसीम अली ने मीडिया को बताया कि बुधवार रात करीब 9 बजे हमें जानकारी मिली कि लाइब्रेरी के पास गोलीबारी हुई और एक आदमी घायल हो गया है और उसे इलाज के लिए ले जाया जा रहा है। हमें पता चला कि जिस आदमी को गोली लगी थी, वह दानिश राव था और वह एबीके स्कूल में टीचर था। उसे सिर में गोली लगी थी। उसकी मेडिकल कॉलेज में मौत हो गई।

घटना के बाद, वाइस-चांसलर नईमा खातून, एएमयू प्रशासन के सीनियर सदस्यों के साथ अस्पताल पहुंचीं। एसएसपी नीरज जादौन, एसपी सिटी मृगांक शेखर पाठक और सीओ सिविल लाइंस सर्वम कुमार सहित सीनियर पुलिस अधिकारी भी मौके पर पहुंचे और जांच शुरू की। क्राइम सीन की जांच करने और सबूत इकट्ठा करने के लिए लोकल पुलिस टीमों, एक डॉग स्क्वॉड और एक फोरेंसिक टीम को तैनात किया गया।

पुलिस अधिकारियों ने बताया कि हमलावरों की पहचान करने और उनकी हरकतों का पता लगाने के लिए,रूकैंपस और आसपास के इलाकों के सीसीटीवी फुटेज खंगाले जा रहे हैं।

लद्दाख के मुख्य सचिव व सेना प्रमुख की मुलाकात, सीमावर्ती क्षेत्रों के विकास पर हुई बात

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय सेना लद्दाख के सीमावर्ती क्षेत्रों में ढांचागत विकास पर लगातार फोकस करती रही है। सेना प्रमुख ने लद्दाख के सीमावर्ती इलाकों में चल रही विकास परियोजनाओं पर लद्दाख के मुख्य सचिव से चर्चा की है। दरअसल लद्दाख के नामित मुख्य सचिव ने यहां नई दिल्ली में सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी से मुलाकात की है। इस मुलाकात के दौरान दोनों वरिष्ठ अधिकारियों के बीच लद्दाख स्थित इंडिया के फर्स्ट विलेजिस में चल रहे और प्रस्तावित विकास कार्यों पर विस्तृत विचार-विमर्श किया गया। गौरतलब है कि सेना और सरकार का उद्देश्य इन गांवों को अधिकतम ढांचागत सुविधाएं मुहैया कराना है। इसके साथ ही कठिन मौसम में लद्दाख के अधिकांश इलाकों को देश के बाकी हिस्सों से जोड़े रखने के महत्वपूर्ण प्रयास भी किए गए हैं। ऐसे में लद्दाख के मुख्य सचिव आशीष कुंद्रा की सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी से हुई शिष्टाचार भेंट काफी महत्वपूर्ण मानी जा रही है। इस मुलाकात में सेना प्रमुख व लद्दाख के मुख्य सचिव ने लद्दाख के सीमावर्ती इलाकों के गावों के विकास पर बात की। बैठक में यह रेखांकित किया गया कि लद्दाख जैसे सामरिक रूप से महत्वपूर्ण क्षेत्र में संपूर्ण-सरकार दृष्टिकोण अपनाना समय की मांग है। इससे सीमांत इलाकों का विकास राष्ट्रीय सुरक्षा के उद्देश्यों के साथ तालमेल बिठाकर आगे बढ़ सकेगा। लद्दाख में विशेष रूप से सड़क व संचार अवसंरचना, ऊर्जा समाधान, पर्यटन-संबंधी अवसरों, आजीविका सुधार तथा स्थानीय समुदायों की आवश्यकताओं को पूरा करने के उपाय किए जा रहे हैं। जनरल द्विवेदी और आशीष कुंद्रा दोनों ने इस बात पर सहमति व्यक्त की कि सिविल-मिलिट्री समन्वय को मजबूत करने से न केवल सीमांत क्षेत्रों में जीवन स्तर में सुधार होगा, बल्कि यह राष्ट्रीय सुरक्षा को भी और अधिक सुदृढ़ बनाएगा। सेना और प्रशासन के बीच तालमेल के जरिए दूरस्थ गांवों में कनेक्टिविटी बढ़ाने, बुनियादी सेवाएं उपलब्ध कराने और रोजगार के नए अवसर विकसित करने में तेजी लाई जा सकती है।

मुलाकात ने यह संकेत दिया कि लद्दाख में आगामी महीनों में सीमा क्षेत्रों के विकास के लिए एकीकृत प्रयास और अधिक गति पकड़ेंगे। इससे भारत के प्रथम गांव न केवल बुनियादी सुविधाओं से सशक्त होंगे, बल्कि राष्ट्रीय गर्व और सामरिक मजबूती के स्तंभ के रूप में भी उभरेंगे। गौरतलब है कि इसी माह लद्दाख में दारबुक-श्योक-दौलत बेग ओल्डी रोड पर निर्मित 900 मीटर लंबी श्योक टनल शुरू की गई है।

बॉक्सिंग डे टेस्ट में जीत का सिलसिला बनाये रखने उतरेगी ऑस्ट्रेलियाई टीम

मेलबर्न (एजेंसी)। स्टीव स्मिथ की कप्तानी में ऑस्ट्रेलियाई टीम गुरुवार से यहां इंग्लैंड के खिलाफ एशेज सीरीज के बॉक्सिंग डे टेस्ट में उतरेगी। ऑस्ट्रेलियाई टीम ने पहले ही पांच मैचों की सीरीज 3-0 से जीत ली है। ऐसे में उसको मनोबल बढ़ा हुआ है जिससे वह इस चौथे टेस्ट मैच में भी जीत की प्रबल दावेदार है। इस मैच में नियमित कप्तान पैट कमिंस और स्पिनर नाथन लियोन नहीं खेल रहे। कमिंस को कार्यभार प्रबंधन के तहत आराम दिया गया है। वहीं लियोन चोटिल होने के कारण बाहर है। ऐसे में ऑस्ट्रेलिया बिना किसी मुख्य स्पिनर के पूरी तरह तेज गेंदबाजों के भरोसे उतरेगी। बॉक्सिंग डे टेस्ट में नाथन लियोन की जगह टॉड मर्फी को अवसर मिलता है या नहीं ये देखना होगा। माइकल नीसर, ब्रेंडन डॉजेट और जे रिचडर्सन में से किसी दो अंतिम एकादश में जगह मिलना तय है। अगर रिचडर्सन को मौका मिलता है, तो यह एशेज 2021-22 के बाद उनका पहला टेस्ट होगा। वहीं नीसर के लिए यह उनका पहला रेड-बॉल टेस्ट होगा। अब तक उन्होंने जो तीन टेस्ट मैच खेले हैं, सभी पिंक-बॉल टेस्ट रहे हैं। इस बीच कैमरन ग्रीन को बल्ले से खराब दौर के बीच बल्लेबाजी क्रम में नीचे 7 पर उतारा जाएगा। उस्मान ख्वाजा नंबर 5 पर बल्लेबाजी करेंगे और फॉर्म में चल रहे ऐलेक्स कैरी नंबर 6 पर बने रहेंगे। वहीं दूसरी ओर मेहमान टीम इंग्लैंड तेज गेंदबाज जोफ्रा आर्चर के बिना उतरेगी। आर्चर चोटिल होने के कारण बाहर हो गये हैं। के लिए अब भी कोई जगह नहीं है। उनकी जगह पर गस एटकिंसन को शामिल किया गया है। विशेषज्ञ स्पिनर शोएब बशीर को इस बार भी टीम में जगह नहीं मिली है। इंग्लैंड को इस मैच में जीत दर्ज करनी है तो बेहतर बल्लेबाजी और गेंदबाजी करनी होगी। अनुभवी बल्लेबाज जो रुट को बड़ी पारी खेलनी होगी।

बेन डकेट से भी बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद रहेगी। इस मैच में ऑली पोप की जगह पर जैकब बेथेल को नंबर 3 पर बल्लेबाजी के लिए शामिल किया गया है। टीम की बल्लेबाजी रुट के अलावा जैक क्रॉली व हैरी ब्रुक पर भी आधारित रहेगी। जहां तक पिच की बात है मेलर्बन की इस पिच से तेज गेंदबाजों को अच्छी सहायता मिलने की संभवना है।

टीम इस प्रकार है

ऑस्ट्रेलिया : स्टीव स्मिथ (कप्तान),जेक वेदराल्ड, ट्रैविस हेड, मार्नस लाबुशेन, उस्मान ख्वाजा, ऐलेक्स कैरी (विकेटकीपर), कैमरन ग्रीन, माइकल नीसर,मिचेल स्टार्क, ब्रेंडन डॉजेट/जे रिचडर्सन, स्कॉट बोलैंड

इंग्लैंड: बेन स्टोक्स (कप्तान), जैक क्रॉली, बेन डकेट, जेकब बेथेल, जो रूट, हैरी ब्रूक, जेमी स्मिथ (विकेटकीपर), विल जैक्स, गस एटकिंसन, ब्राइडन कार्स, जॉश टंग

सिंधु बनी बीडब्ल्यूएफ एथलीट्स कमीशन की चेयरपर्सन

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय महिला बैडमिंटन स्टार पीवी सिंधु को 2026-2029 तक के लिए विश्व बैडमिंटन संघ (बीडब्ल्यूएफ) के एथलीट्स कमीशन की चेयरपर्सन बनाया गया है। ऐसे में पूर्व ओलंपिक पदक विजेता सिंधु अब बीडब्ल्यूएफ काउंसिल में सदस्य के तौर पर काम करेंगी जिससे खिलाड़ियों के हित की बातें इस संस्था के जरिये वह उठा सकेंगी। इस दौरान उन्हें विश्वस्तर पर भागीदारी में भी सहायता मिलेगी। वहीं नीदरलैंड की डेबोरा जिल को सिंधु की सहायक बनाया गया है। सिंधु ने कहा, साथी एथलीटों द्वारा यह महत्वूर्ण जिम्मेदारी सौंपना मेरे लिए सम्मान की बात है, जिसे मैं विनम्रता और के साथ स्वीकार करती हूं। मैं पिछले कार्यकाल में किए गए असाधारण काम के लिए चेयरपर्सन रही ग्रेसिया पोली को भी दिल से धन्यवाद देना चाहती हूं।

उन्होंने कहा, 'हमारे पास अब हर खिलाड़ी की आवाज उठाने का एक मध्यम आ गया हे। यह एक शानदार अवसर है। मैं इसमें हर खिलाड़ी का प्रतिनिधित्व करने और सार्थक, स्थायी बदलाव के लिए लड़ने के लिए बीडब्ल्यूएफ मीडिया के साथ मिलकर काम करने को लेकर पूरी तरह गंभीर हूं।

बुमराह और ऋषभ ने अपने कमेंट पर मुझसे माफी मांगी थी : बावुमा

जोहांसबर्ग (एजेंसी)। दक्षिण अफ्रीकी क्रिकेट टीम के कप्तान टेम्बा बावुमा ने कहा है कि भारत दौरे में कुछ बातों को लेकर उनका तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह और विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत से विवाद हुआ था हालांकि दोनो ने ही बाद में उनसे मुलाकत कर खेद जताया था। बावुमा की कप्तानी में दक्षिण अफ्रीकी टीम ने इस दौरे में भारतीय टीम को 2-0 से हरा दिया था। सीरीज का पहला टेस्ट कोलकाता में खेला गया था। इसी टेस्ट में बुमराह और ऋषभ ने बावुमा की कम लंबाई पर टिप्पणी करते हुए उन्हें बौना कहा था। जिसकी मीडिया में काफी आलोचना भी हुई थी। बावुमा ने कहा है कि इसके बाद ऋषभ और बुमराह ने उनसे इस मामले में माफी मांग ली थी।

वहीं बावुमा ने मान कि कोच शुकरी कॉनराड ने भारतीय टीम को घुटने पर लाने जैसे जो टिप्पणी की थी वह गलत थी। उन्हें इस प्रकार की बात नहीं कहनी चाहिये थी।

बावुमा ने कहा, 'मुझे पता है कि मेरे साथ एक घटना हुई थी जहां भारतीय खिलाड़ियों ने मुझे कुछ कहा था पर मैच समाप्त होने के बाद ऋषभ और बुमराह आए और उन्होंने माफी मांगी।' उन्होंने कहा, 'तब मुझे नहीं पता था कि यह किस बारे में थी। मैंने उस समय इसके बारे में सुना नहीं था और मुझे फिर इस बारे में अपने मीडिया मैनेजर से बात करनी पड़ी थी।'

बावुमा ने आगे कहा, मैदान पर जो होता है उसे हम मन में नहीं रखते हुए बेहतर प्रदर्शन करने पर ध्यान देते हैं।

श्रीलंका के खिलाफ तीसरे टी20 मैच को जीतकर सीरीज पर कब्जा करने उतरेगी भारतीय टीम

तिरूवनंतपुरम (एजेंसी)। भारतीय महिला क्रिकेट टीम शुक्रवार को यहां श्रीलंकाई टीम के खिलाफ होने वाले तीसरे टी20 मैच में जीत के साथ ही पांच मैचों की सीरीज अपने नाम करने उतरेगी। भारतीय टीम पहले दोनो ही मैचों में जीत के साथ ही अभी सीरीज में 2-0 से आगे है। भारतीय टीम ने विशाखापत्तनम में पहले दो टी20 मैचों में आठ और सात विकेट से जीत दर्ज की है। भारतीय टीम अभी तक बल्लेबाजी और गेंदबाजी में मेजबान टीम पर भारी पड़ी है। भारतीय टीम की ओर पहले मैच में जेमिमा रौड्रिग्स जबकि दूसरे में शेफाली वर्मा ने अच्छा प्रदर्शन किया था। वहीं गेंदबाजी भी अबतक अच्छी रही है। स्पिनरों ने पहले मैच में श्रीलंका को छह विकेट पर 121 और दूसरे में नौ विकेट पर 128 रनों पर ही समेट दिया था। एन श्रीचरणी, वैष्णवी शर्मा और क्रांति गौड़ ने अब तक दोनो ही मैचों में अच्छी गेंदबाजी की है।

भारतीय टीम को हालांकि फिल्डिंग पर ध्यान देना होगा। अब तक के दोनो ही मैचों में उसने काफी अवसर खोये। पहले मैच में पांच कैच गिरे जबकि दूसरे मैच में तीन रन आउट के अवसर उसने गंवाए।

वहीं श्रीलंका को उम्मीद इस मैच में जीतकर सीरीज में हार टालना चाहेगी। पहले दोनो ही मैचों में उसके बल्लेबाज और गेंदबाज असफल रहे थे। अब उसे अपने बल्लेबाजों और गेंदबाजों से बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद रहेगी। उसकी बल्लेबाजी में भी निरंतरता की कमी रही है। दोनो ही टीमें इस प्रकार हैं।

भारत : हरमनप्रीत कौर (कप्तान), स्मृति मंधाना (उपकप्तान), दीप्ति शर्मा, स्नेह राणा, जेमिमा रोड्रिग्स, शैफाली वर्मा, हरलीन देयोल, अमनजोत कौर, अरुंधति रेड्डी, क्रांति गौड़, रेणुका सिंह ठाकुर, ऋचा घोष (विकेटकीपर), जी कमलिनी (विकेटकीपर), श्री चरणी, वैष्णवी शर्मा।

श्रीलंका : चामरी अटापट्टू (कप्तान), हसिनी परेरा, विष्मी गुणरत्ने, हर्षिता समरविक्रमा, नीलाक्षिका डी सिल्वा, कविशा दिलहारी, इमेशा दुलानी, कौशिनी नुथ्यांगना, मालशा शेहानी, इनोका राणावीरा, शशिनी गिम्हानी, निमेश मदुशानी, काव्या कविंदी, रश्मिका सेववंडी, मल्की मदारा।

ब्राजील के फोन्सेका ने टॉप 15 टेनिस खिलाड़ियों में जगह बनाने का रखा लक्ष्य

रियो डी जेनेरो ।ब्राजील के टीनएजर जोआओ फोन्सेका ने अगले साल दुनिया के टॉप 15 पुरुष टेनिस खिलाड़ियों में शामिल होने का लक्ष्य रखा है, क्योंकि वह अपनी हालिया प्रगति को आगे बढ़ाना चाहते हैं। 19 साल के इस खिलाड़ी ने 2025 में दो खिताब जीते, जो एटीपी टूर पर उनका पहला पूरा सीजन था, लेकिन उन्होंने कहा कि वह इसे सिर्फ़ एक शुरुआत मानते हैं। रियो डी जेनेरो में जन्मे फोन्सेका ने मैगज़ीन वेजा को बताया, 'मेरा इरादा दुनिया के टॉप 15 में जगह बनाने का है। यह थोड़ा मुश्किल है, लेकिन मैं बड़ा सोच रहा हूं। मैं बिना उतार-चढ़ाव के लगातार अच्छे नतीजों पर भी ध्यान दूँगा।' फोन्सेका ने इस साल 113वीं रैंक से शुरुआत की थी, लेकिन ब्यूनस आयर्स (एटीपी 250) और बेसल (एटीपी 500) में जीत के बाद वह 24वें नंबर पर पहुंच गए हैं। 2025 में उनकी अन्य उपलब्धियों में फ्रेंच ओपन और विंबलडन में तीसरे राउंड तक पहुंचना शामिल है।उन्होंने टेनिस के अलावा नए साल के कुछ और संकल्पों के बारे में भी बात की। फोन्सेका ने कहा, 'अपने खाली समय में, मैं इटैलियन सीखना चाहता हूं, पोकर कोर्स करना चाहता हूं और अपने पैसे मैनेज करना चाहता हूं।' ब्राजील के एकमात्र पुरुष ग्रैंड स्लैम सिंगल्स चैंपियन गुस्तावो कुएटर्न हैं, जिन्होंने 1997, 2000 और 2001 में फ्रेंच ओपन जीता था।

टी20 विश्वकप से पहले लय में आये रिंकू, विजय हजारे ट्रॉफी में खेली आक्रामक पारी

नई दिल्ली ।विजय हजारे ट्रॉफी में फिनिशर रिंकू सिंह ने अच्छा प्रदर्शन किया है।नये साल में होने वाले आईसीसी टी20 विश्व कप के पहले रिंकू के लय में आने से भारतीय टीम प्रबंधन को भी राहत मिलेगी। पिछले कुछ समय से रिंकू का प्रदर्शन कुछ खास नहीं रहा था इससे बाद भी प्रबंधन ने उन्हें फिनिशर के तौर पर भारतीय टीम में शामिल था। वहीं अब रिंकू ने विजय हजारे ट्रॉफी में उत्तर प्रदेश की कप्तानी करते हुए हैदराबाद के खिलाफ आक्रामक पारी खेलकर एक बार फिर अपनी क्षमताओं को साबित किया है। रिंकू ने 48 गेंद में 139.58 के स्ट्राइक रेट से 67 रन बनाए। ऐसे में प्रशंसकों को उसने इसी प्रकार के प्रदर्शन की उम्मीद रहेगी। रिंकू भारतीय टी20 टीम के लिए फिनिशर की भूमिका निभाते हैं। रिंकू ने अंतिम बार एशिया कप 2025 के फाइनल में पाकिस्तान के खिलाफ खेला था।तब उन्हें केवल एक गेंद खेलने का अवसर मिला था। रिंकू ने उसपर चौक लगाकर भारतीय टीम को खिताबी जीत दिलायी थी। उनको सिर्फ एक बॉल खेलने का मौका मिला था और उन्होंने उसी पर चौका लगाकर भारत को फाइनल जिताया था। वहीं रिंकू के अलावा आईपीएल में मुम्बई इंडियंस की ओर से खेलने वाले पंजाब के बल्लेबाज नमन धीर ने भी विजय हजारे ट्रॉफी में अच्छी बल्लेबाजी की है।नमन ने महाराष्ट्र के खिलाफ 97 रन बनाये।उन्होंने अपनी पारी में 7 चौके और 4 छक्के लगाए।नमन को उनकी इस पारी के लिए प्लेयर ऑफ द मैच का अवॉर्ड भी दिया गया। नमन मुम्बई के भरोसेमंद खिलाड़ियों में है।

डब्ल्यूपीएल में दिल्ली कैपिल्स की कप्तानी करेंगी जेमिमा रोड्रिग्स

मुम्बई (एजेंसी)। दिल्ली कैपिटल्स ने महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) के 2026 सत्र के लिए मेग लैनिंग की जगह बल्लेबाज जेमिमा रोड्रिग्स को कप्तान बनाया है। लैनिंग की कप्तानी में दिल्ली की टीम तीन बार टूर्नामेंट के फाइनल तक पहुंची है पर एक बार भी खिताब नहीं जीत पायी है। दिल्ली कैपिटल्स के सह मालिक पार्थ जिंदल ने पहले ही कहा था कि इस बार टीम की कमान किसी भारतीय खिलाड़ी को ही दी जाएगी। दिल्ली की टीम में दक्षिण अफ्रीका की अनुभवी बल्लेबाज लाउरा वोलवार्ट भी शामिल हैं। वोलवार्ट की कप्तानी में दक्षिण अफ्रीका की टीम महिला विश्व कप के फाइनल में पहुंची थी पर इसके बाद भी दिल्ली ने जेमिमा पर भरोसा जताया है।

डब्ल्यूपीएल में जेमिमा का प्रदर्शन अच्छा रहा है। इस बल्लेबाज ने 27 मैचों में तीन अर्धशतक के साथ ही 28.16 के औसत से 507 रन बनाए हैं, और इस दौरान उनका स्ट्राइक रेट 139.66 का रहा है। उनका इस टूर्नामेंट में सबसे अधिक स्कोर नाबाद 69 रन रहा है। दिल्ली कैपिटल्स डब्ल्यूपीएल 2026 में अपने पहले मुकाबले में 10 जनवरी को मुंबई इंडियंस से खेलेगी।

जेमिमा ने कप्तान बनाये जाने पर खुशी जतायी है। साथ ही कहा, दिल्ली कैपिटल्स की कप्तान बनना मेरे लिए बेहद सम्मान की बात है। मैं टीम के मालिकों और सहयोगी स्टाफ की आभारी हूं जिन्होंने मुझ पर भरोसा जताते हुए मुझे इस टीम का नेतृत्व करने का अवसर दिया। यह शानदार अवसर मिलना मेरे और मेरे परिवार के लिए किसी सपने के सच होने जैसा है। इस बल्लेबाज ने कहा, मैंने पिछले तीन वर्षों में बहुत कुछ सीखा है और दिल्ली कैपिटल्स के साथ अपने कुछ बेहतरीन पल साझा किए हैं। हमारे पास एक मजबूत टीम है और मैं मैदान में उतरने के लिए उत्सुक हूं क्योंकि हम एक बहुत ही अच्छे सत्र की उम्मीद कर रहे हैं।

दिल्ली कैपिटल्स टीम

जेमिमा रोड्रिग्स, शेफाली वर्मा, मारिजाने कप्प, एनाबेल सदरलैंड, निकी प्रसाद, लाउरा वोलवार्ट, चिनेले हेनरी, श्री चरणी, स्नेह राणा, लिजेल ली, दीया यादव, तानिया भाटिया, ममता मादीवाला, नंदनी शर्मा, लुसी हैमिल्टन, मिन्नू मणि।

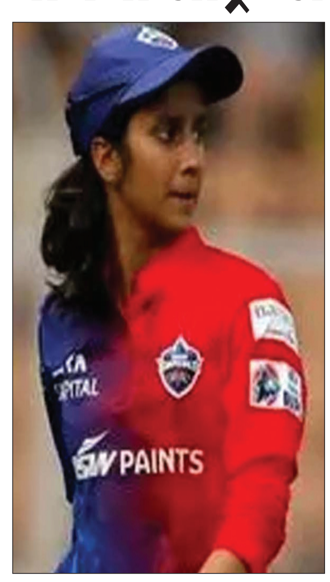

जयपुर के सुभाष ने हांगकांग इंटरनेशनल जूनियर स्क्वैश चैंपियनशिप में जीता गोल्ड

जयपुर। राजस्थान की राजधानी जयपुर के सुभाष चौधरी ने हांगकांग इंटरनेशनल जूनियर स्क्वैश चैंपियनशिप में ब्वायज अंडर 17 वर्ग में स्वर्ण पदक जीत कर प्रदेश और देश का नाम रोशन किया है। कोच खांगा राम चौधरी ने बुधवार को बताया कि यह प्रतियोगिता हांगकांग में 19 से 24 दिसम्बर तक आयोजित की गई। उन्होंने बताया कि सुभाष चौधरी जयपुर की नीरजा मोदी स्कूल 10वीं कक्षा का विद्यार्थी है। इसके फिटनेस कोच अंकित मानावता है और सुभाष ने पहले राउंड में बाई मिली, दूसरे राउंड में हांगकांग के ली हो सोम को 11-6, 11-6, 11-8 से, प्री क्वार्टर में मकाऊ के तम हाऊ इन को 11-0, 11-4, 11-4 से हराया। इससे पहले उन्होंने क्वार्टर फाइनल में हांगकांग के हा चूं हीन को 11-5, 9-11, 11-6, 11-8, और सेमी फाइनल में हांगकांग के युएन तज लांग को 11-5, 11-5, 11-2 से तथा फाइनल मुकाबले में सिंगापुर के रेहान सिंह को 11-4, 11-4, 11-5 से हरा कर स्वर्ण पदक अपने नाम किया।

इस साल सबसे अधिक रनों का शुभमन का रिकार्ड तोड़ पायेंगे रुट !

मेलबर्न ।इंग्लैंड के जो रुट के पास इस साल सबसे अधिक रनों का रिकार्ड अपने नाम करने का अच्छा अवसर है। अभी तक इस साल सबसे ज्यादा रन भारतीय टीम के कप्तान शुभमन गिल के नाम हैं। भारत के टेस्ट व एकदिवसीय कप्तान बने शुभमन ने इस साल तीनों प्रारुपों को मिलाकर कुल 1764 रन के साथ नंबर-1 पोजीशन हासिल की हुई है। वहीं दूसरे नंबर पर वेस्टइंडीज के शाई होप हैं उनके नाम 1760 रन पर हैं। वहीं इंग्लैंड के दिग्गज बल्लेबाज रूट के नाम 1598 रन हैं और वह शुभमन से 167 रन पीछे हैं। वेस्टइंडीज और भारतीय टीम को अब इस साल कोई और मैच नहीं खेलना है। ऐसे में अब शुभमन और होप और ज्यादा रन नहीं बना सकते। वहीं रुट को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 26 दिसंबर से एक टेस्ट मैच खेलना है। ऐसे में रुट के पास दो पारियों मे शुभमन का रिकार्ड तोड़ने का अच्छा अवसर है। अब देखना है कि वह इसमें सफल रहते हैं या नहीं। रूट अगर चौथे एशेज टेस्ट में शतक लगाने में सफल हुए तो वह शुभमन को पीछे छोड़कर पहले नंबर पर पहुंच सकते हैं। वहीं इस साल सबसे अधिक रन बनाने वालों की सूची में ब्रायन बेनेट 1585 और आगा सलमान- 1569 रन हैं।

जोकोविच की नजरें ऑस्ट्रेलियाई ओपन पर लगीं

माल्टा ।सर्बिया के टेनिस स्टार नोवाक जोकोविच की नजरें अब अगले साल होने वाले ऑस्ट्रेलियन ओपन पर लगी हैं। इसमें वह रिकॉर्ड 25वां ग्रैंड स्लैम जीतने उतरेंगे। इससे पहले वह एडिलेड इंटरनेशनल में उतरकर अपनी तैयारियों की समीक्षा करेंगे। हैं। इसी को देखते हुए जोकोविच ने नये ट्रेनिंग पार्टनर फ्रांस के आर्थर काजॉक्स के साथ अभ्यास शुरु कर दिया है। इससे काजॉक्स बेहद उत्साहित हैं। इस युवा खिलाड़ी ने लिखा, तीन शानदार दिन, ट्रेनिंग, सीखने और एक महान खिलाड़ी के साथ अनुभव साझा करने का अवसर मिला। बहुत आभारी हूं। काजॉक्स ने साल 2025 में अपनी करियर की सर्वश्रेष्ठ रैंकिंग 58 हासिल की। उन्होंने एटीपी फाइनल में खेलते हुए कई बड़े खिलाड़ियों को हराया और ग्रैंड स्लैम स्तर पर ऑस्ट्रेलियन ओपन और विंबलडन में दो जीत दर्ज की। इस प्रदर्शन से प्रभावित होकर ही जोकोविच ने उन्हें ट्रेनिंग पार्टनर बनाया है। इस साझेदारी से दोनों खिलाड़ियों को लाभ हो रहा है। जहां जोकोविच एक युवा से खेलकर इससे अपने खेल को और बेहतर बना रहे हैं। वहीं काजॉक्स को एक शीर्ष खिलाड़ी से खेलने के कारण सीखने का मिल रहा है। जोकोविच जैसे खिलाड़ी के साथ अभ्यास करने से काजॉक्स को तकनीक और रणनीति बनाने का भी अनुभव हो रहा है।

मुश्किल हालात में कमान संभालने के लिए अनुभवी खिलाड़ियों की जरूरत है : पीआर श्रीजेश

नई दिल्ली (एजेंसी)। एसजी पाइपर्स हॉकी के डायरेक्टर पीआर श्रीजेश ने कहा है कि अगर फ्रेंचाइजी को हॉकी इंडिया लीग (एचआईएल) के आने वाले सीजन में अच्छा प्रदर्शन करना है, तो अनुभवी खिलाड़ियों को आगे बढ़कर नेतृत्व की भूमिका निभानी होगी, खासकर जब हालात ठीक न हों।

भारत के पूर्व महान खिलाड़ी ने कहा, 'पिछले सीजन में हमने जीत के साथ शुरुआत की थी, लेकिन उसके बाद टीम बिखर गई, टीम को संभालने वाला कोई लीडर नहीं था, अनुभवी खिलाड़ियों को आगे आकर कमान संभालनी चाहिए थी। इस बार ऐसा नहीं होना चाहिए।' एसजी पाइपर्स 2024-25 सीजन में पुरुष और महिला दोनों कैटेगरी में टेबल में सबसे नीचे रही थी। श्रीजेश, जो जूनियर इंडिया हॉकी टीम के हेड कोच भी हैं, ने बताया कि पूर्व भारतीय अंतरराष्ट्रीय अनुभवी खिलाड़ी रूपिंदर पाल सिंह को टीम में मेंटरशिप और बीच में नेतृत्व देने के लिए चुना गया है।

'रूपिंदर को चुनने के पीछे मेरा विचार यह था कि हमें एक मेंटर की जरूरत है, हमें ऐसे किसी व्यक्ति की जरूरत है जो मैदान पर टीम को कड़ी मेहनत करने के लिए प्रेरित करे। हम उनका समझदारी से इस्तेमाल करेंगे ताकि उनसे ज़्यादा से ज़्यादा फायदा मिल सके।' पद्म भूषण पुरस्कार विजेता, जिनके नेतृत्व में भारत की जूनियर हॉकी टीम ने 2025 के हॉकी जूनियर विश्व कप में कांस्य पदक जीता था, ने कहा कि वह परिणाम से खुश हैं, लेकिन इस बात पर ज़ोर दिया कि आने वाले दिनों में टीम के प्रदर्शन का बारीकी से विश्लेषण किया जाएगा।

'कांस्य पदक अच्छा है, इन युवा खिलाड़ियों के पास अपने सभी प्रयासों का नतीजा दिखाने के लिए कुछ है, हालांकि, महत्वपूर्ण यह है कि वे समझें कि वे सेमीफाइनल में या पूरे टूर्नामेंट में और क्या कर सकते थे। इसलिए एचआईएल के बाद हम सबसे पहले उन्हें उनके सभी मैच दिखाएंगे। मैं चाहता हूं कि वे जानें कि 2027 में उन्हें उन्हीं चुनौतियों का सामना करना पड़ेगा, शायद किसी दूसरे शहर में, और उन्हें उनसे निपटने के लिए बेहतर तरीके से तैयार रहना होगा।'

उन्हें लगा कि जर्मनी के खिलाफ सेमीफाइनल में, जिसमें भारत हार गया था, वह बेहतर फैसले ले सकते थे। 'मुझे लगा कि जर्मनी के खिलाफ मैच के दौरान मैं कुछ चीजें बेहतर कर सकता था, टैक्टिकली और फैसले लेने के मामले में भी। हालांकि मेरे ज़्यादातर फैसले सही थे, यहां तक कि अर्जेंटीना के खिलाफ हमने जो इनडायरेक्ट वेरिएशन किए थे, हमने वही वेरिएशन उनके खिलाफ लगातार आजमाए और वे काम आए, साथ ही, मेरा एक और शानदार फैसला यह था कि आखिरी फ्लिक के लिए रोहित की जगह मैंने अनमोल को लेने के लिए कहा, जो सही साबित हुआ।'

श्रीजेश, जिन्होंने तीन बार FIH गोलकीपर ऑफ द ईयर का अवॉर्ड जीता है, ने एक खिलाड़ी और एक कोच होने के बीच कुछ बड़े अंतर बताए।उन्होंने कहा, 'मैं अपने कोचिंग रोल का आनंद ले रहा हूं, जूनियर टीम के साथ लगभग एक साल हो गया है, और मैं नए खिलाड़ियों के एक नए ग्रुप का इंतजार कर रहा हूं, और मुझे नए ग्रुप के साथ शुरू से शुरुआत करनी होगी, इसलिए यह एक बड़ी चुनौती होने वाली है। एक खिलाड़ी के तौर पर, प्रोग्रेस लीनियर होती है 1 से 10, फिर 10 से 15, 15 से 20 और इसी तरह, लेकिन एक कोच के तौर पर आप 20 तक पहुंचते हैं, फिर जब नया बैच आता है तो आप फिर से एक से शुरू करते हैं।'

किआरा आडवाणी ने टॉक्सिक में अपनी भूमिका के बारे में किया खुलासा

बॉलीवुड एक्ट्रेस किआरा आडवाणी ने हाल ही में अपनी आने वाली फिल्म टॉक्सिक- ए फेयरी टेल फॉर ग्रोन-अप्स के लिए एक पोस्ट शेयर किया। इसमें उन्होंने अपनी भूमिका को बहुत खास बताया।

टॉक्सिक में रोल को लेकर किआरा का खुलासा

फिल्म टॉक्सिक में नादिया का रोल निभा रही किआरा आडवाणी ने एक्स पर एक नोट लिखा, यह रोल मुझसे शारीरिक, मानसिक और भावनात्मक रूप से बहुत कुछ मांगता था। मेरे लिए यह पूरी तरह बदलाव लाने वाला अनुभव रहा। अब तक का मेरा सबसे मुश्किल रोल। महीनों की मेहनत। एक निडर छलांग। इस फर्स्ट लुक को इतना प्यार मिलना मेरे लिए सबकुछ है। मैं शब्दों से ज्यादा आभारी हूं।

फिल्म निर्माताओं का पोस्ट

हाल ही में फिल्म के निर्माताओं ने किआरा का फर्स्ट लुक जारी किया था। इसमें किआरा को स्टाइलिश गाउन में दिखाया गया, जो फर्श तक लंबी और ऊंची स्लिट वाली है। वह चमकदार स्टेज पर आत्मविश्वास से खड़ी नजर आईं। बैकग्राउंड में सर्कस जैसा माहौल दिखा। उनके चेहरे पर ग्लैमर के साथ दुख और उदासी के भाव नजर आए।

फिल्म टॉक्सिक के बारे में

यश की मुख्य भूमिका वाली यह फिल्म 19 मार्च 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। इसे गीतु मोहनदास ने निर्देशित किया है। प्रोडक्शन वीएन प्रोडक्शंस और मॉन्स्टर माइंड क्रिएशन्स ने किया है। यह कन्नड़ और अंग्रेजी भाषाओं में रिलीज होगी। बाद में इसे हिंदी, तमिल, तेलुगु और मलयालम में डब किया जाएगा। यह कन्नड़ सुपरस्टार यश की सुपरहिट फिल्म केजीएफ चैप्टर 2 (2022) के बाद पहली फिल्म है। किआरा को हाल ही में वॉर 2 में देखा गया था, जिसमें ऋतिक रोशन और जूनियर एनटीआर मुख्य भूमिका में थे।

राशा थडानी से अहान पांडे तक

इस साल इन स्टार किड्स ने किया डेब्यू

इस साल कई नए सितारों ने सिनेमा की दुनिया में कदम रखे। चर्चित सितारों के बच्चों के डेब्यू ने भी दर्शकों का ध्यान खींचा। जनवरी में फिल्म आजाद की रिलीज के साथ ही यह सिलसिला शुरू हो गया था और सालभर चला। मगर, बॉक्स ऑफिस पर कौन अपना दम दिखा पाया?

राशा थडानी

इस साल जनवरी में रिलीज हुई फिल्म आजाद के जरिए रवीना टंडन की बेटी राशा थडानी ने इंडस्ट्री में कदम रखे। सिर्फ उन्होंने ही नहीं, बल्कि उनके साथ अजय देवगन के भांजे अमन देवगन ने भी डेब्यू किया। मगर, यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर खास नहीं रही। हालांकि, राशा ने अपने आइटम नंबर ऊई अम्मा से जरूर सुर्खियां बटोरीं।

इब्राहिम अली खान

सैफ अली खान और अमृता सिंह की बेटी सारा अली खान जहां बॉलीवुड में स्थापित हो चुकी हैं, वहीं इस साल उनके बेटे इब्राहिम अली खान ने फिल्म नादानियां से डेब्यू किया था। हालांकि, इब्राहिम का यह ओटीटी डेब्यू था। मगर फिल्म को काफी नेगेटिव रिव्यू मिले।

आर्यन खान

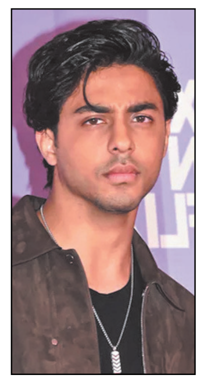

बॉलीवुड के किंग शाहरुख खान के बेटे आर्यन खान ने भी इस साल डेब्यू किया। हालांकि, उन्होंने प्लेटफॉर्म ओटीटी चुना। उन्होंने सीरीज द बैड्स ऑफ बॉलीवुड के जरिए बतौर निर्देशक डेब्यू किया। उन्हें काफी अच्छी प्रतिक्रिया मिली। आर्यन दर्शकों का दिल जीतने में कामयाब रहे।

अहान पांडे

इस साल का सबसे धमाकेदार डेब्यू अहान पांडे ने किया। एक्टर चंकी पांडे के भतीजे ने फिल्म सैयारा के जरिए धूम मचा दी। बता दें कि फिल्म की लीड एक्ट्रेस अनीत पड्डा की भी बतौर मुख्य कलाकार यह पहली फिल्म थी। बॉक्स ऑफिस पर सैयारा छा गई और 300 करोड़ी क्लब में एंट्री ली।

शनाया कपूर

एक्टर संजय कपूर की बिटिया शनाया कपूर ने भी इसी साल अभिनय की दुनिया में बोहनी की। उन्होंने फिल्म आंखों की गुस्ताखियां से डेब्यू किया। इसमें वे विक्रांत मैसी के अपोजिट नजर आईं। मगर, कमाई के मामले में फिल्म फुस्स साबित रही।

खुशी कपूर और जुनैद खान

फिल्म लवयापा के जरिए आमिर खान के बेटे जुनैद खान और श्रीदेवी की छोटी बेटी खुशी कपूर ने बड़े पर्दे पर डेब्यू किया। इससे पहले जुनैद ओटीटी पर फिल्म महाराज में नजर आए थे और उनके अभिनय की खूब तारीफ हुई थी। वहीं, खुशी कपूर ओटीटी पर आई फिल्म द आर्चीज में नजर आ चुकी थीं। बड़े पर्दे पर रिलीज हुई दोनों सितारों की पहली फिल्म लवयापा फ्लॉप रही।

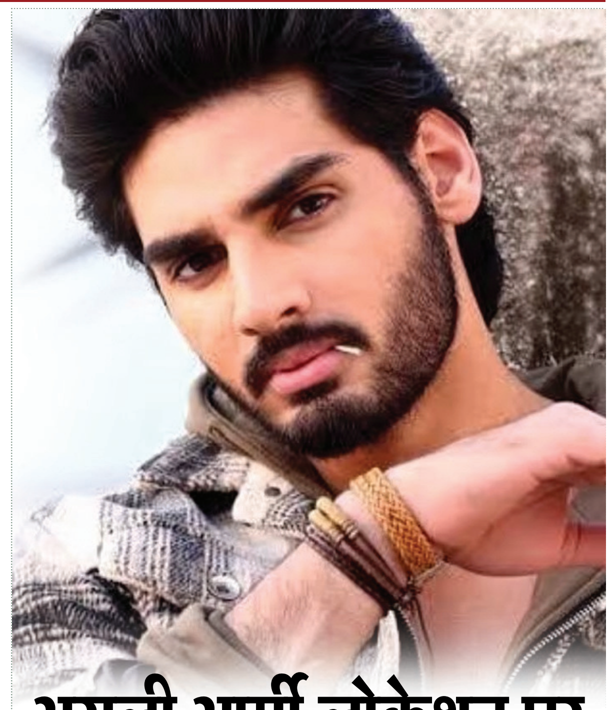

असली आर्मी लोकेशन पर शूटिंग करना नहीं था आसान

हिंदी सिनेमा के लिए फैंस के लिए नए साल की शुरुआत देशभक्ति से भरी फिल्म बॉर्डर 2 से होने वाली है, जिसमें सनी देओल, दिलजीत सिंह दोसांझ, वरुण धवन और अहान शेट्टी सैनिक के किरदार में दिखने वाले हैं। ये फिल्म अहान शेट्टी के लिए बेहद खास है क्योंकि पहली फिल्म तड़प के सुपरफ्लॉप होने के बाद अब बॉर्डर 2 उनके करियर के लिए अहम है। फिल्म में अभिनेता ने नेवी अफसर का रोल प्ले किया है और अब उन्होंने आईएएनएस से खास बातचीत में अपने किरदार और फिल्म की शूटिंग के किस्सों को शेयर किया है। कड़ी मिलिट्री ट्रेनिंग और मुश्किल एक्शन सीक्वेंस के लिए अहान ने बहुत मेहनत की। उन्होंने बताया कि ट्रेनिंग वहां हुई, जहां असली सैनिक ट्रेनिंग लेते हैं। अहान ने कहा कि फिल्म की शूटिंग एनडीए खड़कवासला में हुई और इसका मकसद सिर्फ असली विज़ुअल्स कैप्चर करना नहीं था बल्कि उस माहौल को सीखना था, जिसने मेरे किरदार को पूरी तरह बदल दिया। आप वहां ट्रेनिंग ले रहे होते हैं जहां असली ऑफिसर ट्रेनिंग लेते हैं। वह माहौल आपको कुछ भी गलत करने नहीं देता, बल्कि आपकी बॉडी, आपका पोस्चर और बात करने का तरीका वहां के हिसाब से ढल जाता है। शूटिंग का अनुभव शेयर करते हुए उन्होंने कहा कि शूटिंग की लोकेशन बदलने लगी लेकिन मेरा रूटीन पहले जैसा रहा। वहीं स्ट्रेंथ ट्रेनिंग सेशन, एजिलिटी, कार्डियो, आइस बाथ, स्टीम, सौना और रेड लाइट थेरेपी रोजाना का रूटीन बन गया। आराम के लिए समय नहीं था क्योंकि ट्रेनिंग नहीं छोड़ सकते थे और रोजाना युद्ध वाले सीन शूट करने होते थे, तो आराम का समय नहीं होता है। लगता था कि अब बस अच्छा परफॉर्म करना है। असली मिलिट्री जगहों पर शूटिंग करने में अहान को काफी चुनौतियों का सामना करना पड़ा था। उन्होंने बताया कि 40 डिग्री के तापमान में युद्ध के सीन को शूट किया और 12 घंटों की शूटिंग के दौरान टेक्निकल गियर पहनकर काम करना होता था। बता दें कि बॉर्डर 2 में अहान शेट्टी एक नेवी ऑफिसर का रोल प्ले करने वाले हैं। ये फिल्म और किरदार दोनों ही उनके लिए खास हैं क्योंकि उनके पिता सुनील शेट्टी ने भी फिल्म बॉर्डर में सीमा पर तैनात सैनिक भैरव सिंह का रोल प्ले किया था। फिल्म में उनके जोश और किरदार को खूब पसंद किया गया था, लेकिन अब देखना होगा कि दर्शक उनके बेटे अहान को कितना प्यार देते हैं।

इक्कीस ने मुझे बदल दिया

अगस्त्य नंदा ने सुनाए शूटिंग के किस्से

फिल्म ' इक्कीस' की रिलीज से फिल्म के मुख्य अभिनेता अगस्त्य नंदा ने फिल्म को लेकर बात की। मीडिया से बातचीत में अगस्त्य ने फिल्म से जुड़े अपने अनुभव, डर, सीख और निजी यादों को खुलकर साझा किया। इस दौरान एक्टर ने धर्मेंद्र के साथ पहली मुलाकात से लेकर शूटिंग के दौरान उठाए गए जोखिम, अपने चार साल के सफर और परिवार से मिली सीख तक के बारे में बताया। अभिनेता ने कहा कि यह फिल्म उनके लिए सिर्फ एक प्रोजेक्ट नहीं बल्कि एक गहरा और निजी अनुभव रही है।

ऐसे हुई धर्मेंद्र के साथ पहली मुलाकात

दिवंगत अभिनेता धर्मेंद्र से अपनी पहली मुलाकात को याद करते हुए अगस्त्य ने बताया कि जब मैंने यह फिल्म साइन की थी, उसी दिन धर्मेंद्र जी का जन्मदिन था। मुझे लगा कि खुद को उनसे मिलवाने का सबसे सही तरीका यही होगा कि जाकर उनका आशीर्वाद लिया जाए। उस दिन श्रीराम सर, दिनेश सर, बिनी और मैं उनसे मिलने गए थे। सच कहूं तो मैं बहुत नर्वस था, क्योंकि मुझे समझ नहीं आ रहा था कि उनसे क्या कहूं और कैसे बात करूं। लेकिन वह बेहद गर्मजोशी से मिले। उन्होंने मुझे आशीर्वाद दिया और वह पल मेरे साथ हमेशा के लिए जुड़ गया।

फिल्म के दौरान काफी कुछ सीखने को मिला

फिल्म 'इक्कीस' के सफर के बारे में अगस्त्य ने कहा कि सच कहूं तो इस फिल्म की शुरुआत करने को लेकर आज जब पीछे मुड़कर देखता हूं, तो मैं खुद को एक बिल्कुल अलग इंसान महसूस करता हूं। जब मैंने यह फिल्म शुरू की थी, तब मैं सिर्फ 21 साल का था और आज मैं 25 का हूं। उस वक्त मुझे बिल्कुल अंदाजा नहीं था कि मैं इतना कुछ सीखूंगा या इतने शानदार लोगों के साथ काम करने का मौका मिलेगा। यह फिल्म मेरे लिए सच में एक मजबूत नींव बन गई है। ऐसी नींव, जिसे मैं आगे हर फिल्म में अपने साथ लेकर जाऊंगा। चाहे वह अभिनय से जुड़ा हो या फिर सेट पर रहने के नजरिए से। दिनेश सर से जो मार्गदर्शन मुझे मिला, वह मेरे लिए बहुत मायने रखता है।

जोखिम भरी रही फिल्म की शूटिंग

फिल्म की शूटिंग से जुड़े अनुभवों को साझा करते हुए नवोदित कलाकार ने कहा कि शूटिंग के दौरान कई ऐसे पल आए जब सच में लगता था कि कुछ भी हो सकता है। हमने ये टैंक खुद बनाए थे, इसलिए वे काम करने के लिहाज से पूरी तरह सुरक्षित नहीं थे। फिल्म के दूसरे हिस्से में कुछ एक्शन सीन बहुत जोखिम भरे हैं। हमने ऐसे मूवमेंट किए जो असली टैंक करते हैं। हमने काफी रिहर्सल की थी, लेकिन फिर भी डर बना रहता था। खासकर तब, जब टैंक 20 या 30 फीट की ऊंचाई पर मुड़ता था। उस वक्त सच में डर लगता था कि कहीं वह पलट न जाए। इसके अलावा धमाके हो रहे थे। हर चीज की टाइमिंग बिल्कुल सही होनी थी और टैंक को ठीक उसी पल रुकना था। यह सब आसान नहीं था। शुक्र है कि कुछ गलत नहीं हुआ।

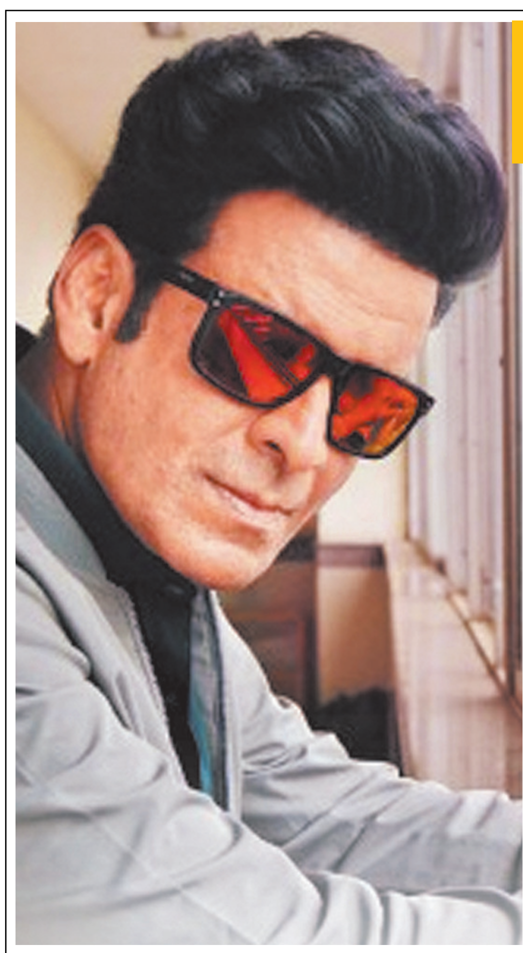

बच्चों से कुछ न छुपाएं, वे हर चीज खुलकर देख-पढ़ रहे हैं

मुंबई का किंग कौन यह डायलॉग बोलने वाले एक्टर मनोज बाजपेयी अनेक बार साबित कर चुके हैं कि वह अभिनय के मामले में किंग हैं। उन्हें 4 बार राष्ट्रीय पुरस्कारों से नवाज़ा जा चुका है। अब यह कद्दावर अभिनेता अपने 30 साल के सफर में फिल्मों की सेंचुरी लगा चुका है। इस मुलाकात में वह अपने करियर, पैरेंटिंग और जिंदगी के सबक की गिरहें खोलने में जरा भी नहीं हिचकिचाते।

सोशल मीडिया से आजकल हर माता-पिता झपरेशान हैं। पैरेंटिंग पर आपकी राय क्या है?

आप जहां भी जाएंगे, सोशल मीडिया आपके पीछे-पीछे आएगा। यह आपको नहीं छोड़ने वाला तो इसे हैंडल करना होगा। जैसे मेरी बेटी आवा हॉस्टल में रहती है। वहां वह मॉनिटरिंग में रहती है, लेकिन जब वह घर आती है तो उसकी मां उसे फोन दे देती है। मैं यही कहूंगा कि बैन मत करिए, नजर रखिए। जितना आप उन पर रोक-टोक लगाएंगे, उतना वे आपसे छुपाते जाएंगे। पैरेंटिंग का जो सिद्धांत है, वह शबाना (पत्नी) बहुत अच्छे-से जानती हैं और समझती हैं। आवा अपनी मां से कोई बात छुपाती नहीं। आवा कोई बात बाहर किसी दूसरे से सुने और असमंजस में पड़े, इससे पहले ही उसकी मां वे तमाम बातें उसे बता चुकी होती है। बच्चों के साथ आपको खुलकर बात करनी पड़ेगी। इस समझदारी के साथ पैरेंटिंग के अलावा लगातार मॉनिटरिंग की भी जरूरत होती है। बच्चे का दिमाग जब तक विकसित नहीं होता, तब तक उसे संभाल कर रखना माता-पिता की जिम्मेदारी है। मगर बच्चे से चीजें छुपाए नहीं। उसे हर चीज के बारे में बताएं क्योंकि वे हर चीज देख-सुन और पढ़ रहे हैं। आवा किसी से कुछ भी छुपा ले, मगर मां से कुछ नहीं छुपाती।

क्या आप अपनी वेब सीरीज के टाइटल की तरह असल जिंदगी में भी फैमिली मैन हैं?

यह जोर से मत कहिए! मेरी पत्नी ने सुन लिया तो आपको तुरंत बता देंगी कि यह बिलकुल गलत बात है। मैं शूटिंग पर रहता हूं तो मुझसे शिकायतों का सिलसिला चलता रहता है। पर हां, जब काम नहीं कर रहा होता तो पूरा समय घर पर बिताता हूं। तब 10-15 दिन बाद ही मेरी पत्नी और बेटी कहने लगती हैं कि अब आप शूटिंग पर कब जाओगे? घर पर रहकर बहुत तंग करते हैं। मुझे परिवार के साथ रहना बहुत अच्छा लगता है। परिवार जानता है कि मुझे काम से कितना प्रेम है। उम्र के साथ शरीर थोड़ा साथ नहीं देता, मगर शूटिंग करने में अब भी उतनी ही खुशी मिलती है। हां, शूटिंग के बाद परिवार संग रहना जरूरी है। मैं कहीं विदेश में शूटिंग करूं और परिवार साथ न हो तो मुझे यही बुरा लगता है कि वे इस नए देश को मेरे साथ अनुभव नहीं कर पा रहे। मैं ऐसा ही इंसान हूं, मगर कमियां बहुत हैं, जो मेरी पत्नी बेहतर बताएंगी।

30 साल के सफर को पलट कर देखते हैं तो कैसा लगता है?

मैं पीछे मुड़कर देखता ही नहीं। यह मेरे लिए हमेशा मुश्किल रहा है। मेरा स्वभाव ही ऐसा है कि बीती बातों में नहीं उलझता क्योंकि वहां अब कुछ नया मिलने वाला नहीं होता। समय बदला, चीजें बदलीं, समाज बदला और इंडस्ट्री भी लगातार बदलती गई। अब ब्रु जिस रफ़्तार से आ रहा है, वह बहुत कुछ बदल रहा है और बदलेगा भी। मेरी एक आदत रही है, बदलते वक्त के साथ खुद को बदलना। बदलाव के साथ तालमेल बैठाकर आगे बढ़ना और अच्छा काम करना- यही मुझे आता है और यही मैं करता आया हूं। उसी में बेहतर करने की कोशिश करता हूं ताकि नई पीढ़ी के साथ कदमताल बनी रहे। अगर किसी चीज में मैं बुरा हूं और मुझे कोई चीज नहीं आती तो मैं उसके लिए किसी को हायर कर लेता हूं। इसके पीछे मेरी सोच यही होती है कि मेरा काम होता रहे और मैं अभिनय करता रहूं।

किस चीज को खोने का दुख सताता है?

अगर इमोशनल तौर पर सोचूं तो मैंने क्या खोया? मैंने खोया है, माता-पिता का साथ। मैं 9 साल की उम्र में हॉस्टल चला गया था और तब से उनके साथ रह ही नहीं पाया। फिर दिल्ली चला गया जबकि वे गांव में थे। जब वे दिल्ली आए, तब तक मैं मुंबई आ चुका था। उनके अंतिम दिनों में जो साथ और जिम्मेदारी मेरे भाई-बहनों ने निभाई, वह मेरा हिस्सा ही नहीं बन सका। मैं उनसे दूर था। आप ऐसी यात्रा पर निकलते हैं तो इस तरह के त्याग के लिए तैयार रहना पड़ेगा। आपको बहुत कुछ खोना पड़ेगा।

आपके जिंदगी के सबक क्या हैं?

मुझे लगता है कि किसी दूसरे को अपनी जिंदगी का निर्धारण न करने दें और न ही उससे प्रभावित होइए क्योंकि आपको लेकर उनकी राय लगातार बदलती रहती है। आपको खुद के और आपके आसपास के लोगों के अलावा कोई नहीं जानता। यही वजह है कि मैं हर अभिनेता से यह कहता हूं कि शुक्रवार से डरो मत। अगर यह शुक्रवार बुरा गया है तो अगला अच्छा जाएगा और फिर आपके बारे में उनकी राय बदल जाएगी। लोगों की राय कभी भी एक जैसी नहीं रहती। इसलिए लोगों की राय पर अपना जीवन न चलाएं। जो मन में हो वही करें, पर यह जरूर देखें कि उससे किसी दूसरे को तकलीफ़ न हो ।

ज्योतिष में है भविष्य

पृथ्वी से कई प्रकाश वर्ष दूर ग्रहों का मानव पर क्या प्रभाव पड़ेगा। इसका अध्ययन ज्योतिष में किया जाता है। ज्योतिष के द्वारा ज्ञात हो सकता है कि कौन से ग्रह उस पर अच्छा प्रभाव डालेंगे और कौन से ग्रह बुरा। हर ग्रह का अपना एक तत्व होता है उस तत्व के द्वारा उस ग्रह के बुरे प्रभाव को खत्म किया जा सकता है। वर्तमान में ज्योतिष एक संभावनाओं वाले क्षेत्र के रूप में उभर कर आया है।

ज्योतिष ग्रहों को जानने की एक प्राचीन विद्या है। यह हमारे ऋषि-मुनियों द्वारा प्रदत्त एक ज्ञान है। ज्योतिष ग्रहों की गणितीय गणना है। ज्योतिष का सबसे बड़ा लाभ यह है कि व्यक्ति को अपनी अनुकूल और प्रतिकूल स्थिति का ज्ञान हो जाता है, जिससे वह उसके अनुसार कार्य करता है तो विपरीत परिस्थितियों में भी उसे संबल मिलता है। पृथ्वी से कई प्रकाश वर्ष दूर ग्रहों का मानव पर क्या प्रभाव पड़ेगा। इसका अध्ययन ज्योतिष में किया जाता है। ज्योतिष के द्वारा ज्ञात हो सकता है कि कौन से ग्रह उस पर अच्छा प्रभाव डालेंगे और कौन से ग्रह बुरा। हर ग्रह का अपना एक तत्व होता है उस तत्व के द्वारा उस ग्रह के बुरे प्रभाव को खत्म किया जा सकता है। वर्तमान में ज्योतिष एक संभावनाओं वाले क्षेत्र के रूप में उभर कर आया है। इस विद्या में कंप्यूटर के प्रयोग से ज्योतिष का क्षेत्र सरल एवं व्यापक हुआ है। भारत में ज्योतिष से संबंधित लगभग 1800 वेबसाइट्स हैं। विदेशों में ज्योतिष से संबंधित लगभग 2 लाख से अधिक वेबसाइट्स हैं। युवा ज्योतिष विद्या का अध्ययन कर इसमें भी कैरियर बना सकते हैं। शासकीय संस्कृत महाविद्यालय के प्रोफेसर डॉ. विनायक पांडे के अनुसार ज्योतिष वर्तमान में एक अच्छे कैरियर क्षेत्र के रूप में उभरा है। कई युवा इस प्राचीन भारतीय विद्या के बारे में जानने-समझने को उत्सुक हैं। अभी इस विद्या का पूर्ण और सही ज्ञान रखने वालों की भारत में अभी भी कम है।

उन्होंने बताया कि ज्योतिष के दो प्रकार होते हैं- 1. सिद्धांत ज्योतिष और 2. फलित ज्योतिष। सिद्धांत ज्योतिष के अंतर्गत पंचांग आदि का निर्माण शामिल है। इसका अध्ययन कर युवा खुद स्वरोजगार स्थापित कर सकते हैं, बल्कि दूसरों को भी रोजगार दे सकते हैं। फलित ज्योतिष के अंतर्गत भविष्य देखना, पत्रिका बनाना, ग्रहजन्य पीड़ा, निदान आदि का अध्ययन किया जाता है।

डॉ. पांडे कहते हैं कि ज्योतिष में रुचि रखने वाले युवा ज्योतिष में डिप्लोमा कर सकते हैं। 12वीं कक्षा उत्तीर्ण करने के बाद आप किसी भी विषय में स्नातक की पढ़ाई के साथ यह डिप्लोमा कर सकते हैं। यह डिप्लोमा कोर्स तीन वर्षीय है। पहले साल में उत्तीर्ण होने पर प्रमाण-पत्र दिया जाता है। दूसरे वर्ष में डिप्लोमा और तीसरे वर्ष में एडवांस डिप्लोमा होता है। यह युवाओं के लिए उभरता हुआ कैरियर क्षेत्र है। ज्योतिष के साथ में आध्यात्मिक जुड़ाव भी होना चाहिए।

योग में संवारे कैरियर

प्रचलित चिकित्सा पद्धति के नुकसान के चलते जहां लोगों में आयुर्वेद, प्राकृतिक चिकित्सा का प्रचलन बढ़ रहा है वहीं कुछ वर्षों से योग के प्रति भी लोगों का रुझान तेजी से बढ़ा है। यदि कोई व्यक्ति योग शिक्षक बनना चाहता है तो उसे योग की तमाम अपेक्षित जानकारी होनी चाहिए।

इस क्षेत्र में अनेक संभावनाएं हैं। योग शिक्षा और प्रशिक्षण के बाद आप स्वयं योग-कक्षाएं लगा सकते हैं। इसके लिए सिर्फ आपके पास साफ-सुथरा स्थान तथा स्वस्थ माहौल होना चाहिए। खुली जगह सर्वोत्तम रहती है। यदि मान्यता प्राप्त संस्थान से प्रशिक्षण लिया है तो आप स्कूल, कॉलेज में भी कक्षाएं ले सकते हैं। चिकित्सक और शोधकर्ता के रूप में आप रोगों तथा विकारों के संबंध में कार्य कर सकते हैं। योग में अनेक क्षेत्र हैं, लेकिन दो प्रमुख क्षेत्र हैं -1. अध्यापन और अनुसंधान तथा 2. रोगों का उपचार। जहां तक रोगों के उपचार का संबंध है, योग मन और शरीर- दोनों का इलाज करता है। किंतु यह जानना जरूरी होता है कि किस आसन और प्राणायाम से कौन-सा रोग ठीक होता है। इसके लिए विद्यार्थियों के लिए विशेष कक्षाएं लगाई जाती हैं, जहां उन्हें विभिन्न आसन और योग के अन्य पहलू सिखाए जाते हैं। योग पर अनेक ग्रंथ हैं। उक्त ग्रंथों का अध्ययन कर योगाभ्यास की सही तकनीक समझ सकते हैं। योग में प्रशिक्षण लेना बेहद जरूरी है क्योंकि यदि व्यायाम सही ढंग से नहीं किया जाता है तो समस्या बढ़ सकती है। यदि समुचित प्रशिक्षण के बिना योग किया जाता है तो यही योग हानिकारक भी हो सकता है।

रोजगार की संभावनाएं

वर्तमान में भारत में 30 से ज्यादा कॉलेजों में योग विषय में स्नातक एवं स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम चलाए जाते हैं। किसी भी क्षेत्र के स्नातक योग से संबंधित पाठ्यक्रम में शामिल हो सकते हैं। स्नातक तथा स्नातकोत्तर स्तर पर ये पाठ्यक्रम उपलब्ध हैं, अथवा स्नातकोत्तर डिप्लोमा स्तर का एक वर्ष का पाठ्यक्रम भी कराया जाता है। यहां यह भी जानना आवश्यक है कि कॉलेजों के अलावा देशभर में कई योग अध्ययन केंद्र भी हैं। योग पाठ्यक्रम में निम्नलिखित विषय शामिल हैं- शरीर रचना, दर्शन, ध्यान, व्यायाम तथा योग और ध्यान का सिद्धांत व नियम। व्यावहारिक पक्ष में योगासन, सूर्य नमस्कार तथा प्राणायाम जैसे विभिन्न आसन दिखाए जाते हैं।

इंटरव्यू की खास बातें

आइए जानते हैं कुछ इंटरव्यू टिप्स, जिन्हें अपनाकर आप इंटरव्यू में सफल हो सकते हैं। समय से पहले न पहुचें- समय से पहले पहुंचने पर इंटरव्यूअर पर आपके प्रति नकारात्मक प्रभाव पड़ सकता है। समय का पाबंद रहना अच्छा गुण है। इस बात का ध्यान रखें कि आप न देर से पहुंचे और न समय से पहले पहुंच कर वहां खाली बैठे रहें। कुछ हायरिंग मैनेजरों को कैंडिडेट्स का बिना वजह खाली बैठे रहना पसंद नहीं आता।

कहते हैं फर्स्ट इंप्रेशन इज़ लास्ट इंप्रेशन। किसी जॉब के लिए इंटरव्यू देते समय आपको इन्हीं बातों का ध्यान रखना पड़ता है। आप इंटरव्यू में अपने आपको सही तरीके से प्रस्तुत करेंगे तो आपको जॉब मिलने में आसानी होगी। आइए जानते हैं कुछ इंटरव्यू टिप्स, जिन्हें अपनाकर आप इंटरव्यू में सफल हो सकते हैं। समय से पहले न पहुचें- समय से पहले पहुंचने पर इंटरव्यूअर पर आपके प्रति नकारात्मक प्रभाव पड़ सकता है। समय का पाबंद रहना अच्छा गुण है। इस बात का ध्यान रखें कि आप न देर से पहुंचे और न समय से पहले पहुंच कर वहां खाली बैठे रहें। कुछ हायरिंग मैनेजरों को कैंडिडेट्स का बिना वजह खाली बैठे रहना पसंद नहीं आता।

हरेक गतिविधि पर नजर- इंटरव्यू देते वक्त आपका ध्यान सिर्फ उसी पर रहता है। इंटरव्यूअर आपसे सवाल-जवाब करने के दौरान आपकी प्रत्येक हलचल पर ध्यान रखता है। कई कंपनियों में तो कैंडिडेट्स के व्यवहार को देखने के लिए रिसेप्शन पर कैमरे तक लगाए जाते हैं। हायरिंग मैनेजर इन कैमरों से यह देखते हैं कि आप रिसेप्शनिस्ट और दूसरे इंटरव्यू देने आए प्रतिभागियों से कैसा व्यवहार कर रहे हैं। बातों को बढ़ा-चढ़ाकर न बोलें- इंटरव्यू के दौरान अनावश्यक न बोलें। आपसे जो सवाल किया जाए, उसी का सीधे तरीके से जवाब दें। कई लोगों की आदत जरूरत से ज्यादा बोलने की

होती है। इंटरव्यूवर को इस बात से सख्त नफरत होती है कि आप उसके सवाल का जवाब देने की बजाय इधर- उधर की बातें करें। अगर आप फालतू की बात करेंगे तो यही माना जाएगा कि आपको कुछ पता नहीं है। सकारात्मक जवाब- इंटरव्यू के दौरान अपने पॉजीटिव एटीट्यूट को प्रदर्शित करें। इंटरव्यू के दौरान आपसे चाहे जितने नकारात्मक प्रश्न पूछे जाएं, आप उनका जवाब पॉजीटिव ही दें। इंटरव्यू के दौरान ज्यादा कम्फर्टेबल और फ्रेंडली होने का प्रयास भी न करें। अपने इंप्लोयर की न करें आलोचना- आप अपने वर्तमान जॉब से चाहे कितने ही असंतुष्ट क्यों न हों, लेकिन इंटरव्यू के दौरान अपने इंप्लोयर की किसी भी तरह की आलोचना न करें। अगर आप ऐसा करते हैं तो इंटरव्यू पैनल में आपके बारे में गलत संदेश जाएगा।

फोटोग्राफी में ध्यान दें बारीकियों पर

फैशन और वाइल्ट लाइफ फोटोग्राफी में रुचि रखने वाले युवा इसे अपना पेशन मानते हैं। इस फील्ड में क्रिएटीविटी, टेक्निक, ट्रेनिंग, हार्डवर्क, ग्लैमर, एडवेंचर सब कुछ है। सही ट्रेनिंग और गाइडेंस से इस फील्ड में कैरियर बनाने का स्कोप बढ़ गया है। कई डिग्री होल्डर फोटोग्राफर्स भी फैशन और वाइल्ड लाइफ फोटोग्राफी की बारीकियां सीख रहे हैं। कैरियर संभावनाएं- फैशन इंडस्ट्रीज, कार्पोरेट और इंडस्ट्रीयल सेक्टर के विकसित होने से इस फील्ड में संभावनाएं बढ़ गई हैं। फैशन इंडस्ट्री के फलने-फूलने के साथ ही फैशन फोटोग्राफी में ग्लैमर जुड़ चुका है। आज हर कंपनी अपने प्रोडक्ट के साथ कैलेंडर, मैगजीन, विज्ञापन ब्रोशर प्रकाशित करती है। इनमें आकर्षक और स्टाइलिश फोटो की खास भूमिका

होती है। इन सबके लिए फैशन फोटोग्राफर की बहुत जरूरत है। तकनीकी रूप से सक्षम होने पर इस क्षेत्र में भविष्य बहुत उज्जवल है। शैक्षणिक योग्यता- फोटोग्राफी के लिए कम से कम ग्रेजुएशन होना जरूरी है। देशभर में कई इंस्टीट्यूट फोटोग्राफी में डिग्री या सर्टीफिकेट कोर्स करवाते हैं। एक सक्सेसफुल फोटोग्राफर बनने के लिए डीप स्टडी और अच्छे विजन का होना जरूरी है। अहमदाबाद, मुंबई, दिल्ली, औरंगाबाद जैसे शहरों में संस्थानों द्वारा फोटोग्राफी का विधिवत प्रशिक्षण दिया जाता है। इन संस्थानों में दो-तीन वर्षों के डिग्री कोर्स एवं ट्रेनिंग दी जाती है।

संक्षिप्त समाचार

अमेरिका के डेलावेयर में फायरिंग, पुलिसकर्मी और संदिग्ध की मौत

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के डेलावेयर में गोलीबारी में एक पुलिसकर्मी और एक संदिग्ध की मौत हो गई। अधिकारियों ने बताया कि मंगलवार को विलमिंगटन के पास एक मोटर वाहन एजेंसी में हुई गोलीबारी में संदिग्ध बंदूकधारी के साथ डेलावेयर राज्य का एक पुलिस अधिकारी की भी मौत हो गई। राज्य पुलिस ने सोशल मीडिया पर कहा कि दोपहर 3 बजे से पहले ही खतरा टल गया था और वे अन्य चोटों का आकलन करना जारी रखे हुए हैं। बयान में कहा, 'राज्य और स्थानीय कानून प्रवर्तन एजेंसियां मौके पर मौजूद हैं और राहत कार्यों का समन्वय कर रही हैं।'

पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा में हुए हमले में 5 पुलिसकर्मी मारे गए

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान के अशांत खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में मंगलवार को अज्ञात सशस्त्र हमलावरों ने एक पुलिस वैन पर गोलीबारी की, जिसमें पांच पुलिसकर्मी मारे गए। यह घटना करक जिले में उस समय घटी जब पुलिस अधिकारी नियमित गश्त पर थे। जिला पुलिस अधिकारी (डीपीओ) सऊद खान ने बताया कि वैन में सवार सभी पांच पुलिसकर्मी हमले में मारे गए हैं। पुलिस की भारी टुकड़ी मौके पर पहुंची, इलाके को घेर लिया और सबूत जुटाना शुरू कर दिया। हमलावरों को पकड़ने के लिए तलाशी अभियान शुरू किया गया। करक जिले की पुलिस और आतंकवाद विरोधी विभाग (सीटीडी) की टीमों ने भी हत्या में शामिल लोगों को पकड़ने के लिए एक संयुक्त अभियान शुरू किया। पहाड़ी इलाके में पीछा करने के दौरान टीमों का आतंकवादियों से सामना हुआ, जिसके परिणामस्वरूप भीषण गोलीबारी हुई, जिसमें आठ आतंकवादी मारे गए। मारे गए आतंकवादियों के शवों को पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल ले जाया गया है, जबकि उनकी पहचान सुनिश्चित करने के प्रयास जारी हैं। मुख्यमंत्री सोहेल अफरीदी ने हमले की कड़ी निंदा करते हुए इस घटना को 'बेहद दुर्भाग्यपूर्ण' और 'निंदनीय' बताया।

पोलैंड की कोयला खदान में विस्फोट, दो मजदूरों की मौत

वॉरसॉ, एजेंसी। पोलैंड में प्नियोवेक कोयला खदान में भूमिगत विस्फोट के कारण दो मजदूरों की मौत हो गई। खदान संचालक कंपनी जेएसडब्ल्यू के अनुसार, सोमवार शाम 5 बजे खदान में अचानक मीथेन गैस और चट्टानों का तेज उभार हुआ। उस समय 10 मजदूर काम कर रहे थे। घटना के बाद आठ मजदूर बाहर निकल आए, जबकि दो फंस गए। करीब सात घंटे बाद दोनों को बाहर लाया जा सका, लेकिन डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

उत्तरी कैलिफोर्निया में अचानक आई बाढ़ से एक की मौत

सैक्रामेंटो , एजेंसी। उत्तरी कैलिफोर्निया में भारी बारिश और बाढ़ से जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया। सड़कों पर पानी भर गया, कई जगहों पर लोगों को वाहनों और घरों से रेस्क्यू करना पड़ा। इस दौरान एक व्यक्ति की मौत हो गई। रेडिंग शहर में एक वाहन चालक की मौत हो गई। मेयर माइक लिटाउ के मुताबिक, व्यक्ति ने 911 पर कॉल किया था, जब उसकी कार पानी से भरने लगी। पुलिस अधिकारी पानी में तैरकर मौके पर पहुंचे और शीशा तोड़कर व्यक्ति को बाहर निकाला, लेकिन सीपीआर के बावजूद उसकी जान नहीं बच सकी।

ब्रिटेन में 56 यौन अपराधों का आरोपी किया गया गिरफ्तार

लंदन, एजेंसी। ब्रिटेन में फिलिप यंग (49) नामक शख्स पर अपनी पूर्व पत्नी जोआन यंग (48) को 13 वर्षों तक नशा देकर दुष्कर्म करने सहित 56 यौन अपराधों के आरोप लगाए गए हैं। पुलिस के अनुसार, आरोपी को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। फिलिंग पर दुष्कर्म, यौन उत्पीड़न के लिए नशीला पदार्थ देने, वोयरिज्म, बच्चों से जुड़ी अश्लील तस्वीरें रखने और आपत्तिजनक सामग्री के कब्जे जैसे गंभीर मामले आरोप हैं। यह घटनाएं 2010 से 2023 के बीच की बताई जा रही हैं।

अमेरिका में नर्सिंग होम में धमाका, इमारत का हिस्सा ढहा ; कई लोग घायल

फिलाडेल्फिया, एजेंसी। अमेरिका के पेंसिल्वेनिया राज्य में फिलाडेल्फिया के पास ब्रिस्टल हेल्थ एंड रिहैब सेंटर नाम के नर्सिंग होम में मंगलवार दोपहर जोरदार धमाका हो गया। धमाके से इमारत का एक हिस्सा ढह गया और कई लोग घायल हो गए। अधिकारियों के मुताबिक, कुछ लोगों के अंदर फंसे होने की भी आशंका है। धमाका स्थानीय समय के मुताबिक, दोपहर करीब 2:17 बजे हुआ। इससे पहले नर्सिंग होम में गैस की गंध की शिकायत मिली थी, जिसके बाद गैस कंपनी की टीम जांच के लिए पहुंची थी। इसी दौरान अचानक विस्फोट हो गया। घटनास्थल से काला धुआं उठता देखा गया।

बांग्लादेश में निष्पक्ष चुनाव पर अमेरिकी सांसदों की चेतावनी

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के कुछ प्रभावशाली सांसदों ने बांग्लादेश की अंतरिम सरकार को चेतावनी दी है कि अगर फरवरी में होने वाले चुनावों से पहले राजनीतिक दलों की भागीदारी पर रोक लगाई गई, तो स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव कराना संभव नहीं होगा। इन सांसदों ने बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के मुख्य सलाहकार मोहम्मद यूनुस को एक पत्र लिखा है। इस पत्र में उन्होंने कहा कि सरकार को सभी राजनीतिक दलों से संवाद कर लोकतांत्रिक संस्थाओं में लोगों का भरोसा दोबारा कायम करना चाहिए। यह पत्र अमेरिकी सांसद ग्रेगरी डब्ल्यू. मीक्स, बिल हुइजेंगा और सिडनी कैमलैगर-डोव ने लिखा, जबकि जूली जॉनसन और थॉमस आर. सुओजी ने भी इस पर हस्ताक्षर किए। मंगलवार को यूनुस को लिखे पत्र में सांसदों ने लिखा, 'हम बांग्लादेश में राष्ट्रीय संकट के समय अगले साल फरवरी में होने वाले चुनावों से पहले एक अंतरिम सरकार का नेतृत्व करने के लिए आपके आगे आने की इच्छा का स्वागत करते हैं। ये बहुत जरूरी है कि अंतरिम सरकार सभी राजनीतिक दलों के साथ मिलकर स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनावों के लिए माहौल बनाए, जिससे लोग शांतिपूर्ण तरीके से मतदान के जरिए अपनी राय रख सकें। साथ ही ऐसे सुधार हों जो राज्य संस्थानों की निष्पक्षता और

ईमानदारी में विश्वास बहाल करें।'

उन्होंने चिंता जताई कि अगर सरकार राजनीतिक दलों की गतिविधियां निलंबित करती है या फिर विवादित अंतरराष्ट्रीय अपराध न्यायाधिकरण को दोबारा शुरू करती है, तो चुनाव प्रक्रिया पर लोगों का भरोसा और कमजोर हो सकता है।

अमेरिकी सांसदों ने यह भी याद दिलाया कि अमेरिकी विदेश विभाग और अंतरराष्ट्रीय पर्यवेक्षकों ने बांग्लादेश के 2018 और 2024 के आम चुनावों को पूरी तरह स्वतंत्र और निष्पक्ष नहीं माना था। उनका कहना है कि आने वाले चुनाव की विश्वसनीयता इस बात पर निर्भर करेगी कि अंतरिम सरकार पहले की उन नीतियों से कितना अलग रास्ता अपनाती है, जिनकी अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर आलोचना हुई थी।

संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार कार्यालय की एक रिपोर्ट का हवाला देते हुए सांसदों ने बताया कि 2024 में जुलाई और अगस्त के प्रदर्शनों के दौरान सुरक्षा बलों की कार्रवाई में लगभग 1,400 लोगों की मौत हुई थी। उन्होंने कहा कि इन घटनाओं के लिए जवाबदेही तय करना जरूरी है, ताकि बदले की राजनीति का सिलसिला खत्म हो सके। सांसदों की सबसे बड़ी चिंता किसी राजनीतिक दल की गतिविधियों को पूरी तरह निलंबित करने के फैसले को लेकर थी।

उन्होंने कहा कि संगठन बनाने की स्वतंत्रता और व्यक्तिगत जिम्मेदारी का सिद्धांत बुनियादी मानवाधिकार हैं। किसी पूरे दल पर रोक उन सिद्धांतों के खिलाफ है। उन्होंने अंतरिम सरकार से इस फैसले पर दोबारा विचार करने को कहा और बताया कि सभी दलों की भागीदारी से ही जनता का भरोसा लौटाया जा सकता है। सांसदों ने कहा, 'आखिरकार, बांग्लादेश के लोगों को एक स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव में चुनी हुई सरकार चुनने का अधिकार है, जिसमें सभी राजनीतिक दल हिस्सा ले सकें ताकि उनकी आवाज सुनी जा सके।

पत्र में यह भी कहा गया कि बांग्लादेश अमेरिका का एक महत्वपूर्ण साझेदार है और अमेरिकी सांसद अंतरिम सरकार के साथ मिलकर दोनों देशों के रिश्तों और बांग्लादेश की लोकतांत्रिक प्रक्रिया को आगे बढ़ाने के लिए तैयार हैं। इसी से जुड़े एक अन्य मामले में सांसद थॉमस आर. सुओजी ने अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो को पत्र लिखकर बांग्लादेश में धार्मिक अल्पसंख्यकों, खासकर हिंदुओं की सुरक्षा को लेकर जानकारी मांगी। उन्होंने हाल की हिंसक घटनाओं और ईशनिंदा कानूनों के दुरुपयोग पर चिंता जताई और कहा कि इन मुद्दों पर उन्हें विस्तार से जानकारी दी जाए, ताकि वह बांग्लादेशी-अमेरिकी समुदाय की चिंताओं को उठा सकें।

यूक्रेन पर रूस के भीषण हमले, 650 से ज्यादा ड्रोन-36 मिसाइलों से 13 इलाकों को बनाया निशाना

कीव, एजेंसी। रूस ने मंगलवार को यूक्रेन पर एक बड़े हमले में 650 से अधिक ड्रोन और करीब 36 मिसाइलें दागीं। 13 यूक्रेनी इलाकों में किए गए इस हमले में तीन लोग मारे गए। मृतकों में एक चार वर्षीय बच्चा भी शामिल है। यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने कहा कि हमले में यूक्रेन के 13 क्षेत्रों में घरों और बिजली ग्रिड को निशाना बनाया गया, जिससे बिजली की व्यापक कटौती हुई। इससे पहले उन्होंने शांति समझौते की दिशा में हुई हालिया प्रगति को ठोस बताया था। जेलेंस्की ने एक पोस्ट में कहा, इस बमबारी से रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन का यूक्रेन पर हमला जारी रखने का इरादा स्पष्ट होता है। यूक्रेनी और यूरोपीय अधिकारियों ने शिकायत की है कि पुतिन अमेरिका के नेतृत्व वाले शांति प्रयासों में गंभीरता से सहयोग नहीं कर रहे हैं। जेलेंस्की ने कहा, यह हमला रूसी प्राथमिकताओं का बेहद स्पष्ट संकेत है। क्रिसमस से ठीक पहले ऐसा हमला किया गया, जब लोग परिजनों के साथ घर में रहना चाहते हैं। वह बोले, यह हमला इस युद्ध को खत्म करने के लिए जारी वार्ता के बीच में हुआ है। इससे पता चलता है कि पुतिन यह स्वीकार नहीं कर सकते कि हमें हत्याएं बंद करनी होंगी।

शांति वार्ता में ठोस प्रगतिः जेलेंस्की : यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने कहा, रूस-यूक्रेन शांति समझौते के लिए अमेरिका द्वारा पेश किए गए

शुरुआती मसौदे कीव की कई मांगों को पूरा करते हैं। जेलेंस्की ने हालांकि संकेत दिया कि युद्ध को समाप्त करने के लिए होने वाली वार्ताओं में दोनों पक्षों की सभी इच्छाएं पूरी होने की संभावना कम ही है। उन्होंने समझौते की कोशिश कर रहे अमेरिकी अधिकारियों के साथ हुई हालिया बातचीत पर कहा, इस चरण में काफी ठोस प्रगति नजर आ रही है।

यूक्रेन ने तेल टर्मिनल व जेट पर साधा निशाना : रूसी हमलों से पहले यूक्रेनी सेना ने रूस में सिलसिलेवार हमलों में एक तेल टर्मिनल, पाइपलाइन, दो खड़े जेट लड़ाकू विमानों और दो जहाजों को निशाना बनाया है। ये हमले रूस की युद्ध क्षमता को कमजोर करने और अग्रिम मोर्चे से दूर के इलाकों में असुरक्षा का माहौल पैदा करने के अभियान का हिस्सा हैं। हमलों का एक उद्देश्य व्लादिमीर पुतिन की उस रणनीति को भी झटका देना था, जिसके तहत वह रूस को अमेरिकी नेतृत्व वाले शांति प्रयासों में सैन्य रूप से मजबूत स्थिति से बातचीत करने वाले देश के रूप में पेश करना चाहते हैं।

ब्राजील के राष्ट्रपति लूला दा सिल्वा अगले महीने कर सकते हैं भारत का दौराः सूत्र

ब्रासीलिया, एजेंसी। शीर्ष सूत्रों ने मंगलवार को बताया कि ब्राजील के राष्ट्रपति लुइज इनासियो लूला दा सिल्वा अगले साल की शुरुआत में भारत का दौरा कर सकते हैं। यह दौरा जनवरी के अंत या फरवरी 2026 की शुरुआत में संभव हो सकता है। लूला का यह दौरा भारत और ब्राजील के बीच द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करने के उद्देश्य से किया जा रहा है। उम्मीद है कि प्रस्तावित दौरे के दौरान भारत और ब्राजील व्यापार, निवेश, रक्षा सहयोग, ऊर्जा, कृषि और प्रौद्योगिकी जैसे प्रमुख क्षेत्रों में संबंधों को और मजबूत करेंगे। एक शीर्ष अधिकारी ने बताया कि दोनों पक्ष अपनी रणनीतिक साझेदारी को और गहरा करने के तरीकों पर भी विचार कर सकते हैं। भारत और ब्राजील ब्रिक्स और जी20 जैसे अंतरराष्ट्रीय मंचों पर करीबी साझेदार हैं। इस दौरान वैश्विक आर्थिक मुद्दे, विकास संबंधी चिंताएं, और विकासशील देशों के बीच सहयोग भी चर्चा का विषय रहने की उम्मीद है। हालांकि, दौरे की आधिकारिक पुष्टि अभी बाकी है। पिछले महीने दक्षिण अफ्रीका के जोहान्सबर्ग में जी20 शिखर सम्मेलन के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ब्राजील के राष्ट्रपति से मुलाकात की, जिससे भारत-ब्राजील संबंधों में निरंतर आ रही प्रगति पर प्रकाश डाला गया।

प्रधानमंत्री मोदी ने लुइज इनासियो लूला दा सिल्वा के साथ अपनी तस्वीर साझा करते हुए फेसबुक पर लिखा कि राष्ट्रपति लूला से मिलना हमेशा ही सुखद होता है। भारत और ब्राजील अपने लोगों के लाभ के लिए व्यापार और सांस्कृतिक संबंधों को बढ़ावा देने के लिए मिलकर काम करना जारी रखेंगे।

प्रधानमंत्री मोदी और राष्ट्रपति लूला ने इस वर्ष की शुरुआत में प्रधानमंत्री मोदी की ब्राजील यात्रा के दौरान प्राप्त हुई प्रगति की बार-बार पुष्टि की और भारत-ब्राजील रणनीतिक साझेदारी को गहरा करने की साझा प्रतिबद्धता पर जोर दिया। रियो डी जनेरियो में ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में भाग लेने के बाद जुलाई में प्रधानमंत्री मोदी की ब्राजील यात्रा के दौरान दोनों नेताओं की मुलाकात ब्रासीलिया में हुई थी।

उस्मान हादी के भाई का मोहम्मद यूनुस पर गंभीर आरोप, कहा- 'चुनाव रद्द कराने के लिए तुमने उसे मारा'

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश के चर्चित छात्र नेता और इंकिलाब मंचो के संयोजक शरीफ उस्मान हादी की हत्या के बाद देश की राजनीति में भूचाल आ गया है। मृतक के भाई ओमर हादी ने मोहम्मद यूनुस के नेतृत्व वाली अंतरिम सरकार पर बेहद गंभीर आरोप लगाते हुए कहा है कि उनके भाई की हत्या आगामी राष्ट्रीय चुनावों को पटरी से उतारने के लिए कराई गई। ओमर हादी का दावा है कि सत्ता में बैठे लोगों के एक गुट ने जानबूझकर इस हत्या को अंजाम दिया, ताकि चुनावी माहौल को अस्थिर किया जा सके और राजनीतिक फायदा उठाया जा सके।

'आपने उसे मरवाया', सरकार पर सीधा हमला : ढाका के शाहबाग इलाके में राष्ट्रीय संग्रहालय के सामने आयोजित शहीदी शपथ कार्यक्रम में बोलते हुए ओमर हादी ने सरकार पर तीखा हमला बोला।

बांग्लादेशी अखबार द डेली स्टार के अनुसार, उन्होंने कहा यह आप ही हैं जिन्होंने उस्मान हादी को मरवाया और अब उसी मुद्दे को लेकर चुनाव बिगाड़ने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार के भीतर मौजूद एक खास गुट ने साजिश रचकर इस हत्या को अंजाम दिया। बता दें कि उस्मान हादी आगामी 12 फरवरी को होने वाले आम चुनाव में उम्मीदवार थे। ओमर हादी का यह भी आरोप है कि उनके भाई की हत्या इसलिए की गई, क्योंकि उन्होंने किसी भी एजेंसी या विदेशी आकाओं के आगे झुकने से इनकार कर दिया था।

यूनुस सरकार को चेतावनी : ओमर हादी ने अंतरिम सरकार को चेतावनी देते हुए कहा कि अगर उनके भाई के हत्यारों को जल्द सजा नहीं दी गई, तो यूनुस सरकार का अंजाम भी पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना जैसा हो सकता है। उन्होंने कहा हत्यारों पर जल्द मुकदमा चलाएं, ताकि चुनावी माहौल खराब न हो। सरकार अब तक कोई ठोस प्रगति नहीं दिखा पाई है। अगर उस्मान हादी को न्याय नहीं मिला, तो आपको भी एक दिन बांग्लादेश छोड़ने पर मजबूर होना पड़ेगा।

मस्जिद से निकलते समय मारी गई गोली : गौरतलब है कि 32 वर्षीय शरीफ उस्मान हादी पर ढाका में एक मस्जिद से बाहर निकलते समय गोली चलाई गई थी। गंभीर रूप से घायल हादी को इलाज के लिए सिंगापुर ले जाया गया, जहां 19 दिसंबर को इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। उनकी हत्या ने पूरे देश को झकझोर दिया और राजधानी ढाका समेत कई इलाकों में तनाव की स्थिति बन गई। उस्मान हादी उन प्रमुख छात्र नेताओं में शामिल थे, जिन्होंने 2024 में हुए जन आंदोलन का नेतृत्व किया था। इसी आंदोलन के बाद तत्कालीन प्रधानमंत्री शेख हसीना को अगस्त 2024 में पद छोड़कर भारत भागना पड़ा था।

अमेरिका में अवैध रूप से रह रहे 30 भारतीय गिरफ्तार, बॉर्डर पेट्रोल एजेंट्स ने हाईवे से पकड़ा

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका की बॉर्डर पेट्रोल पुलिस ने अवैध रूप से रह रहे 30 भारतीयों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार किए गए लोग अमेरिका में कमर्शियल ड्राइवर लाइसेंस लेकर ट्रक चला रहे थे। बॉर्डर पुलिस ने एक विशेष अभियान के तहत इन लोगों को पकड़ा। यूएस कस्टम और बॉर्डर प्रोटेक्शन विभाग ने एक बयान जारी कर बताया कि बॉर्डर पेट्रोल एजेंट्स ने कैलिफोर्निया के अल सेंट्रो सेक्टर में 49 अवैध अप्रवासियों को गिरफ्तार किया। गिरफ्तार लोगों के पास से कमर्शियल ड्राइविंग लाइसेंस मिले हैं।

पकड़े गए लोगों में से अधिकतर भारतीय : कस्टम एजेंसी ने बताया कि अप्रवासन चेक पॉइंट पर जांच के दौरान ये लोग पकड़े गए। कस्टम विभाग ने बताया कि 23 नवंबर से 12 दिसंबर तक चले अभियान में कुल 42 अवैध अप्रवासी पकड़े गए हैं, जो कमर्शियल ड्राइविंग लाइसेंस पर ट्रक चला रहे थे। पकड़े गए लोगों में से 30 भारतीय नागरिक हैं। वहीं दो लोग अल सल्वाडोर के और बाकी चीन, एरीट्रिया, हैती, होंडुरास, मैक्सिको, रूस, सोमालिया, तुर्किये और यूक्रेन के निवासी हैं। एजेंसी ने बताया कि पकड़े गए लोगों में से 31 को कमर्शियल ड्राइविंग लाइसेंस कैलिफोर्निया राज्य की सरकार ने जारी किए थे। आठ लाइसेंस फ्लोरिडा, इलिनोइस, इंडियाना, ओहायो, मैरीलैंड, मिनेसोटा, न्यू जर्सी, न्यूयॉर्क, पेंसिल्वेनिया और वाशिंगटन ने जारी किए थे। अप्रवासन एजेंसी का ट्रक चालकों के खिलाफ ये अभियान कई घातक दुर्घटनाओं के बाद सामने आया है, जिसमें अवैध रूप से रह रहे लोगों ने सड़क दुर्घटनाएं कीं, जिनमें कई लोगों की मौत हुई।

राजमार्गों को सुरक्षित करना उद्देश्य : कस्टम एजेंसी ने कहा कि इस अभियान का उद्देश्य अप्रवासन कानून को लागू करना, अमेरिकी राजमार्गों को सुरक्षित करना और कमर्शियल परिवहन क्षेत्र में नियामक मानकों को बनाए रखना था। अधिकारियों ने कहा, 'गिरफ्तार किए गए लोगों को कभी भी ये ट्रक नहीं चलाने चाहिए थे, और जिन राज्यों ने उन्हें कमर्शियल ड्राइवर लाइसेंस जारी किए हैं, वे हाल ही में हमने दुखद रूप से देखी गई घातक दुर्घटनाओं के लिए सीधे तौर पर जिम्मेदार हैं। होमलैंड सिक्योरिटी इन्वेस्टिगेशन और अन्य एजेंसियों में हमारे सहयोगी भागीदारों के साथ मिलकर, एल सेंट्रो सेक्टर यह सुनिश्चित करना जारी रखेगा कि अमेरिकी जनता की सुरक्षा हमारे प्रयासों में सबसे आगे रहे।' हाल के महीनों में ऐसे कई मामले सामने आए हैं जहां अवैध रूप से अमेरिका में रह रहे भारतीय ट्रक चलाते समय खतरनाक और घातक दुर्घटनाओं में शामिल रहे हैं।

लीबिया के आर्मी चीफ की प्लेन क्रैश में मौतः7 और लोग भी मारे गए, तुर्किए में उड़ान भरने के 30 मिनट बाद हादसा

अंकारा, एजेंसी। लीबियाई की सेना के चीफ ऑफ जनरल स्टाफ लेफ्टिनेंट जनरल मोहम्मद अल-हद्दाद की मंगलवार रात तुर्किये में प्लेन क्रैश में मौत हो गई। प्लेन में 8 लोग सवार थे, सभी की मौके पर ही मौत हो गई। तुर्किये के गृह मंत्री अली येरलिकाया ने बताया कि फाल्कन-50 विमान का मलबा अंकारा के पास हायमाना इलाके में मिला है। विमान में टेकऑफ के 30 मिनट बाद ही तकनीकी खराबी आ गई थी, जिसके चलते यह हादसा हुआ। यह लीबियाई मिलिट्री डेलिगेशन अंकारा में तुर्किये के साथ रक्षा सहयोग बढ़ाने को लेकर हाई लेवल बातचीत के लिए आया था और वापस लीबिया लौट रहा था। हादसे में मरने वालों में लीबिया के थल सेना प्रमुख जनरल अल-फितूरी ग्रैबिल, ब्रिगेडियर जनरल महमूद अल-कतावी, चीफ ऑफ स्टाफ के सलाहकार मोहम्मद अल-असावी दियाब, सैन्य फोटोग्राफर मोहम्मद ओमर अहमद महजूब और 3 क्रू मेंबर शामिल हैं।

प्लेन ने इमरजेंसी लैंडिंग का मैसेज भेजा था : लीबिया के प्रधानमंत्री अब्दुल-हामिद दबैबा ने फेसबुक पर बयान जारी कर जनरल अल-हद्दाद और अन्य अधिकारियों की मौत की पुष्टि की और इसे देश के लिए बहुत बड़ा नुकसान बताया। तुर्किये के गृह मंत्री अली यरलीकाया के मुताबिक, विमान लोकल समय के मुताबिक रात करीब 8 बजे अंकारा के एसनबोगा एयरपोर्ट से उड़ा था और कुछ देर बाद संपर्क टूट गया। प्लेन ने हायमाना इलाके के पास आपात लैंडिंग का संकेत भेजा था, लेकिन इसके बाद कोई संपर्क नहीं हो सका। स्थानीय टीवी चैनलों पर जारी सीसीटीवी फुटेज में रात के आसमान में तेज रोशनी और विस्फोट जैसा दृश्य दिखा। विमान का मलबा अंकारा से करीब 70 किलोमीटर दक्षिण हायमाना जिले के एक गांव के पास मिला। हादसे के बाद अंकारा एयरपोर्ट को अस्थायी रूप से बंद कर दिया गया और कई उड़ानों को दूसरे एयरपोर्ट पर भेजा गया। तुर्किये के न्याय मंत्रालय ने हादसे की जांच के लिए चार अधिकारियों की नियुक्ति की है। वहीं, लीबिया सरकार ने भी जांच में सहयोग के लिए अपनी टीम अंकारा भेजने का फैसला किया है। हायमाना के एक स्थानीय निवासी बुरहान चिचेक ने बताया कि उन्होंने जोरदार धमाके की आवाज सुनी। उन्होंने कहा- ऐसा लगा जैसे कोई बम फटा हो। तुर्किये की मीडिया में भी ऐसी तस्वीरें दिखाई गईं, जिनमें हादसे के समय आसमान में तेज रोशनी नजर आई।

पाकिस्तानी सांसद का मुनीर पर हमला, कहा- भारत के ऑपरेशन सिंदूर पर कैसे कर सकते हैं आपत्ति?

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान की सियासत में एक अहम बयान सामने आया है। जमीयत उलेमा-ए-इस्लाम (फजल) के प्रमुख और वरिष्ठ पाकिस्तानी सांसद मौलाना फजलुर रहमान ने पाकिस्तान की सैन्य नीति को कठघरे में खड़ा करते हुए भारत के 'ऑपरेशन सिंदूर' का हवाला दिया है। उन्होंने सवाल उठाया कि जब पाकिस्तान अफगानिस्तान के भीतर सैन्य कार्रवाई को जायज ठहराता है, तो फिर भारत द्वारा पाकिस्तान की जमीन पर आतंकियों के ठिकानों पर किए गए हमलों पर आपत्ति किस आधार पर की जा सकती है।

कराची के लियारी इलाके में आयोजित 'मजलिस-ए-इत्तेहाद-ए-उम्मत' सम्मेलन को संबोधित करते हुए मौलाना फजलुर रहमान ने पाकिस्तान सेना प्रमुख आसिम मुनीर के नेतृत्व वाली सैन्य कार्रवाइयों की कड़ी आलोचना की। उन्होंने कहा कि अफगानिस्तान में पाकिस्तानी हमलों में आम नागरिकों की मौत हुई है और इस पर इस्लामाबाद की दलीलें खोखली हैं।

तर्क एक जैसा नहीं हो सकता : फजलुर रहमान ने कहा, 'अगर आप कहते हैं कि हमने अफगानिस्तान में अपने दुश्मन पर हमला किया और उसे जायज ठहराते हैं, तो भारत भी यह कह सकता है कि उसने बहावलपुर, मुरीदके और कश्मीर हमलों के जिम्मेदार संगठनों के मुख्यालयों पर कार्रवाई की।' उन्होंने आगे सवाल किया, 'फिर आप आपत्ति कैसे कर सकते हैं? आज वही आरोप अफगानिस्तान पाकिस्तान पर लगा रहा है। दोनों स्थितियों को आप कैसे सही ठहराएंगे?' मौलाना के इस बयान को सीधे तौर पर भारत के 'ऑपरेशन सिंदूर' से जोड़कर देखा जा रहा है।

आपको बता दें कि 7 मई को भारतीय सशस्त्र बलों ने तड़के पाकिस्तान और पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर (क्ष्य) में स्थित नौ आतंकी ठिकानों पर सटीक मिसाइल हमले किए थे। इनमें जैश-ए-मोहम्मद का गढ़ बहावलपुर और लश्कर-ए-तैयबा का मुख्य ठिकाना मुरीदके शामिल था। इस अभियान को 'ऑपरेशन सिंदूर' नाम दिया गया, जो 22 अप्रैल को हुए उस आतंकी हमले का बदला था, जिसमें 26 निर्दोष नागरिकों की हत्या कर दी गई थी।

भारतीय कार्रवाई के बाद पाकिस्तान ने ड्रोन और अन्य हथियारों से भारत के कई शहरों को निशाना बनाने की कोशिश की, लेकिन भारतीय सेना ने इन प्रयासों को नाकाम कर दिया था।

पाकिस्तान-अफगानिस्तान तनाव : मौलाना फजलुर रहमान लंबे समय से पाकिस्तान की अफगान नीति के आलोचक रहे हैं। अक्टूबर में दोनों देशों के बीच तनाव बढ़ने पर उन्होंने मध्यस्थता की पेशकश भी की थी। वह तालिबान के सर्वोच्च नेता हैबतुल्लाह अखुंदजादा से मुलाकात करने वाले इकलौते पाकिस्तानी सांसद माने जाते हैं। हाल ही में भारत ने भी अफगानिस्तान पर पाकिस्तान के ताजा हमलों की निंदा की। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रंधीर जायसवाल ने कहा, 'हम उन रिपोर्टों से अवगत हैं जिनमें अफ़ग़ान नागरिकों के मारे जाने की बात कही गई है। हम निर्दोष अफगान लोगों पर हमलों की कड़ी निंदा करते हैं।' उन्होंने दोहराया कि भारत अफगानिस्तान की संप्रभुता, क्षेत्रीय अखंडता और स्वतंत्रता का समर्थन करता है। वहीं तालिबान सरकार के प्रवक्ता ने दावा किया कि हमले पाकिस्तान ने शुरू किए, जिसके जवाब में काबुल को कार्रवाई करनी पड़ी। 2021 में तालिबान की काबुल वापसी के बाद से पाकिस्तान और अफगानिस्तान के रिश्ते लगातार बिगड़ते गए हैं। पाकिस्तान अफगानिस्तान पर आतंकियों को पनाह देने का आरोप लगाता है, जबकि तालिबान सरकार इन आरोपों को खारिज करती रही है।